खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 31 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-297

विदेशों में बंधक रखा अपना सोना वापस ला रही है भारत सरकार

अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता के बीच दूरदर्शी फैसला

सोना अपना 'सोणा' है...

भारत सरकार समझदारी और दूरदर्शिता से विदेशी बैंकों में रखा भारत का सोना वापस ला रही है। विश्व में फैली अराजकता के मद्देनजर यह काम अत्यंत जरूरी थी, जिसे समय रहते भारत सरकार ने समझा और उसे पूरा करने में लग गई। आपको मालूम ही है कि अमेरिका या यूरोपीय देशों में रखा विभिन्न देशों का सोना जब्त कर लिए जाने की तमाम कार्रवाइयां हुईं। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बहाने रूस का रखा तमाम सोना जब्त कर लिया। अमेरिका अपना स्वर्ण भंडार बढ़ाने में लगा है। अमेरिकी की तरह ही अन्य पश्चिमी देश भी सोना भंडार बढ़ा रहे हैं और उसे सुरक्षित रख रहे हैं। इसका दूसरा पहलू यह भी है कि दुनिया में अमेरिकी डॉलर अपना वर्चस्व खो रहे हैं। ऐसे में सोना ही विश्व का आर्थिक संतुलन ठीक करेगा। लिहाजा, इन दूरदर्शी दृष्टिकोणों से भारत सरकार ने विदेशी बैंकों या संस्थानों में रखा अपना सोना वापस लाने का काम तेज कर दिया है।

शुभ-लाभ राष्ट्रहित

सोना वापस लाने का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय आर्थिक उथल-पुथल के साथ-साथ राजनीतिक उथल-पुथल भी है। रूस-यूक्रेन युद्ध, अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के आने से हुए परिणाम और पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध, इजराइल और हमास का युद्ध, ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल की तनातनी, अमेरिकी टैरिफ के परिणामस्वरूप दुनिया में बढ़ा शक्ति असंतुलन या नया शक्ति-ध्रुवीकरण जैसे कई कारण हैं। लिहाजा, भारत सरकार का अपना सोना वापस लाना समय के साथ चलने का पुख्ता संकेत है। इस कदम से आरबीआई को अपने सोने के भंडार पर अधिक नियंत्रण मिलता है और यह संदेश जाता है कि वह अपनी वित्तीय संप्रभुता में सुरक्षित है। किसी देश के लिए अपना सोना अपने पास रखना कोई छोटी बात नहीं है। दरअसल, 1991 में भारत को वित्तीय और आर्थिक संकट के बीच बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान से 40 करोड़ डॉलर (करीब 35,276 करोड़ रुपए) का ऋण लेने के लिए अपना सोना बाहर भेजना पड़ा था। कुछ लोगों ने आरबीआई से विदेशों से सोना वापस भारत लाने के लिए और भी तेज़ी से कदम उठाने का आग्रह किया है। जैसा कि पाइनट्री मैक्रो के संस्थापक रितेश जैन ने बताया, हमें वास्तव में आश्चर्य है कि सोने की एक बड़ी मात्रा अभी भी भारत के बाहर पड़ी है। मेरा दृढ़ मत है कि इस नई दुनिया में, अगर सोना आपके कब्जे में नहीं है, तो वह आपका सोना नहीं है।

इतिहास ने इसे साबित कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने 2023 में रूस को सोने सहित लगभग 300 अरब डॉलर (करीब 26.46 लाख करोड़ रुपए) मूल्य की ▶10 पर

सबसे अधिक स्वर्ण भंडार वाले देशों में भारत 8वें स्थान पर

बिहार के मुजफ्फरपुर में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भ्रष्टाचार के युवराजों ने झूठ की दुकान खोल रखी है

पटना, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार के मुजफ्फरपुर में हुई विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, बिहार में दो युवराजों ने झूठे वादों की दुकान खोल रखी है। एक भारत के सबसे भ्रष्ट परिवार का युवराज है। वहीं दूसरा बिहार के सबसे भ्रष्ट परिवार का युवराज है। यह दोनों ही हजारों करोड़ों के घोटाले पर जमानत में हैं। इन दोनों ने बुधवार को मोदी को भर-भर के गालियां दीं। अब जो लोग नामदार हैं, वह इस कामदार को गालियां देंगे ही। मुझे गाली दिए बिना, इनका खाना हजम नहीं होता है। दलित और पिछड़ों को गाली देना तो यह नामदार अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। इसलिए 24 घंटे यह लोग मुझे गंदी-गंदी गालियां देते रहते हैं। इसलिए, क्योंकि इन्हें बर्दाश्त नहीं होता कि एक पिछड़ा का बेटा और चाय बेचने वाला आज यहां पहुंच गया। गालियां देने वाले कान खोलकर सुन लो, यह गरीब का बेटा जनता के आशीर्वाद से यहां तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस और राजद के लिए छठी मैय्या की पूजा भी ड्रामा है। ऐसा कह कर इन लोगों ने छठी मैया का अपमान किया है।

राजनीतिक स्वार्थ में छठी मैय्या का भी अपमान कर रहे

जनता बताए इन दोनों युवराजों को बिहार लूटने देंगे क्या?

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस का झगड़ा आज की असली खबर है। अब इनका रिश्ता तेल और ▶10 पर

मुंगेर की जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा

सनातन संस्कृति और परंपरा से राहुल का क्या लेना-देना?

मुंगेर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंगेर के असरगंज में तारापुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली और महाराष्ट्र में छठ महापर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। माताओं और बहनों ने श्रद्धा के साथ छठ मैया की पूजा-अर्चना की। दिल्ली में भी बिहारवासियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। छठ पूजा के बाद बिहार पहुंचे राहुल गांधी ने छठी मैया का अपमान किया। राहुल गांधी को देश की सनातन संस्कृति और परंपरा से कोई लेना-देना नहीं है। उनकी ननिहाल इटली में है, इसलिए उन्हें इस महापर्व का महत्व नहीं मालूम। अब वे प्रधानमंत्री के बाद छठी मैया का भी अपमान कर रहे हैं। छठ पर्व और पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ मुजफ्फरपुर में मुकदमा भी दर्ज हो गया है।

ननिहाल इटली में है, उन्हें छठ महापर्व का महत्व नहीं पता

छठ महापर्व के अपमान पर राहुल के खिलाफ मुकदमा

अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री का जितना अपमान करोगे, उतना कमल खिलेगा। उन्होंने कहा, छठी मईया और उनके भक्तों का अपमान करने की राहुल गांधी को कीमत चुकानी पड़ेगी। इसके पहले भी राहुल गांधी ने पीएम मोदी के बारे में अपमानजनक तरीके से बात की थी और उनकी मां का अपमान किया था, लेकिन जब भी उन्होंने ऐसा किया है, हर बार कीचड़ से कमल खिला। ▶10 पर

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा, जल्द लौटूंगी

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि वे जल्दी ही अपने देश वापस लौटेंगी। शेख हसीना ने अपने देश लौटने का निश्चय दोहराते हुए कहा, बांग्लादेश में वैध सरकार होगी और दुरुस्त कानून-व्यवस्था कायम होगी। मैं वापस जाऊंगी तब बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी तरह बहाल होगी। पूर्व पीएम ने कहा, यूनुस चौकड़ी हमारी पार्टी अवामी लीग को चुनाव लड़ने से रोकने का उपक्रम कर रही है। ऐसा हुआ तो हमारी पार्टी चुनाव का बहिष्कार करेगी।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत की राजधानी दिल्ली में निर्वासन का जीवन जी रही हैं। पिछले साल अगस्त में ढाका में हिंसक प्रदर्शन भड़कने के बाद उन्होंने इस्तीफा दिया और हेलीकॉप्टर से भारत आ गई थीं। अब 78 वर्ष की उम्र में हसीना नई दिल्ली में रह रही हैं। उन्होंने मीडिया से खुलकर बात की, जिसमें उन्होंने अपने राजनीतिक भविष्य, ▶10 पर

ऑडिशन के लिए बुलाकर 17 बच्चों को बंधक बनाया

पुलिस ने आरोपी को ढेर कर बच्चों को बचाया

मुंबई, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के पवई स्थित आरए स्टूडियो में 17 बच्चों को बंधक बनाने वाले व्यक्ति रोहित आर्य को ढेर कर पुलिस ने बच्चों को सुरक्षित वापस निकाल लिया। पुलिस ने बाथरूम के रास्ते अंदर घुस कर सभी बंधकों को सुरक्षित निकाला। रोहित आर्य नामक व्यक्ति ने ऑडिशन के लिए आए बच्चों को बंधक बना लिया था। पुलिस ने उससे बातचीत की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। फिर पुलिस बाथरूम के रास्ते अंदर घुसी और सभी बच्चों को सुरक्षित बचा लिया। बच्चों को बंधक बनाने वाले व्यक्ति ने स्टूडियो में आग लगाने की धमकी दी थी।

बताया जा रहा है कि आरोपी रोहित आर्य स्टूडियो में ही काम करता था। उसने एक वीडियो भी जारी किया था। इसमें उसने यह कहते हुए धमकी दी थी, मैं रोहित आर्य। मैंने आत्महत्या करने की जगह एक प्लान बनाया और कुछ बच्चों को यहां बंधक बनाया। मेरी कुछ ज्यादा मांगें नहीं हैं। मेरी कुछ नैतिक मांगें हैं। कुछ लोगों से सवाल पूछने हैं। मुझे उनके जवाब चाहिए। न मैं आतंकी हूं, न मेरी पैसों की कोई मांग है। मुझे आसानी से बात करनी है, इसी के लिए बच्चों को बंधक बनाया है। अगर जिंदा रहा तो मैं यह करूंगा, लेकिन होगा जरूर। आपकी तरफ से एक छोटा सा कदम मुझे उकसा देगा और मैं पूरी जगह को आग लगाकर मर जाऊंगा। इससे बच्चों को बेवजह नुकसान होगा, वे निश्चित तौर पर डर जाएंगे। इसका जिम्मेदार मुझे न माना जाए। ▶10 पर

वार्ता फेल होने पर पुलिस ने उठाया निर्णायक कदम

चाबहार पोर्ट पर अमेरिकी प्रतिबंधों में छह महीने की छूट

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका और भारत के बीच तनाव कम होता नजर आ रहा है। रूस के कच्चा तेल खरीदने की वजह से भारत और अमेरिका के रिश्तों में तनाव बढ़ गया था, हालांकि अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को बड़ी राहत देते हुए चाबहार बंदरगाह परियोजना पर प्रतिबंधों से 6 महीने की छूट दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ भारत की बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि भारत रूसी तेल कंपनियों पर हाल ही में लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभावों का भी भारत सरकार अध्ययन कर रही है। उन्होंने कहा, हमारे निर्णय स्वाभाविक रूप से वैश्विक बाजार की बदलती गतिशीलता को ध्यान में रखते हैं। जहां तक अमेरिका द्वारा रूस की कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंध की बात है, ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

राहुल गांधी के शब्दों में नासमझी और उद्दंडता की झलक

छठ महापर्व जनआस्था है, सियासी नाटक नहीं..!

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छठ पूजा अनुष्ठानों में भाग लेने का मजाक उड़ाने वाली हालिया टिप्पणी ने बिहार में एक राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी पर जनआस्था और त्यौहारी अर्थव्यवस्था, दोनों का अपमान करने का आरोप लगाया है। जैसे-जैसे राहुल गांधी साठ के करीब पहुंच रहे हैं, उनकी बहस क्षमता घटकर भौंडे वक्तव्य और सड़कछाप प्रदर्शन पर केंद्रित हो गई है। भारत के सबसे शक्तिशाली राजनीतिक वंश के उत्तराधिकारी के साथ न केवल एक उपनाम है, बल्कि एक पौराणिक कथा भी है, जिसकी जड़ें राष्ट्रीय जागरण के नेहरू-गांधी युग में हैं। फिर भी, एक ऐसे लोकतंत्र में, जो अब वंश से ज्यादा प्रामाणिकता को महत्व देता है, यह विरासत आशीर्वाद से ज्यादा बोझ बन गई है।

शुभ-लाभ आस्था

छठ महापर्व पर राहुल गांधी का कटाक्ष आत्मघाती

एक चुनावी रैली के दौरान और सोशल मीडिया पर, राहुल गांधी ने छठ मनाने में मोदी की आस्था और संस्कार पर सवाल उठाया, इसे राजनीतिक नाटक कहा। उन्होंने पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी भी की, जिसमें कहा गया कि, यदि आप उन्हें वोट के लिए नृत्य करने के लिए कहेंगे, तो वह मंच पर नाचेंगे भी। हालांकि, यह टिप्पणी तेजी से उनके ही उलटी पड़ गई है, जो ऐसे समय में आई है जब आस्था और पूजन के साथ-साथ छठ त्यौहार ने बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर में अनुमानित 50,000 करोड़ का कारोबार भी किया है। अर्थशास्त्रियों और स्थानीय व्यापारियों ने इस त्यौहार को क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा बढ़ावा बताया, जिसमें पारंपरिक वस्तुओं, खाद्य पदार्थों, बांस की टोकरियों, कपड़ों, मिठाइयों और पर्यटन सेवाओं की बिक्री शामिल है। भाजपा ने यह बताने में देर नहीं लगाई कि जहां इस त्यौहार ने आजीविका को मजबूत किया और लाखों ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,24,280/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,53,130/- (प्रति किलोग्राम)

अमेरिका-चीन शिखर सम्मेलन की शुरुआत में शी ने कहा- कभी-कभी टकराव सामान्य बात, ट्रंप ने कहा-आप महान नेता

बुहान (दक्षिण कोरिया), 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के बड़े शहर और प्रमुख व्यापारिक केंद्र बुहान में इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत चल रही है। अमेरिका-चीन शिखर सम्मेलन की शुरुआत में शी जिनपिंग ने कहा कि यह स्वाभाविक है कि दोनों शक्तियां हमेशा एकमत नहीं रहेंगी। कभी-कभी टकराव होना सामान्य बात है।

इस शिखर सम्मेलन के शुरू होने के बाद अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी साझा की। रिपोर्ट के अनुसार, शिखर सम्मेलन शुरू होते ही ट्रंप ने शी जिनपिंग को महान नेता बताया। उल्लेखनीय है कि टैरिफ की समय सीमा करीब आने के बीच ट्रंप और शी बातचीत कर रहे हैं। यह शिखर वार्ता दो घंटे तक चलने की उम्मीद है।

इससे पहले द कोरिया हेराल्ड अखबार ने इस शिखर सम्मेलन पर अपनी रिपोर्ट दी। रिपोर्ट के अनुसार, इस शिखर सम्मेलन पर सारी दुनिया की निगाह टिकी हुई है। दोनों नेताओं के बीच शिखर सम्मेलन सुबह लगभग 11 बजे (स्थानीय समय) गिमहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परिसर के नारायमारू स्वागत कक्ष में शुरू हुआ है। शी जिनपिंग गुरुवार सुबह 10:30 बजे चीन की ध्वजवाहक एयरलाइन एयर चाइना की उड़ान से गिमहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। जिनपिंग की 11 वर्षों में यह पहली दक्षिण कोरिया की यात्रा है। ट्रंप सुबह लगभग 10:20 बजे पहुंचे।

चीन के विदेश मंत्रालय और व्हाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच यह बैठक लगभग दो घंटे चलने की उम्मीद है। ट्रंप शिखर सम्मेलन के ठीक बाद दोपहर 12:55 बजे वाशिंगटन के लिए रवाना होंगे। जून 2019 के बाद जिनपिंग से यह उनकी पहली मुलाकात है। शी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर दक्षिण कोरिया पहुंचे हैं। वह एपेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने ग्योंगजू भी जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के कई एयरपोर्ट बंद, मौसम में खराबी के कारण कई अंतराष्ट्रीय विमानों को दिल्ली डाइवर्ट किया गया

काठमांडू। बीती रात से लगातार बारिश और मौसम में बदलाव की वजह से देश के कई एयरपोर्ट फिलहाल बंद हैं। तेज बारिश के कारण विमानस्थलों का विजिबिलिटी न्यून होने के कारण विमानों के उड़ान अवतरण को रोक दिया गया है। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के प्रवक्ता रिन्जी शेर्पा ने कहा कि काठमांडू आने वाली उड़ानों में दिक्कतें आ रही हैं। देश के विभिन्न गंतव्यों से काठमांडू आने वाली विमानों को समस्या होने के कारण कई आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय विमानों को डाइवर्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, फिलहाल काठमांडू एयरपोर्ट खुला है लेकिन भरतपुर, जनकपुर, सिमरा, भद्रपुर, विराटनगर और पोखरा एयरपोर्ट बंद हैं। भैरहवा से काठमांडू के लिए उड़ान भरने वाला श्रीएयर का विमान वापस भैरहवा लौट गया है। इसी तरह दिल्ली से काठमांडू आ रहा इंडिगो का विमान भी वापस दिल्ली भेजा गया है। प्रवक्ता शेर्पा के अनुसार, श्रीएयर का विराटनगर से काठमांडू के लिए रवाना हुआ विमान भी मौसम खराबी के कारण विराटनगर लौट गया है। इसी तरह नेपाल एयरलाइंस की दोहा से काठमांडू आ रही उड़ान को दिल्ली की ओर डायवर्ट किया गया है।

दक्षिण कोरिया बनाएगा परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी, ट्रंप की हां

सियोल (दक्षिण कोरिया)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की राजकीय यात्रा के दौरान मेजबान देश के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने गुरुवार सुबह अपने सोशल ट्रुथ पर लिखा, दक्षिण कोरिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने की मंजूरी मिल गई है। इस पनडुब्बी का निर्माण फिलाडेल्फिया स्थित अमेरिकी शिपयार्ड में किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने यह भी कहा, हमारा देश (अमेरिका) जल्द ही बड़े पैमाने पर जहाज निर्माण शुरू करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दक्षिण कोरिया को अत्याधुनिक पनडुब्बी बनाने की अनुमति दी गई है। ट्रंप ने यह घोषणा दक्षिण कोरिया के 350 अरब डॉलर के निवेश के वादे के बाद की। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने बुधवार को ट्रंप के साथ लंच पर हुई शिखर वार्ता के दौरान दक्षिण कोरिया की पनडुब्बियों को ऊर्जा प्रदान करने के लिए परमाणु ईंधन के पुनर्प्रसंस्करण की अमेरिका से सहमति मांगी थी। राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार शाम व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए बताया कि ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संयुक्त परामर्श का सुझाव दिया और दक्षिण कोरिया की परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के विकास की आवश्यकता को स्वीकार किया । उल्लेखनीय है कि ट्रंप एपेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने ग्योंगजू (उत्तरी ग्योंगसांग) पहुंचे हैं।

रूस ने यूक्रेन के दो शहरों को घेरा, सरेंडर के लिए दबाव बना रहे पुतिन के सैनिक

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया कि पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के एक प्रमुख गढ़ पोक्रोवस्क और उत्तर-पूर्वी खार्किव क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण रेल जंक्शन कुपियांस्क में यूक्रेनी सैनिकों को घेर लिया गया है। वहीं पुतिन के दावों से ठीक उलट यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने कहा कि कुपियांस्क को घेर लिए जाने के दावे मनगढ़ंत और काल्पनिक हैं। यूक्रेन की पूर्वी सेना के प्रवक्ता ह्रीहोरी शापोवाल ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि पोक्रोवस्क में हालात कठिन लेकिन नियंत्रण में हैं। बता दें कि पोक्रोवस्क की रक्षा कर रही यूक्रेनी सेना की 7वीं रैपिड रिएक्शन कोर ने कहा है कि रूस ने शहर को घेरने के लिए लगभग 11,000 सैनिकों को तैनात किया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उसने स्वीकार किया कि कुछ रूसी सैन्य इकाइयां पोक्रोवस्क में घुसपैठ करने में कामयाब रही हैं। पुतिन ने बुधवार को दावा किया कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के दो प्रमुख पूर्वी शहरों में यूक्रेनी सेना को घेर लिया है और उनसे आत्मसमर्पण करने को कहा है, वहीं यूक्रेन के सैन्य अधिकारियों ने पुतिन के इस दावे का खंडन किया है। पुतिन ने मॉस्को के एक सैन्य अस्पताल में घायल सैनिकों के साथ बातचीत में कहा कि रूसी सैनिक यूक्रेन और पश्चिमी देशों के पत्रकारों के लिए सुरक्षित गलियारे खोलने के लिए तैयार है ताकि वे अपनी आंखों से देख सकें कि क्या हो रहा है। पुतिन ने बुधवार को संकेत दिया कि रूस दोनों शहरों में मौजूद यूक्रेनी सैनिकों के आत्मसमर्पण के बदले कोई समझौता करना चाहते हैं।

रूस-चीन को धमकाने के अंदाज में बोले ट्रंप- हम भी करेंगे परमाणु परीक्षण

वाशिंगटन, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

टैरिफ की धमकी बेअसर होती देख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब परमाणु परीक्षण से दुनिया को डराने की कोशिश में लग गए हैं। उन्होंने गुरुवार को घोषणा करते हुए कहा, कि अब अमेरिका भी अपने परमाणु हथियार परीक्षण कार्यक्रमों को तेज करेगा। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब रूस ने हाल ही में परमाणु-संचालित पानी के भीतर चलने वाले ड्रोन और परमाणु-सक्षम क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षणों का दावा किया है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों को देखते हुए, मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे हमारे परमाणु हथियारों का परीक्षण समान स्तर पर शुरू करें। यह प्रक्रिया तुरंत प्रारंभ की जाएगी। ट्रंप के इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई चिंता को जन्म दिया है, क्योंकि यह कदम वैश्विक परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रयासों के विपरीत माना जा रहा है ।दरअसल ट्रंप को इस बात का डर सता रहा है कि रूस और चीन जल्द ही अमेरिका की बराबरी कर लेंगे क्योंकि अमेरिका अभी दुनिया में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार रखता है। ट्रंप ने अपने बयान में आगे कहा, अमेरिका के पास किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार हैं। यह सब मेरे पहले कार्यकाल के दौरान ही संभव हो पाया, जिसमें मौजूदा हथियारों का पूर्ण नवीनीकरण भी शामिल है। इसकी प्रचंड विनाशकारी शक्ति के कारण, मुझे ऐसा करना बहुत बुरा लगता था, लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं था! रूस दूसरे स्थान पर है, और चीन काफी दूर तीसरे स्थान पर है, लेकिन अगले पांच सालों में हम बराबरी पर आ जाएंगे। अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण, मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे हमारे परमाणु हथियारों का समान परीक्षण शुरू करें। यह प्रक्रिया तुरंत शुरू होगी। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! ट्रंप ने यह घोषणा ठीक कुछ घंटे पहले की, जब वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले थे। माना जा रहा है कि यह बैठक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते परमाणु तनाव को कम करने के प्रयासों पर केंद्रित होगी। ट्रंप पहले भी चीन के साथ एक नए परमाणु संधि पर बातचीत करने की इच्छा जता चुके हैं, ताकि दोनों देशों के परमाणु हथियार भंडारों को कम किया जा सके। परमाणु नीति विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अमेरिका वास्तव में परीक्षण शुरू करता है, तो यह 1992 के बाद पहली बार होगा जब वाशिंगटन औपचारिक रूप से परमाणु परीक्षण करेगा। हाल के हफ्तों में रूस ने अपने तथाकथित परमाणु सुपरवेपन्स के परीक्षणों में तेजी लाई है। इनमें वे एडवांस हथियार शामिल हैं जो मिसाइल रक्षा प्रणालियों को निष्क्रिय करने की क्षमता रखते हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया था कि ये परीक्षण रूस की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं।

शटडाउन के कारण बंद होने की कगार पर पहुंची गरीबों और निम्न-आय वर्ग के लिए संचालित योजनाएं, ट्रंप प्रशासन ने अब तक नरमी के कोई संकेत नहीं दिए

वॉशिंगटन। अमेरिका में जारी सरकारी शटडाउन ने अमेरिकी नागरिकों के जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करना शुरु कर दिया है। यह संकट पांचवें हफ्ते में प्रवेश कर चुका है और इसका असर आम नागरिकों से लेकर सरकारी योजनाओं और सेना पर दिख रहा है। करीब 14 लाख संघीय कर्मचारी या बिना वेतन काम कर रहे हैं या फिर अनिवार्य अवकाश पर जा चुके हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो इनदिनों एशियाई देशों के दौरे पर हैं, ने अब तक अपने रुख में कोई नरमी नहीं दिखाई है, जबकि वॉशिंगटन में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। कई रिपोर्ट में सामने आया हैं कि वेतन न मिलने से कई कर्मचारी फूड डिलीवरी, डॉग वॉकिंग और पार्ट-टाइम नौकरियों से गुजारा कर रहे हैं। कुछ ने अपने घर और निजी सामान बेचने शुरू किए हैं। कई लोग फूड बैंक और चैरिटी संस्थाओं के सहारे जीवनयापन कर रहे हैं। जिनके पास लोन हैं, वे कर्जदाता कंपनियों से मोहलत मांगने को मजबूर हैं। अमेरिकी शटडाउन का असर अब गरीबों और निम्न-आय वर्ग के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर भी पड़ने लगा है। पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (एसएनपीए), जिससे 4 करोड़ लोग लाभान्वित होते हैं, अक्टूबर के अंत तक धन संकट में आ सकता है। महिला एवं शिशु पोषण कार्यक्रम (डब्ल्यूआईसी), जो 70 लाख जरूरतमंद माताओं और बच्चों को भोजन व स्वास्थ्य सहायता देता है, इस सप्ताह के अंत तक बंद हो सकता है। एसेंशियल एयर सर्विस (ईएएस), जो दूरदराज क्षेत्रों में विमान सेवाएं सुनिश्चित करती है, बिना सब्सिडी के बंद होने के कगार पर है, खासकर अलास्का और मिडवेस्ट में। इतना ही नहीं शटडाउन का असर अमेरिकी सेना तक पहुंच गया है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में सैन्य अनुसंधान फंड से 6.5 अरब डॉलर निकालकर सैनिकों के वेतन भुगतान की व्यवस्था की, एक कदम जिसे कानूनी रूप से विवादास्पद माना जा रहा है।

नेपाल : भारी बर्फबारी में फंसे 2000 विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित निकला गया

काठमांडू, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लगातार बारिश और भारी बर्फबारी के कारण देश के हिमालयी क्षेत्रों में फंसे करीब दो हजार विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ट्रेकिंग सीजन के दौरान पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बर्फबारी के कारण मनांग, मुस्तांग, म्याग्दी और गोरखा के ऊँचाई वाले इलाकों में कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटक फंस गए थे।

गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आपदा प्रबंधन महाशाखा के प्रमुख गोविंद रिजाल ने कहा कि गुरुवार सुबह तक लगभग 2000 विदेशी और 350 घरेलू पर्यटकों के सुरक्षित बचाया जा चुका है। रिजाल ने बताया कि कुछ पर्यटक अभी भी गहरी बर्फबारी में फंसे हैं, जिन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन महाशाखा की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक मनांग जिले से सबसे अधिक पर्यटकों को बचाया गया है। स्थानीय प्रशासन ने आपदा के तुरंत बाद आपातकालीन राहत टीमें तैनात कर दी थीं। तीलिचो, खांगसर, पिसांग और अपर मनांग में रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया है।

तीलिचो, अपर मनांग और आसपास के क्षेत्रों में फंसे 1,500 से अधिक विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। वर्तमान में कुछ पर्यटक और स्थानीय लोग जो स्वेच्छा से रुक गए हैं, उन्हें छोड़कर सभी को वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया है। रेस्क्यू किए गए पर्यटक अब चामे और बेसिसहर जैसे स्थानों पर पहुंच चुके हैं।

2012 से 2021 के बीच हर साल औसतन 5,46,000 लोग गर्मी के कारण मारे गए

लंदन। स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर एक गंभीर रिपोर्ट साझा की है। रिपोर्ट से सामने आया हैं कि 2012 से 2021 के बीच हर साल औसतन 5,46,000 लोग गर्मी की वजह से अपनी जान गंवा रहे थे। 1990 के बाद से गर्मी से होने वाली मौतें 63 प्रतिशत बढ़ गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन पर निष्क्रियता के कारण हर साल लाखों लोग मर रहे हैं, साथ ही बाढ़, सूखा और जंगल की आग जैसी प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। रिपोर्ट के 20 मुख्य संकेतकों में से 12 अपने सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। 2024 में औसत वार्षिक तापमान पहली बार औद्योगिक युग की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक हो गया। खतरनाक गर्मी के दिन: 2024 में एक आम व्यक्ति को औसतन 16 दिन खतरनाक गर्मी का सामना करना पड़ा। बच्चों और बुजुर्गों को लगभग 20 दिन गर्मी झेलनी पड़ी। यह पिछले 20 सालों के मुकाबले चार गुना ज्यादा है। दुनिया के 64 प्रतिशत हिस्सों में 1961-90 और 2015-24 के बीच भारी बारिश वाले दिनों में बढ़ोतरी हुई, जिससे बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ा।

चक्रवात मोंथा के प्रभाव से नेपाल में मूसलधार बरसात, प्रमुख नदियों में बाढ़ का खतरा

काठमांडू, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चक्रवात मोंथा के प्रभाव से बुधवार रात से लगातार हो रही भारी बारिश ने काठमांडू सहित देश के अधिकांश हिस्सों को प्रभावित किया है। मौसम विज्ञान विभाग ने देश की सभी प्रमुख नदियों में जलस्तर बढ़ने और बाढ़ की आशंका जताई है।

जल तथा मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, कोशी, मधेश और बागमती प्रांतों की नदियों में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर सकता है। चक्रवात का प्रभाव शनिवार तक रहने की आशंका है। सरकार ने नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने का आग्रह किया गया है।

विभाग ने तापलेजुंग, संखुवासभा, सोलुखुम्बु, तेह्रथुम, पांचथर, ओखलढुंगा, खोटांग, भोजपुर, धनकुटा, इलाम, झापा, मोरंग, सुनसरी, उदयपुर, पर्सा, बारा, रौतहट, सर्लाही, धनुषा, महोत्तरी, सिराहा, सप्तरी, सिन्धुली, रामेछाप, काभ्रेपलाञ्चोक, ललितपुर, भक्तपुर, मकवानपुर, चितवन, नवलपरासी (पूर्व व पश्चिम), रूपन्देही और कपिलवस्तु जिलों से बहने वाली नदियों में बाढ़ का उच्च जोखिम बताया है।

अचानक बाढ़ की आशंका जताते हुए यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी दी गई है। बागमती, मधेश और कोशी प्रांतों की छोटी-बड़ी नदियां अचानक उफान पर आ सकती हैं, जिससे सप्तकोशी, तमोर, अरुण, दूधकोशी, तामाकोशी, सुनकोशी, कन्काई, कमला, बागमती और राप्ती जैसी प्रमुख नदियों में खतरा बढ़ सकता है। विभाग ने कहा है कि चक्रवात का प्रभाव कम से कम तीन दिन तक रह सकता है और जनता व स्थानीय निकायों से संभावित बाढ़ से निपटने के लिए पूर्व तैयारी करने की अपील की गई है।

ई-वीजा प्लेटफॉर्म लॉन्च, हज के लिए सऊदी अरब आना हुआ आसान

दुबई, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सऊदी अरब ने अपनी आधिकारिक केएसए वीजा प्लेटफॉर्म का पायलट संस्करण लॉन्च कर दिया है, जिससे अब आगंतुक इलेक्ट्रॉनिक वीजा के लिए जल्दी और आसानी से आवेदन कर सकते हैं। इस पहल के माध्यम से सऊदी अरब का लक्ष्य लाखों यात्रियों के लिए सूचना, आवेदन और प्रोसेसिंग को एक ही, पारदर्शी और यूजर फ्रेंडली प्लेटफॉर्म पर लाकर प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया है। खुश करने वाली खबर ये है कि इससे हज जाना काफी आसान हो जाएगा। यह कदम पर्यटन को बढ़ावा देने, आगंतुकों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के सऊदी अरब के व्यापक प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

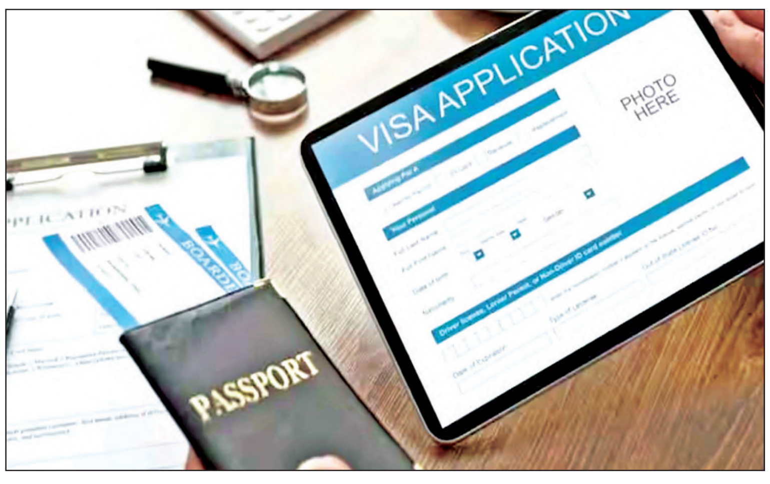

सऊदी विदेश मंत्रालय द्वारा विकसित, यह केएसए वीजा प्लेटफॉर्म उन सभी आगंतुकों के लिए एक ऑल-इन-वन डिजिटल सिस्टम प्रदान करता है जो किंगडम में रिश्तेदारों और दोस्तों से जुड़ना चाहते हैं, कार्यक्रमों में भाग लेना चाहते हैं, पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं या हज के मौसम को छोड़कर उमराह करना चाहते हैं। नई व्यवस्था के तहत किंगडम में रहने वाले रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलना। पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेना। कार्यक्रमों और सार्वजनिक समारोहों में शामिल होना। हज की अवधि को छोड़कर उमराह करने जैसी सुविधाएं शामिल हैं ।आवेदक अपनी यात्रा के आधार पर दो मुख्य वीजा विकल्पों में से चुन सकते हैं। एकल प्रवेश वीजा की वैधता 90 दिनों की होगी। इसके तहत 90 दिनों तक रुकने की अनुमति होगी। वहीं, बहु-प्रवेश वीजा की वैधता एक साल की होगी। इसमें प्रत्येक यात्रा पर 90 दिनों तक रहने की इजाजत होगी। इसे एक मिनट से लेकर अधिकतम तीन दिनों के भीतर अनुमति दी जाएगी। वीजा शुल्क के तौर पर लोगों को 80 डॉलर यानी कि 7000 से अधिक रुपये खर्च करने होंगे। हालांकि यह रिफंडेबल राशि होगी। इसके अलावा डिजिटल वीजा सेवा शुल्क करीब एक हजार, डिजिटल बीमा सेवा शुल्क भी एक हजार रुपये बोंहे। स्वास्थ्य बीमा शुल्क अलग से होगा।

आवेदकों को वीजा के लिए योग्य होने हेतु कुछ बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। आवेदक की आयु कम से कम 18 वर्ष हो, या कानूनी अभिभावक के साथ हो ।पासपोर्ट प्रवेश की तारीख से कम से कम छह महीने के लिए वैध हो। ठहरने की पूरी अवधि के लिए वैध स्वास्थ्य बीमा हो। सऊदी कानूनों और विनियमों का पालन करना अनिवार्य है ।ई-वीजा- पात्र देशों के नागरिकों के लिए तुरंत जारी किया जाता है। समान्य ईवीजा की तरह शेंगेन, यूएस या यूके का वैध वीजा धारक या इन देशों या जीसीसी सदस्य देशों के स्थायी निवासी भी इसके लिए पात्र हैं ।सेवा कार्यालयों या दूतावासों के माध्यम से वीजा- मान्यता प्राप्त वीजा सेवा कार्यालयों या सीधे सऊदी दूतावासों के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है ।आगमन पर वीजा- पात्र ई-वीजा देशों के यात्रियों या वैध यूएस, यूके या शेंगेन वीजा धारकों के लिए उपलब्ध है, बशर्ते उन्होंने उस वीजा का उपयोग कम से कम एक बार किया हो।

आतंकवादियों से संबंध के आरोप में दो सरकारी शिक्षक बर्खास्त

जम्मू, 30 अक्टूबर (ब्यूरो)।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवादियों से संबंध रखने के आरोप में दो सरकारी शिक्षकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई आतंकवाद के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है। संविधान के अनुच्छेद 311 के तहत दोनों शिक्षकों को नौकरी से निकाला गया है। आरोप है कि नौकरी से निकाले गए दोनों शिक्षक आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के लिए काम कर रहे थे।

सरकारी शिक्षक की नौकरी से निकाला गया गुलाम हुसैन रियासी जिले का रहने वाला है। वह 2004 में रहबर–ए–तालीम शिक्षक नियुक्त हुआ था और 2009 में नियमित शिक्षक बन गया था। वह सरकारी प्राथमिक विद्यालय कलवा, महौर में कार्यरत था। सरकार का दावा है कि जांच में पाया गया कि वह लश्कर–ए–तैयबा के लिए ओवर ग्राउंड वर्कर के रूप में काम कर रहा था। वह आतंकी हैंडलर्स मोहम्मद कासिम और गुलाम मुस्तफा से एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए संपर्क में था। 2023 में गिरफ्तारी के दौरान सामने आया कि उसने आतंकियों के परिवारों को वित्तीय सहायता, भर्ती और लाजिस्टिक्स सपोर्ट दिया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, उसकी गतिविधियां केवल पैसे के लिए नहीं बल्कि आतंकी विचारधारा से प्रेरित थीं।

जबकि माजिद इकबाल डार राजौरी जिले में शिक्षक के पद पर नियुक्त था।

2009 में पिता की मृत्यु के बाद वह लैब असिस्टेंट के रूप में नियुक्त हुआ था और 2019 में शिक्षक बना।

दावानुसार, जांच में सामने आया कि वह भी लश्कर ए तैयबा का ओवर ग्राउंड वर्कर था और नार्को–टेरर नेटवर्क में शामिल था। जनवरी 2023 में राजौरी के जे एंड के बैंक के पास आईईडी मिलने के मामले में उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, उसने लश्कर ए तैयबा आतंकियों मोड जबर और जोहैब शहजाद के साथ मिलकर पाकिस्तान स्थित हैंडलर के निर्देश पर विस्फोटक लगाया था। जेल में भी उसके कट्टरपंथी झुकाव बने रहने की सूचना है। एलजी ने एक वक्तव्य में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। जो भी व्यक्ति आतंकवाद को आर्थिक या वैचारिक समर्थन देता है, वह समाज और शांति दोनों के लिए खतरा है। हमारी जीरो टालरेंस नीति जारी रहेगी जब तक आतंक नेटवर्क पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में हंगामा

भाजपा विधायकों को मार्शलों ने बाहर निकाला

जम्मू, 30 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को तीन भाजपा विधायकों को मार्शलों द्वारा बाहर निकाल दिया गया, जब वे सड़क एवं भवन विभाग में कथित भ्रष्टाचार और बाढ़ पीड़ितों पर चर्चा की अनुमति न देने के मुद्दे पर अपना विरोध जारी रखते हुए सदन के वेल में आ गए। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायकों ने हाल ही में आई बाढ़ पर चर्चा की मांग की और बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर एक नया स्थगन प्रस्ताव पेश किया है। हालांकि, अध्यक्ष ने फैसला सुनाया कि एक बार खारिज हो जाने के बाद उसी मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता। अध्यक्ष के जवाब से नाराज विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा ने सरकार पर बाढ़ की स्थिति पर चर्चा से बचने का आरोप लगाया। शर्मा ने कहा कि जम्मू कश्मीर का हर कोना भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से प्रभावित हुआ है। लोगों को उम्मीद थी कि बाढ़ के प्रभाव पर चर्चा होगी, लेकिन ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों की दुर्दशा पर चर्चा के लिए प्रश्नकाल स्थगित करने की मांग की। इस बीच, विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा ने सड़क एवं भवन विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाली एक अखबार की रिपोर्ट लहराई, जिस पर सत्ता पक्ष और मुख्य विपक्ष, दोनों ने नारेबाजी और प्रति–नारेबाजी शुरू कर दी। अध्यक्ष द्वारा बार–बार अपनी सीटों पर लौटने के निर्देश के बावजूद, प्रदर्शनकारी विधायकों ने अपना प्रदर्शन जारी रखा। सरकार विरोधी नारे लगाते हुए, भाजपा विधायकों ने अपना विरोध तेज कर दिया। तीन भाजपा विधायक आरएस पठानिया, सुनील भारद्वाज और सुरिंदर कुमार सदन के वेल में आ गए, लेकिन अंततः उन्हें मार्शलों द्वारा बाहर निकाल दिया गया।

ओडिशा में 92 रेलवे ओवरब्रिज निर्माण को मंजूरी

केंद्र वहन करेगा पूरी लागत, सीएम माझी ने जताया आभार

भुवनेश्वर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ओडिशा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय रेल मंत्रालय ने राज्य भर में 92 रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

इस परियोजना की पूरी लागत रेल विभाग ही वहन करेगा, जिससे राज्य सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इसके लिए केंद्र सरकार का आभार जताया। पहले इन ओवरब्रिजों के निर्माण की लागत केंद्र और राज्य के बीच 50:50 के अनुपात में साझा करने का निर्णय था, लेकिन ओडिशा सरकार के अनुरोध पर केंद्र ने अब 100 प्रतिशत फंडिंग की मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस निर्णय पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद दिया।

सीएम माझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ओडिशा के रेलवे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में उनके उदार और सक्रिय सहयोग के लिए हृदय से आभार।

92 रोड ओवर ब्रिज कार्यों को 100 प्रतिशत रेलवे फंडिंग और एकल इकाई के रूप में निष्पादन की मंजूरी राज्य में सुरक्षा और कनेक्टिविटी को तेज करने की केंद्र की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा ओडिशा के विकास के प्रति विशेष चिंता दिखाई है।

उनके नेतृत्व में रेल संपर्क, सड़क अवसंरचना, बंदरगाह, हवाई अड्डे और औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

इन 92 आरओबी का निर्माण राज्य के विभिन्न हिस्सों में होगा, जो रेलवे क्रॉसिंग पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करेगा और यातायात को सुगम बनाएगा।

परियोजना से ओडिशा के 20 से अधिक जिलों को लाभ मिलेगा, जहां रेलवे लाइनें सड़कों को बार–बार काटती हैं। अप्रैल 2025 में कैबिनेट कमिटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने राज्य के लिए दो प्रमुख रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी थी, जिनकी लागत 10,599 करोड़ रुपए है। अगस्त 2024 में छह नई रेल लाइनें स्वीकृत हुईं, जिनकी अनुमानित लागत 24,657 करोड़ रुपए है। इनमें मयूरभंज, केबीके क्षेत्र और अन्य हिस्सों में नई लाइनें शामिल हैं, जो पर्यटन, रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देंगी।

जम्मू कश्मीर में लगातार बढ़ रही घरेलू हिंसा

दो साल में दर्ज हुए 2800 से ज्यादा मामले

जम्मू, 30 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर को अभी भी घरेलू हिंसा के मामलों से मुक्ति नहीं मिली है। पिछले दो साल में डरेलू हिंसा के 2800 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। जम्मू कश्मीर सरकार ने गुरुवार को विधानसभा को सूचित किया कि पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में घरेलू हिंसा के कुल 2,872 मामले दर्ज किए गए।

विधायक शमीम फिरदौस द्वारा प्रस्तुत अतारांकित प्रश्न संख्या 719 के उत्तर में, समाज कल्याण विभाग की प्रभारी मंत्री ने बताया कि घरेलू हिंसा के मामलों का समाधान महिलाओं के लिए वन स्टाप सेंटर (सखी केंद्र) के माध्यम से किया जा रहा है, जो मिशन शक्ति निदेशालय के अंतर्गत संचालित होते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से जम्मू कश्मीर में कार्यरत ये केंद्र संकटग्रस्त महिलाओं को कई प्रकार की सहायता सेवाएं प्रदान कर रहे हैं जिनमें चिकित्सा सहायता, मनो–सामाजिक परामर्श, कानूनी सहायता, अस्थायी आश्रय और पुलिस सहायता शामिल है।

आधिकारिक उत्तर के अनुसार, वन स्टाप सेंटरों के आधिकारिक डैशबोर्ड पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023–24 में 893 मामले दर्ज किए गए, जबकि वित्त वर्ष 2024–25 में यह संख्या तेजी से बढ़कर 1,979 हो गई। विभाग ने बताया कि हिंसा से बचे लोगों के लिए निर्बाध समन्वय और त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के लिए इन केंद्रों को टोल–फ्री हेल्पलाइन नंबर 181 और आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस–122) के साथ एकीकृत किया गया है। कहा गया है कि वन स्टाप सेंटर घरेलू हिंसा, साइबर उत्पीड़न, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न, बलात्कार और अन्य अपराधों से प्रभावित महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकृत हैं।

इस वर्ष अमेरिका से 2790 और ब्रिटेन से 100 भारतीय नागरिक वापस भेजे गए : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इस वर्ष अब तक अमेरिका से 2790 और ब्रिटेन से 100 भारतीय नागरिक वापस भेजे गए हैं। ये भारतीय नागरिक इन देशों में अवैध रूप से रह रहे थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरूवार को यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में बताया कि अमेरिका से 2790 और ब्रिटेन से 100 भारतीय नागरिकों को वापस भेजा गया है।

उन्होंने कहा , इस वर्ष जनवरी से अब तक 2790 से अधिक भारतीय नागरिक ऐसे हैं जो मानदंडों को पूरा नहीं करते थे। वे अवैध रूप से वहां रह रहे थे और हमने उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि की और वे वापस लौट आए। यह कल तक की स्थिति है। ब्रिटेन की ओर से इस वर्ष लगभग 100 भारतीय नागरिकों को उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि के बाद वापस भेजा गया है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन अवैध रूप से अमेरिका में रहने वाले नागरिकों के खिलाफ इस वर्ष के शुरू से ही कड़ी कार्रवाई कर रहा है। इसी कार्रवाई के तहत बीच–बीच में भारतीय नागरिकों को वापस भेजा जा रहा है। ब्रिटेन में भी बड़े स्तर पर आव्रजन विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं।

भारत और साइप्रस ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढाने के लिए संयुक्त कार्य योजना की समीक्षा की

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री डा. एस.जयशंकर ने भारत और साइप्रस दोनों के साथ मजबूत संबंधों को प्राथमिकता करार देते हुए कहा है कि उन्होंने आज यहां साइप्रस के विदेश मंत्री डॉ. कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोस के साथ वार्ता में भारत–साइप्रस संयुक्त कार्य योजना की समीक्षा के साथ–साथ वैश्विक भू–राजनीतिक स्थिति , क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के बारे में व्यापक विचार विमर्श किया। डा.जयशंकर ने भारत यात्रा पर आए साइप्रस के विदेश मंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद कहा कि दोनों पक्षों ने भारत–साइप्रस संयुक्त कार्य योजना 2025–2029 की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने वैश्विक भू–राजनीतिक स्थिति, संबंधित क्षेत्रों के विकास और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगले वर्ष साइप्रस के यूरोपीय संघ की अध्यक्षता संभालने के साथ भारत–यूरोपीय संघ के संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , आज नई दिल्ली में साइप्रस के विदेश मंत्री डॉ. कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोसका स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। हमने भारत–साइप्रस संयुक्त कार्य योजना 2025–2029 की समीक्षा की, जिस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस वर्ष जून में साइप्रस यात्रा के दौरान नेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई थी। हमारी चर्चाओं में वैश्विक भू–राजनीतिक स्थिति, हमारे संबंधित क्षेत्रों के विकास और बहुपक्षीय मंचों पर हमारे सहयोग पर भी चर्चा हुई। 2026 में साइप्रस के यूरोपीय संघ की अध्यक्षता संभालने के साथ, हमें विश्वास है कि भारत–यूरोपीय संघ के संबंध और भी मजबूत होंगे।

वार्ता शुरू होने से पहले डा. जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान व्यापक साझेदारी के कार्यान्वयन पर जारी संयुक्त घोषणापत्र कई नए क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने शीर्ष नेतृत्व के विचारों के अनुरूप भारत–साइप्रस संयुक्त कार्य योजना 2025–2029 तैयार की है कुछ ही महीनों के भीतर इस योजना पर काम भी शुरू हो गया और इसकी समीक्षा भी की जा रही है।

दोनों देश इसके आधार पर रक्षा , व्यापार, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइप्रस और यूरोपीय संघ, दोनों के साथ संबंधों को मज़बूत करना भारत की एक प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने कहा , भारत और साइप्रस विश्वसनीय मित्र और साझेदार हैं। हमारे संबंध आपसी सम्मान, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और संयुक्त रणनीतिक दृष्टिकोण पर आधारित व्यापक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। यह दूरदर्शी है और दोनों देशों के हितों और आकांक्षाओं के अनुरूप है। हम संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और राष्ट्रमंडल मंचों सहित क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर भी घनिष्ठ सहयोग करते हैं।

डा. जयशंकर ने भारत के मूलभूत हितों से जुड़े मुद्दों विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साइप्रस के निरंतर समर्थन की सराहना की। उन्होंने कहा , हम विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता और परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह की सदस्यता के लिए आपके निरंतर समर्थन की भी सराहना करते हैं।

विदेश मंत्री ने साइप्रस की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को भी समर्थन दोहराते हुए कहा , भारत, साइप्रस की संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों के अनुसार, राजनीतिक समानता वाले द्वि–क्षेत्रीय, द्वि–सामुदायिक संघ के लिए अपने अटूट समर्थन को दो–हराता है।

संसद, विधानसभाओं में कानून बनाने की प्रक्रिया जानने का जनता को है हक: रिजिजू

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कहा कि संसदीय लोकतंत्र में संसद और विधानसभाओं में कानून और नीतियां कैसे बनायी जाती हैं और उनकी कार्यवाही कैसे संचालित होती है, इसे जानने का जनता को अधिकार है और इस कार्य में नेशनल ई–विधान एप्लीकेशन (नेवा) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

श्री रिजिजू ने यहां नेवा पर आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश की 28 विधानसभा और विधान परिषद अपनी–अपनी कार्यवाही नेवा के माध्यम से डिजिटल करने के लिए संसदीय कार्य मंत्रालय के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर चुकी हैं। संसदीय कार्य मंत्रालय इस कार्य की नोडल एजेंसी है। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा अपनी सम्पूर्ण कार्यवाही का डिजिटलीकरण करने वाली पहली विधानसभा बनी है और दिल्ली विधानसभा ने इस कार्य को सबसे तेजी से संपन्न करते हुए रिकॉर्ड 90 दिनों में पूरा किया है।बिहार विधानसभा की संपूर्ण कार्यवाही का अब नेवा के माध्यम से सीधे प्रसारण किया जाता है।

उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही के डिजिटल हो जाने से नये सांसदों के लिए इसे समझना अब बहुत आसान हो गया है। सदनों की कार्यवाही की संपूर्ण जानकारी अब लैपटॉप, टैबलेट और मोबाइल फोन पर उपलब्ध रहती है और वे एक सप्ताह में इसकी कार्यप्रणाली से अवगत हो जाते हैं। पहले नये सांसदों को इसे समझने में खासा वक्त लग जाता था।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि नेवा की सफलता आधुनिक डिजिटल इंडिया बनाने के सपने को पूरा करने का एक अच्छा और स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि कानून और नीतियां बनाने में विधायकों–सांसदों के साथ ही इससे जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों का भी महती योगदान होता है।

जनता को इसकी भी जानकारी दी जानी चाहिए। इस सम्मेलन में आये इन वरिष्ठ अधिकारियों के बीच आकर वह बहुत प्रसन्न हैं।

उन्होंने कहा कि अब तक 28 विधानसभा और विधान परिषद नेवा से जुड़ गयी हैं और उन्हें उम्मीद है कि इसके अगले सम्मेलन तक देश की सभी विधानसभा और विधान परिषद नेवा के माध्यम अपनी कार्यवाही को डिजिटल कर चुकी होंगी।

मोदी ने 25 नई ई–बसों को दिखाई हरी झंडी

राजपीपला, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गुजरात में नर्मदा जिले के केवड़िया में दुनिया भर में मशहूर स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 30 करोड़ रुपये की लागत से बनी 25 नई ई–बसों को गुरुवार को हरी झंडी दिखाई।

श्री मोदी ने इस मौके पर कहा, एकता नगर सिर्फ़ एक पर्यटन हब नहीं है, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा और सतत विकास का जीता–जागता उदाहरण है। ई–बसों के जुड़ने से हवा शुद्ध रहेगी, आवाज का प्रदूषण कम होगा और यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक सुविधाएँ मिलेंगी।

उन्होंने इसके साथ ही हरित परिवहन और सतत पर्यटन की दिशा में एकता नगर को देश के एक बेहतरीन ई–सिटी के तौर पर विकसित करने का दृष्टिकोण पेश किया है। एकता नगर में अब कुल 55 ई–बसें यात्रियों को मुफ्त सफर की सर्विस देंगी। इस मौके पर मौजूद अधिकारियों और यात्रियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनकी इस हरित पहल का स्वागत किया।

ये नई नौ मीटर लंबी एसी मिनी ई–बसें एक बार चार्ज करने के बाद 180 किलोमीटर तक चल सकती हैं। बस में दिव्यांगों के लिए खास सुविधाएं मौजूद हैं, जिसमें एक खास लिफ्टिंग सिस्टम के ज़रिए दिव्यांगों के लिए सीट नीचे करने का सिस्टम है, ताकि वे आराम से चढ़ और उतर सकें। इसके अलावा महिलाओं के लिए चार अलग पिंक सीटों का इंतज़ाम किया गया है ताकि वे सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का आनंद ले सकें।

उल्लेखनीय है कि स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी अथॉरिटी ने प्रधानमंत्री के 'भारत का पहला ई–सिटी' के विज़न के तहत धीरे–धीरे ई–कार, ई–रिक्शा और ई–बस जैसे ग्रीन ट्रांसपोर्ट सिस्टम शुरू किए हैं। प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे 2021 पर इस पहल की घोषणा की थी, तब से एकता नगर पर्यावरण अनुकूल पर्यटन का एक प्रतीक बनकर उभरा है।

बेगम अख्तर : मल्लिका-ए-गजल, जिन्हें सुनकर लोग रोक नहीं पाते थे आंसू, आवाज में उतर आता था दर्द

आंखों से बहते आंसू अक्सर बता देते हैं कि गायक ने अपनी संगीत से सामने वाले के दिल में घर बना लिया। गाने वाले तो बहुत हैं, लेकिन ऐसा कौन होगा जो मोहब्बत के दर्द को अपनी गायकी से इतनी गहराई से समझा सके। हम बात कर रहे हैं मल्लिका-ए-गजल के नाम से मशहूर बेगम अख्तर की, जिनकी गजलें और गीत करोड़ों दिलों में जिंदा हैं। बेगम अख्तर 30 अक्टूबर 1974 को इस दुनिया से चली गई थीं। लोग उन्हें मल्लिका-ए-गजल कहते हैं, लेकिन सच तो यह है कि उन्होंने वह दर्द खुद जिया और समझा जो जीवन ने उन्हें दिया। इसीलिए जब वे स्टेज पर 'ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया' गाती थीं, तो दर्शकों की आंखों से आंसू बहने लगते थे। सब कहते, वाह, गजल की मल्लिका, क्या खूब गाया। वह गजल की दुनिया में एक ऐसा नाम थीं, जिसकी आवाज सुनकर दिल की गहराइयों से आंसू बह निकलते हैं। 7 अक्टूबर 1914 को फैजाबाद में जन्मीं अख्तरी बाई फैजाबादी, जिन्हें बाद में बेगम अख्तर के नाम से जाना गया, उनकी गजलों में आज भी संगीत प्रेमी खो जाते हैं। उनकी उस आइकॉनिक गजल 'ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया' की याद हमें सोचने पर मजबूर कर देती है कि क्या मोहब्बत का ये दर्द कभी कम होता है।

बेगम अख्तर के बारे में उर्दू के अजीम शायर कैफी आजमी ने कहा था, 'गजल के दो मायने होते हैं-पहला गजल और दूसरा बेगम अख्तर। बेगम अख्तर की आवाज मखमली और जादुई थी। उनका पूरा जीवन दुखों में बीता। उनके दुख इतने गहरे थे कि वही उनकी आवाज का हिस्सा बन गए। उनकी एक शिष्या बताती हैं कि जब भी उनका जिक्र आता है, तो हमें लखनऊ से फैजाबाद की ओर जाना पड़ता है। बेगम अख्तर ने कम उम्र में ही संगीत सीखने की रुचि दिखाई। मात्र 14 साल की उम्र में वे एक गायिका के रूप में उभरीं। फिल्म 'जलसा घर' में उन्होंने गायिकी की।

साल 1945 में उन्होंने बैरिस्टर इश्तियाक अहमद अब्बासी से निकाह किया। मां के देहांत ने उन्हें गहरा धक्का दिया। लंबे समय तक वे गायकी से दूर रहीं, लेकिन पति के कहने पर जब दोबारा गाना शुरू किया तो फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। बेगम अख्तर की एक बड़ी खासियत थी शायरी का बेहतरीन चयन। वे जो भी गाती थीं, उसे बड़ी एहतियात से चुनती थीं। सिर्फ वही शायरी कंपोज करतीं और गातीं जो उनके भीतर तक उतर जाती थी, ताकि शायर के दिल की बात सुनने वालों के दिल तक पहुंच सके।

फिल्म स्टार नाना पाटेकर ने एक बार उनके बारे में कहा कि एक कॉन्सर्ट में जब बेगम गा रही थीं और गाना खत्म हुआ तो दर्शक दीर्घा में सन्नाटा छा गया। कोई ताली नहीं बजी। हमेशा जोरदार तालियां बजती थीं। जब किसी ने पूछा तो बेगम ने मुस्कुराते हुए कहा, 'इसी सन्नाटे के लिए हम जीते हैं। सामने वाला भूल गया कि उसे ताली भी बजानी है।' 'ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया' के पीछे की कहानी भी थोड़ी फिल्मी है।

कहा जाता है कि करीब 75 साल पहले, जब बेगम अख्तर मुंबई से लखनऊ लौट रही थीं, तो रेलवे स्टेशन पर एक शायर उनसे मिले। शायर ने अपनी शायरी को आवाज देने की गुजारिश की। उन्होंने एक कागज का टुकड़ा बेगम को थमा दिया। बेगम ने उसे लिया और पर्स में रख लिया। भोपाल रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन में उस गजल का ख्याल आया। बेगम ने हारमोनियम पर सुर बैठाना शुरू कर दिया। शायरी की आखिरी पंक्ति में शायर का तखल्लुस था, 'जब हुआ जिक्र जमाने में मोहब्बत का 'शकील' मुझ को अपने दिल-ए-नाकाम पे रोना आया।' वो शायर थे शकील बदायुनी।

दुनिया से अलविदा कहने से पहले यही गजल बेगम अख्तर का आखिरी पैगाम बन गई।

फिल्म अंतर्महल को 20 साल पूरे

जैकी श्रॉफ ने शेयर की पुरानी यादें

फिल्म अंतर्महल ने अपनी रिलीज के 20 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पुरानी यादों को ताजा किया। अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की एक क्लिप को शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, फिल्म 'अंतर्महल' की रिलीज को 20 साल पूरे हो गए हैं। रितुपर्णो घोष द्वारा निर्देशित फिल्म 2005 में रिलीज हुई थी। इसमें सोहा अली खान, अभिषेक बच्चन, और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में थे। फिल्म के जरिए निर्देशक ने अंधविश्वास, सत्ता के दुरुपयोग, धार्मिक कट्टरता, और महिलाओं पर शोषण जैसे गंभीर मुद्दों को उठाया था। निर्देशक की गहरी सोच और कलाकारों के शानदार अभिनय ने इसे बेहद प्रभावशाली बना दिया था। फिल्म की कहानी 19वीं सदी के बंगाल पर आधारित है। यह ताराशंकर बंद्योपाध्याय की लघुकथा 'प्रतिमा' से प्रेरित है। फिल्म में जमींदार भुवनेश्वर चौधरी (जैकी श्रॉफ) को दिखाया गया, जो सामाजिक प्रतिष्ठा पाने के लिए दो महिलाओं (रूपा गांगुली और सोहा अली खान) का शोषण करता है।

फिल्म में जमींदार भुवनेश्वर चौधरी (जैकी श्रॉफ) की दो बड़ी इच्छाएं हैं- एक उसके बेटा हो और दूसरा कि वह ब्रिटिश राज में रायबहादुर की उपाधि हासिल करे। यह उपाधि अंग्रेज सरकार अमीर और प्रभावशाली लोगों को बेहतरीन सेवा के लिए देती थी, लेकिन भुवनेश्वर दोनों में नाकाम रहता है। वह अपनी पहली पत्नी महामाया (रूपा गांगुली) को घर से निकाल देता है क्योंकि वह उसे वारिस नहीं दे पाती है। इसके बाद वह दूसरी शादी करता है। उसकी दूसरी पत्नी का रोल सोहा अली खान ने निभाया है।

'अंतर्महल' ने समाज की कड़वी सच्चाई को बेबाकी से पेश किया। जैकी श्रॉफ का किरदार तानाशाह जमींदार का प्रतीक है, जो सत्ता के नशे में महिलाओं को कुचलता है। फिल्म आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि यह स्त्री शोषण पर गहरा सवाल उठाती है।

एक दीवाने की दीवानियत ने कमाए 52.25 करोड़ रुपए, अंशुल गर्ग बोले

मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी

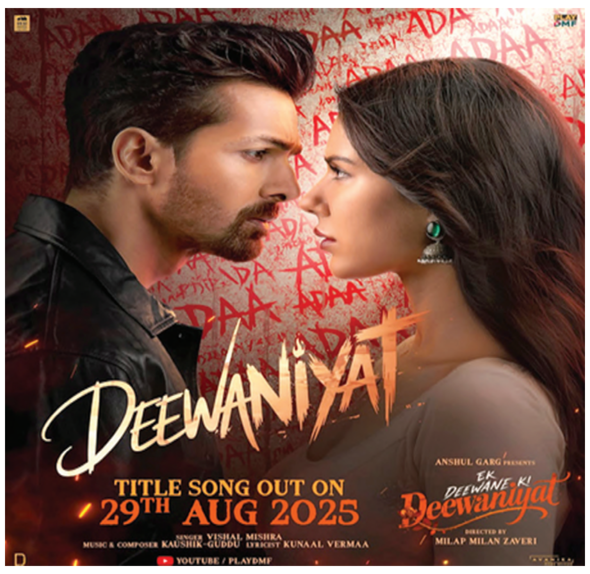

लंबे समय से म्यूजिक प्रोड्यूसर के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने वाले अंशुल गर्ग अब फिल्म प्रोडक्शन में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। उनकी पहली फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' रिलीज होने के कुछ ही हफ्तों में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। 21 अक्टूबर को रिलीज रोमांटिक ड्रामा ने अब तक 52.25 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। अंशुल गर्ग इस सफलता को लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने माना कि उन्हें इस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं थी। अंशुल गर्ग ने कहा, ''सच कहूं तो, मैं फिल्म के पहले दिन, दूसरे दिन और तीसरे दिन की इतनी बड़ी सफलता की उम्मीद नहीं कर रहा था। मुझे थोड़ी बहुत उम्मीद थी कि फिल्म अच्छा करेगी, लेकिन इस तरह की शानदार प्रतिक्रिया ने मुझे हैरान कर दिया।''

जब उनसे फिल्म निर्माण में कदम रखने के जोखिम और चुनौतियों के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, मेरे लिए यह एक तरह का जुआ था। म्यूजिक मेरी पहचान है। मुझे विश्वास था कि अगर फिल्म से ज्यादा फायदा नहीं भी मिलता, तो मैं म्यूजिक के जरिए उसकी लागत वसूल कर ही लूंगा। मैंने यह फिल्म इसलिए बनाने का निर्णय लिया, क्योंकि मुझे कहानी और कलाकार दोनों ही बहुत पसंद थे। यही वजह थी कि मैंने इस प्रोजेक्ट को तुरंत अपनाया और फिल्म का निर्माण किया।अंशुल गर्ग ने बताया कि फिल्मों के प्रोडक्शन में आने का उनका सपना पुराना है। यह कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं था। उन्होंने हमेशा सोचा था कि एक दिन वह फिल्मों के क्षेत्र में भी कदम रखेंगे। इस फिल्म ने उनके जीवन में अचानक प्रवेश किया और उन्होंने मौके का फायदा उठाते हुए इसे बनाने का निर्णय तुरंत लिया।

'एक दीवाने की दीवानियत' मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा शाद रंधावा, सचिन खेड़कर, अनंत नारायण महादेवन और राजेश खेड़ा भी फिल्म में अहम किरदार निभा रहे हैं।

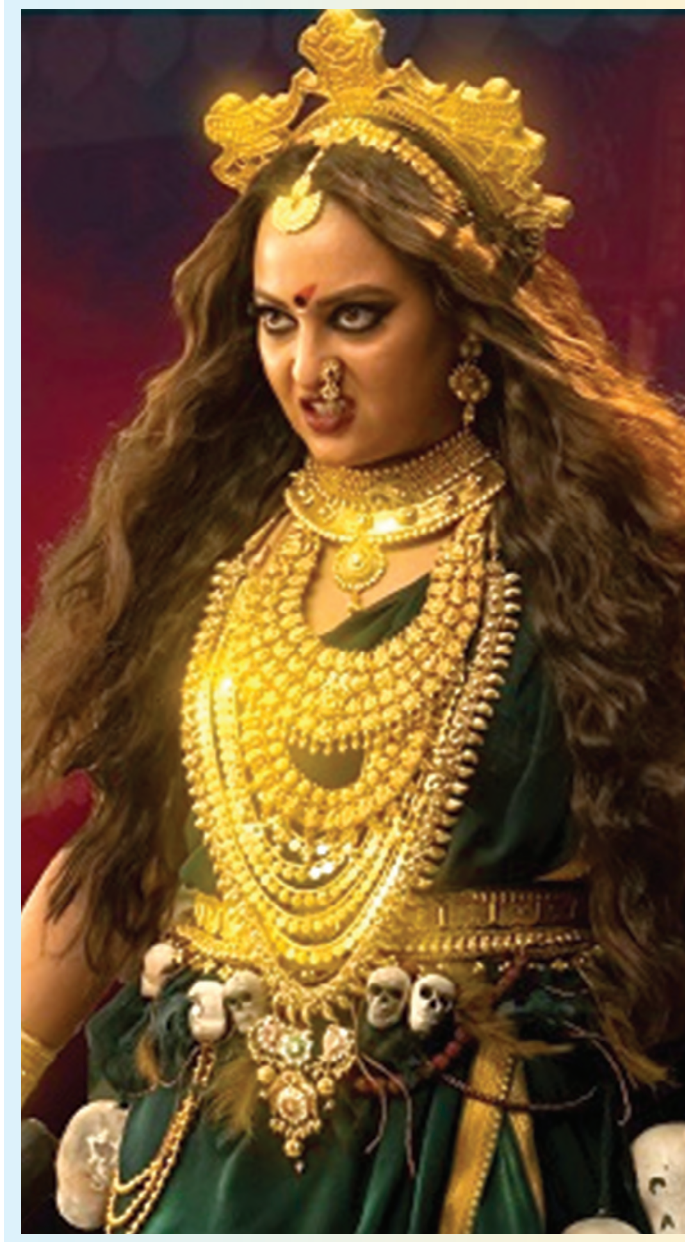

सोनाक्षी सिन्हा का 'धन पिशाचिनी' लुक तीन महीने की रिसर्च का नतीजा : प्रेरणा अरोड़ा

फिल्म 'जटाधारा' के साथ सोनाक्षी सिन्हा स्क्रीन पर अब तक दिखाई गई सबसे रहस्यमयी और दिव्य मिथकीय शक्तियों में से एक 'धन पिशाचिनी' को जीवंत करने जा रही हैं, जो विशेष रूप से दिव्य ऊर्जा, रहस्य और ब्रह्मांडीय संतुलन का प्रतीक है। इस बेहद रहस्यमयी किरदार के बारे में जब फिल्म की निर्मात्री प्रेरणा अरोड़ा से बात की गई तो उन्होंने इस पर विस्तार से बात की क्योंकि इस चरित्र के क्रिएटिव रिसर्च और विजुअल आइडिएशन का नेतृत्व उन्होंने ही किया है। उन्होंने बताया, धन पिशाचिनी असल मायनों में ऊर्जा का दिव्य रूप है। डायरेक्टर्स के पास उनके लुक की एक सोच थी, लेकिन मैंने उसे थोड़े अलग अंदाज़ में देखा। कई चर्चाओं और स्केचेज़ के बाद हम एक ऐसा लुक तैयार कर पाए, जो सिनेमाई रूप से भव्य भी हो और पौराणिक रूप से सच्चा भी। हमने लगभग तीन महीने सिर्फ उनके आभा, गहनों और संपूर्ण डिज़ाइन पर रिसर्च की, ताकि वह सौंदर्य और शक्ति दोनों का संतुलित रूप बन सके। पिशाचिनी न देवी है, न दानवी, बल्कि वह एक ऐसी ऊर्जा है, जो अच्छाई और बुराई, सुंदरता और भय दोनों को समान रूप से धारण करती है।

माना जाता है की 'धन पिशाचिनी' की अवधारणा समुद्र मंथन की कथा से प्रेरित है। जब भगवान शिव ने विषपान कर ब्रह्मांड को विनाश से बचाया, तब उनकी बूंदों से धरती पर कुछ दिव्य स्त्रैण शक्तियाँ उत्पन्न हुईं और उन्हें ही 'पिशाचिनी' कहा गया। हालांकि इस संदर्भ में फिल्म के निर्देशक वेंकट कल्याण बताते हैं, हम चाहते थे कि पिशाचनी दिव्य दिखे, लेकिन साथ ही भयभीत करने वाली भी। वह न पूजा की जाती है, न डर का प्रतीक है, बल्कि वह स्वयं सृष्टि की द्वैतता का प्रतिनिधित्व करती है। उसका लुक, उसकी दृष्टि, उसकी आभा, सब कुछ ऐसा रचा गया है कि दर्शक एक साथ विस्मय और श्रद्धा दोनों महसूस करें।

गौरतलब है कि कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर मोहित ने सोनाक्षी के हर लुक पर बारीकी से काम किया है, फिर वह चाहे उनके परिधान हों या उनके गहने हों। उनके बनाए हर विवरण में धन अर्थात समृद्धि के साथ ऊर्जा और ब्रह्मांडीय संतुलन की झलक भी मिलती है। हालांकि अब जब फिल्म से सोनाक्षी का यह लुक उनके दर्शकों के सामने आ चुका है, तो तीन महीने की इस गहन तैयारी के बाद सोनाक्षी सिन्हा का यह मिथकीय रूप 'जटाधारा' की सबसे प्रभावशाली और चर्चित विजुअल झलकियों में से एक बन चुकी है।

मोहनलाल की बेटी विस्मया थुडक्कम से मलयालम सिनेमा में करेंगी डेब्यू

मलयालम सिनेमा के मशहूर अभिनेता और दादा साहब फाल्के पुरस्कार विजेता मोहनलाल की बेटी विस्मया मोहनलाल भी फिल्मों में काम करने जा रही हैं। वह जूड एंथनी जोसेफ के निर्देशन में बन रही फिल्म 'थुडक्कम' से मलयालम सिनेमा में डेब्यू करेंगी। इस फिल्म का निर्माण आशीर्वाद सिनेमा के तहत एंटनी पेरुंबवूर कर रहे हैं। फिल्म की पूजा सेरेमनी गुरुवार को कोच्चि में आयोजित की गई, जो मलयालम सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था। इस कार्यक्रम में बोलते हुए अभिनेता मोहनलाल ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके दोनों बच्चे उनके जैसे फिल्मों में आएंगे। उन्होंने कहा, जब मैं छठी कक्षा में था, तब मैंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता था, बाद में मेरे बेटे अप्पू (प्रणव) ने भी ऐसा किया। लेकिन, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अभिनेता बनूंगा, न ही मेरे बच्चों ने ऐसा सोचा था। मेरी बेटी का नाम विस्मया इसलिए रखा गया है क्योंकि मेरा जीवन हमेशा आश्चर्यों से भरा रहा है।

मोहनलाल ने आगे कहा, जब उन्होंने अभिनय करने का फैसला किया, तो हमने उन्हें पूरा समर्थन दिया। मेरे दोनों बच्चों को अब कड़ी मेहनत करनी होगी, मैं तो बस एक प्रेरक की भूमिका निभा सकता हूं।

एंटनी पेरुंबवूर के बेटे भी इस फिल्म में हैं। उनका जिक्र करते हुए मोहनलाल ने मजाकिया लहजे में कहा, फिल्म में एंटनी के बेटे की भी एक अहम भूमिका है, लेकिन यह कोई नेपोटिज्म का मामला नहीं है। यह सुनकर सभी लोग हंसने लगे।

मोहनलाल की पत्नी सुचित्रा ने कहा, मैं विस्मया की मां के तौर पर बोल रही हूं, मोहनलाल की पत्नी के तौर पर नहीं। जब वह आठ साल की थी और अप्पू 12 साल का था, तब हमने एक छोटी सी घरेलू फिल्म बनाई थी। यह हमारे लिए खास साल है। मोहनलाल को फाल्के पुरस्कार मिला, अप्पू की नई फिल्म रिलीज हुई है, और विस्मया ने अपना करियर शुरू किया है।

निर्देशक जूड एंथनी जोसेफ ने स्वीकार किया कि वह विस्मया से अधिक तनाव में थे और इस पल को यादगार बताया। उन्होंने कहा, मैं मोहनलाल का फैन बनकर बड़ा हुआ हूं और अब मैं उनकी बेटी को निर्देशित कर रहा हूं। यह मेरे लिए बहुत ही भावुक पल है।आशीर्वाद सिनेमा की स्थापना 1999 में एंटनी पेरुंबवूर ने की थी, वह इस फिल्म के निर्माता हैं।

सोनू निगम ने कश्मीर की वादियों में बिताए अनमोल पल, डल झील को बताया कश्मीर का रत्न

मशहूर गायक सोनू निगम ने हाल ही में कश्मीर की यात्रा की और वहां की प्राकृतिक सुंदरता का लुत्फ उठाया। बुधवार को इस बात की जानकारी देते हुए अभिनेता ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। सोनू निगम ने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में गायक शिकारा पर बैठे हुए चारों तरफ पहाड़ों और खूबसूरत वादियों का लुत्फ उठा रहे हैं। उन्होंने तस्वीरें पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, कश्मीर का रत्न- डल झील। तस्वीरें देख फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं और वे कमेंट सेक्शन में प्यार बरसा रहे हैं और तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

बात करें कश्मीर के रत्न डल झील की, तो इसे श्रीनगर की शान और जम्मू-कश्मीर का सबसे ज्यादा आकर्षक पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां की हाउसबोट्स, शिकारे और फूलों से सजे बाजार पर्यटकों को काफी पसंद आते हैं।

वहीं, कश्मीर और बॉलीवुड का रिश्ता लगभग 1949 से शुरू हुआ है, जब दिग्गज अभिनेता राज कपूर ने वहां पर सुपरहिट फिल्म 'बरसात' के कुछ सीन्स शूट किए थे। उसके बाद से ही कश्मीर के दृश्यों से सजी कई बॉलीवुड फिल्में रिलीज हुई थीं। बताया जाता है कि कश्मीर बॉलीवुड का मनपसंद स्पॉट भी बन गया था।

यश चोपड़ा ने तो कश्मीर को रोमांस का पर्याय ही बना दिया था। उन्होंने 'कश्मीर की कली' और 'सिलसिला' जैसी कई फिल्मों के सीन्स डल झील और गुलमर्ग में ही शूट किए थे। गीत-संगीत भी यहां की सुंदरता से प्रेरित थे। 'ये चांद सा रोशन चेहरा' से लेकर 'जरा सी आहट होती है' तक, कश्मीर ने अनगिनत हिट गाने दिए हैं।

सोनू निगम को 'आधुनिक रफी' के नाम से जाना जाता है। करियर की शुरुआत में उन्होंने कई एल्बम में मोहम्मद रफी के गाने गाए और इससे उन्हें काफी लोकप्रियता भी मिली। हिंदी और कन्नड़ के अलावा, उन्होंने बंगाली, मराठी, तेलुगू, तमिल, उड़िया, अंग्रेजी, असमिया, मलयालम, गुजराती, भोजपुरी, नेपाली, तुलु, मैथिली और मणिपुरी में भी गीत गाए हैं।

त्रिस्पर्शा योग में मनाई जाएगी देवउठनी एकादशी

देवउठनी एकादशी हिंदू धर्म की महत्वपूर्ण तिथि है, जिसे देवोत्थान एकादशी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा से जागते हैं और सृष्टि का कार्यभार संभालते हैं। इसके अलावा एक बार फिर घरों में भी शुभ-मांगलिक कार्यों की शहनाइयां गूंजने लगती हैं। शास्त्रों में देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह का भी विशेष महत्व माना जाता है। कहते हैं कि, देवोत्थान पर तुलसी विवाह कराने पर साधक को कन्यादान के समान फल प्राप्त होता है। वहीं इस दिन व्रत रखने से भाग्योदय और कार्यों में मनचाहा फल भी प्राप्त होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की तिथि 01 नवंबर को सुबह 09:11 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 02 नवंबर को सुबह 07:31 मिनट पर होगा। उदया तिथि में इस साल देवउठनी एकादशी 02 नवंबर को मनाई जाएगी। इस बार देवउठनी एकादशी यानी 2 नवंबर को त्रिस्पर्श एकादशी रहेगी। इस दिन एकादशी, द्वादशी और त्रयोदशी रहेगी। देवोत्थान एकादशी इस बार त्रिस्पर्शा योग में मनाई जाएगी। त्रिस्पर्शा योग एक दुर्लभ संयोग है जब एक ही दिन में एकादशी, द्वादशी और रात्रि के अंतिम पहर में त्रयोदशी तिथि आती है। इसे पद्म पुराण में वर्णित एक विशेष योग बताया गया है। इसी दिन चातुर्मास खत्म होगा और शुभ कार्यों की शुरुआत होगी। इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं। शुभ कार्यों के द्वार खुलते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और पूजा करने से समस्त पापों का नाश होता है। घर में सुख-समृद्धि आती है।

इस साल 2 नवंबर 2025 को देवउठनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। विष्णु जी की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती हैं। इस दौरान मां लक्ष्मी की पूजा करना और भी लाभकारी माना जाता है। दोनों की साथ में पूजा करने से वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। देवउठनी एकादशी से मंगलकार्य शुरू हो जाते हैं और इसके अगले दिन तुलसी विवाह किया जाता है। उदया तिथि में देवउठनी एकादशी 2 नवंबर को मनाई जाएगी। इस दिन तुलसी विवाह होगा। इसके साथ विवाह मुहूर्त का सिलसिला शुरू हो जाएगा। माना जाता है कि देवउठनी एकादशी को भगवान श्रीहरि चार माह की गहरी निद्रा से उठते हैं। भगवान के सोकर उठने की खुशी में देव-ोत्थान एकादशी मनाया जाता है। इसी दिन से सृष्टि को भगवान विष्णु संभालते हैं। इसी दिन तुलसी से उनका विवाह हुआ था। इस दिन महिलाएं व्रत रखती हैं। परम्परानुसार देव देवउठनी एकादशी में तुलसी जी विवाह किया जाता है, इस दिन उनका श्रंगार कर उन्हें चुनरी ओढ़ाई जाती है। उनकी परिक्रमा की जाती है। शाम के समय रौली से आंगन में चौक पूर कर भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करेंगी। रात्रि को विधिवत पूजन के बाद प्रात:काल भगवान को शंख, घंटा आदि बजाकर जगाया जाएगा और पूजा करके कथा सुनी जाएगी।

हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को तुलसी विवाह का आयोजन किया जाता है। इस एकादशी को 'देवउठनी एकादशी' या 'प्रबोधिनी एकादशी' भी कहा जाता है। इस बार तुलसी विवाह 2 नवंबर को पड़ रहा है। सनातन धर्म में तुलसी विवाह का विशेष महत्व माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी विवाह के दिन माता तुलसी और भगवान शालिग्राम की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और उनके वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही पति-पत्नी के बीच उत्पन्न होने वाली समस्याएं भी दूर हो जाती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विधि-विधान के साथ तुलसी विवाह कराने वालों पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा रहती है। मान्यता है कि तुलसी विवाह करने से कन्यादान के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। भगवान शालीग्राम और माता तुलसी का विवाह कराने से वैवाहिक जीवन सुखी रहता है। महिलाएं सुख-समृद्धि की प्राप्ति के लिए इस दिन व्रत-पूजन करती हैं।

शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की तिथि 01 नवंबर को सुबह 09:11 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 02 नवंबर को सुबह 07:31 मिनट पर होगा। उदया तिथि में इस साल देवउठनी एकादशी 02 नवंबर को मनाई जाएगी। इसी दिन चातुर्मास खत्म होगा और शुभ कार्यों की शुरुआत होगी।

त्रिस्पर्शा योग

देवोत्थान एकादशी इस बार त्रिस्पर्शा योग में मनाई जाएगी। त्रिस्पर्शा योग एक दुर्लभ संयोग है जब एक ही दिन में एकादशी, द्वादशी और रात्रि के अंतिम पहर में त्रयोदशी तिथि आती है। इसे पद्म पुराण में वर्णित एक विशेष योग बताया गया है। देवोत्थान एकादशी को अबूझ मुहूर्त भी माना जाता है, इस वजह से बड़ी संख्या में विवाह भी इसी दिन होते हैं। तुलसी-शालिग्राम विवाह भी कराया जाता है।

चातुर्मास मास होगा समाप्त

देवउठनी एकादशी के दिन चातुर्मास समाप्त होगा। मान्यताओं के अनुसार चतुर्मास में भगवान विष्णु आराम करते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दौरान कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं।

देवउठनी एकादशी का महत्व

देवउठनी एकादशी तिथि से चतुर्मास अवधि खत्म हो जाती है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान विष्णु शयनी एकादशी को सो जाते हैं। वह इस दिन जागते हैं। देवउठनी एकादशी के दिन जातक सुबह जल्द उठकर स्वस्छ वस्त्र पहनते हैं। भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं। शास्त्रों के अनुसार विष्णुजी के अवतार भगवान श्रीकृष्ण ने एकादशी को देवी वृंदा (तुलसी) से शादी की थीं। इस साल तुलसी विवाह 5 नवंबर को मनाया जाएगा।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा के बाद इसी दिन जागते हैंए इसी कारण इस दिन को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। ऐसे में भगवान विष्णु का आर्शीवाद पाने के लिए भक्त कई उपाय भी करते हैं। लेकिन आर्शीवाद पाने के साथ कुछ ऐसे नियम भी हैंए जिन्हें देवउठनी एकादशी के दिन भूलकर भी नहीं तोड़ना चाहिए।

चावल न खाएं इस दिन

मान्यताओं के अनुसार किसी भी एकादशी पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल जानकारों के अनुसार केवल देवउठनी एकादशी ही नहीं बल्कि सभी एकादशी पर चावल खाना हर किसी के लिए वर्जित माना गया है। चाहे जातक ने व्रत रखा हो या न रखा हो। माना जाता है कि इस दिन चावल खाने से मनुष्य को अगला जन्म रेंगने वाले जीव में मिलता है।

मांस-मदिरा से रहें दूर

हिंदू धर्म में वैसे ही मांस-मंदिरा को तामसिक प्रवृत्ति बढ़ने वाला माना गया है। ऐसे में किसी पूजन में इन्हें खाने को लेकर मनाही है। ऐसे में एकादशी पर इन्हें खाना तो दूर घर मे लाना तक वर्जित माना गया है। माना जाता है कि ऐसा करने वाले जातक को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

महिलाओं का अपमान न करें

एकादशी के दिन महिलाओं का भूलकर भी अपमान न करें चाहें वे आपसे छोटी हो या बड़ी। दरअसल माना जाता है कि किसी का भी अपमान करने से आपके शुभ फलो में कमी आती हैए वहीं इस दिन इनके अपमान से व्रत का फल नहीं मिलता है। साथ ही जीवन में कई तरहों की समस्याओं का सामना करना पड़ता है

क्रोध से बचें

एकादशी के दिन भक्त भगवान विष्णु की अराधना करते हैं ऐसे में माना जाता है कि इस दिन सिर्फ भगवान का गुणगान करना चाहिए। साथ ही एकादशी के दिन भूलकर भी किसी पर क्रोध नहीं करना चाहिए और वाद-विवाद से भी दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

ब्रह्मचर्य का पालन करें

एकादशी के दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इस दिन भूलकर भी शारीरिक संबंध नहीं बनाने चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

एकादशी के दिन करें ये काम

एकादशी के दिन दान करना उत्तम माना जाता है। एकादशी के दिन संभव हो तो गंगा स्नान करना चाहिए। विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए एकादशी के दिन केसर, केला या हल्दी का दान करना चाहिए। एकादशी का उपवास रखने से धन, मान-सम्मान और संतान सुख के साथ मनोवांछित फल की प्राप्ति होने की मान्यता है। कहा जाता है कि एकादशी का व्रत रखने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

देवउठनी एकादशी पूजा विधि

देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु को धूप, दीप, पुष्प, फल, अर्घ्य और चंदर आदि अर्पित करें। भगवान की पूजा करके नीचे दिए मंत्रों का जाप करें।

उत्तिष्ठोत्तिष्ठ गोविंद त्यज निद्रां जगत्पते। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत् सुप्तं भवेदिदिम्।।

उत्तिष्ठोत्तिष्ठ वाराह दंष्ट्रोद्धृतवसुंधरे। हिरण्याक्षप्राघातिन् त्रैलोक्यो मंगल कुरु।।

इसके बाद भगवान की आरती करें। वह पुष्प अर्पित कर इन मंत्रों से प्रार्थना करें।

इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता।
त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थं शेषशायिना।।
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो।
न्यूनं संपूर्णतां यातु त्वत्वप्रसादाज्जनार्दन।।

इसके बाद सभी भगवान को स्मरण करके प्रसाद का वितरण करें।

आंवला नवमी पर आंवले के चार दिव्य उपाय, भगवान विष्णु की कृपा से पाएंगे सेहत के साथ धन-धान्य और समृद्धि

हिंदू आंवला नवमी कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को पड़ती है। लेकिन इस साल यह तिथि दो दिन पड़ रही है। शास्त्रों के अनुसार, उदया तिथि पर आंवला नवमी मनाई जाती है, जो इस साल 31 अक्टूबर को रहेगी। ऐसे में इसी दिन आंवला नवमी मनाई जाएगी। इसे अक्षय नवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन आंवले के पेड़ और भगवान विष्णु की पूजा करने का खास महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि अक्षय नवमी से लेकर देव उठनी एकादशी तक भगवान विष्णु आंवले के पेड़ के नीचे निवास करते हैं। ऐसे में अगर आप इस विशेष दिन पर कुछ आंवले के ज्योतिष उपाय कर लें तो इससे विष्णुजी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

इस उपाय से परिवार की होगी उन्नति

आंवला नवमी के दिन आंवले के पेड़ की पूजा की जाती है। ऐसे में कपूर और घी के दीपक के साथ आरती जरूर करें। साथ ही, वृक्ष की 108 बार परिक्रमा करें और आंवला के पेड़ के नीचे ब्राह्मण, जरूरतमंद व किसी गरीब को भोजन कराना चाहिए। इसके अलावा, खुद भी पेड़ के पास बैठकर भोजन करना चाहिए। इस उपाय को करने से विष्णु-जी के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त होती है और परिवार के सदस्यों की उन्नति होती है। साथ ही, जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है।

जीवन में सुख-समृद्धि का उपाय

भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने के लिए आंवला नवमी के दिन श्रद्धापूर्वक वृक्ष की पूजा अवश्य करनी चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, अक्षय नवमी को पूर्व दिशा की तरफ मुख करके आंवले के पेड़ की जड़ को जल और दूध से सींचना चाहिए।

साथ ही, इस दौरान 'ओम धात्र्ये नमः' मंत्र का जाप भी अवश्य करें और हल्दी से स्वास्तिक बनाएं। इस उपाय को करने से जातक के घर और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, विष्णु भगवान के आशीर्वाद से काम बनने लगते हैं।

धन और आरोग्य की प्राप्ति का उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, आंवला नवमी के दिन वृक्ष की पूजा करने के साथ-साथ व्रत रखना भी बहुत शुभ माना गया है। इस दिन भगवान विष्णु को भी आंवले का भोग जरूर लगाना चाहिए। भोग लगाने के बाद उस आंवले को स्वयं भी ग्रहण करें। ऐसा करने से जातक को आरोग्य की प्राप्ति होती है और घर में कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होती है। इसके अलावा, अक्षय नवमी पर जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े दान करने से विष्णुजी की कृपा प्राप्त होती है और सभी पाप नष्ट हो सकते हैं।

सकारात्मकता और एकाग्रता बढ़ाने का उपाय

आंवला नवमी के दिन घर में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए आप एक छोटा सा उपाय कर सकते हैं। इसके लिए अक्षय नवमी आंवले का वृक्ष जरूर लगाना चाहिए। इसे घर में पूर्व या उत्तर दिशा की ओर लगाना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, पढ़ने वाले बच्चों को अपनी पुस्तक में आंवले की हरी पत्तियां रखनी चाहिए। इससे एकाग्रता बढ़ती है और शिक्षा के क्षेत्र में लाभ प्राप्त हो सकता है।

घर में जरूर लगाएं ये पांच पौधे, बनी रहेगी सकारात्मकता

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके घर में हमेशा खुशहाली और सुख-समृद्धि बनी रहे। लेकिन कई बार घर बनवाते समय या नए घर में शिफ्ट होते वक्त हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिससे परिवार में बार-बार समस्याएं आने लगती हैं और वास्तु दोष भी लग जाता है। इसके लिए वास्तुशास्त्र में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं जिन्हें करने से घर से वास्तु दोष दूर हो सकता है और परिवार के जीवन से बैडलक को भी दूर किया जा सकता है। अगर आप वास्तु के अनुसार अपने घर में कुछ शुभ पौधे लगा लें तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है और घर में सुख-शांति व समृद्धि बनी रहती है।

रबर प्लांट–वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में रबर प्लांट लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में अगर आप घर में इस पौधे को लगाते हैं तो यह सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है और नकारात्मकता दूर करता है। वास्तु के अनुसार, रबर प्लांट को घर में पूर्व दिशा में रखना बहुत अच्छा माना जाता है। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि उस स्थान पर पर्याप्त मात्रा में धूप आती हो लेकिन वह सीधी पौधे पर न पड़े। हरा भरा रबर प्लांट घर का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में सहायक होता है।

पुदीना का पौधा– घर में पुदीना का पौधा लगाना भी वास्तुशास्त्र में बहुत शुभ माना गया है। इसकी महक घर के वातावरण को सुखद बनाए रखने में मददगार साबित होती है। साथ ही, इससे मन को भी शांति महसूस होती है और तनाव कम होगा। अगर आपके घर में किसी न किसी बात को लेकर परिवार के बीच तनाव बना रहता है तो पुदीना का पौधा घर में जरूर लगाएं। इससे घर में सुख-शांति का माहौल बना रहता है। वास्तु के अनुसार, पुदीने का पौधा घर में उस स्थान पर रखना चाहिए जहां पानी का बहाव अधिक रहता हो। लेकिन इसे भूलकर भी दक्षिण दिशा में नहीं रखना चाहिए।

सफेद अपराजिता –ये फूल खूबसूरत दिखने के साथ-साथ पवित्र होते हैं। इन्हें पूजा के दौरान भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी को अर्पित करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं, नीले रंग के अपराजिता शनिदेव की पूजा में प्रयोग किए जाते हैं। ऐसे में वास्तुशास्त्र के अनुसार अगर आप सफेद अपराजिता का पौधा घर में लगा लें तो इससे बैडलक दूर हो सकता है और धन-धान्य में भी वृद्धि होती है। इसके लिए अपराजिता को घर में उत्तर या पूर्व दिशा की ओर लगाना चाहिए। इससे आपको आर्थिक समस्याओं और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, इन पवित्र फूलों को पूजा में भी प्रयोग करना चाहिए।

शमी का पौधा –हिंदू धर्म में इस पौधे को बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इसे घर में लगाने से शनि के बुरे प्रभाव कम हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप शनि के विपरीत प्रभाव के चलते जीवन में समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो घर में शमी का पौधा अवश्य लगाएं। साथ ही, यह पौधा शनिदेव को बहुत प्रिय है। ऐसे में अगर आप वास्तु के अनुसार इसे सही दिशा में लगाते हैं तो इससे शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। वास्तुशास्त्र में बताया गया है कि शमी के पौधे को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में ही लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में बरकत आती है और फिजूलखर्ची से भी राहत मिल सकती है।

तुलसी विवाह, कार्तिक पूर्णिमा, उत्पन्ना एकादशी कब है?

नवंबर में पड़ने वाले व्रत-त्यौहारों की पूरी सूचि

हिंदू धर्म में नवंबर महीना धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है। इस महीने देवउठनी एकादशी से शुभ कार्यों की दोबारा शुरुआत होती है। इसी दिन भगवान विष्णु चार महीनों की योगनिद्रा से जागते हैं। इसके साथ ही हिंदू धर्म का सबसे लोकप्रिय त्यौहार तुलसी विवाह भी नवंबर के महीने में ही पड़ा रहा है। इस दिन भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप के साथ माता तुलसी का विवाह कराया जाता है। इसी महीने कार्तिक पूर्णिमा भी पड़ रही है। इस दिन दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है। इसी दिन सिखों के प्रथम गुरु, गुरु नानक देव जी की जयंती भी मनाई जाएगी।

देव उठनी एकादशी

एकादशी तिथियों में देव उठनी एकादशी को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे इसे हरिप्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। देव उठनी एकादशी कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु चार महीनों की योग निद्रा से जागते हैं। पृथ्वी पर धर्म, कर्म और शुभ कार्यों की दोबारा शुरुआत होती है। इस दिन से वैवाहिक कार्यक्रम, गृह प्रवेश, मुंडन और अन्य शुभ मांगलिक कार्य आरंभ होते हैं। इस बार एकादशी तिथि 1 नवंबर, शनिवार सुबह 09 बजकर 11 मिनट से शुरू होकर अगले दिन सुबह 07 बजकर 31 मिनट तक रहेगी। ऐसे में इस बार देव उठनी एकादशी 2 नवंबर, रविवार को मनाई जाएगी।

तुलसी विवाह

तुलसी विवाह देवउठनी एकादशी के अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को मनाया जाता है। यह त्योहार हिन्दू धर्म में मनाए जाने वाले सबसे लोकप्रिय त्यौहारों में से एक है। इस दिन तुलसी माता का विवाह भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप से किया जाता है। इस दौरान तुलसी के पौधे को सुहाग सामग्री से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। हवन, भजन के साथ विवाह संस्कार का आयोजन होता है। ऐसा माना जाता है कि तुलसी विवाह में शामिल होने से वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ता है और कुण्डली से विवाह संबंधित दोष दूर होते हैं। इस बार द्वादशी तिथि 2 नवंबर, रविवार को सुबह 07 बजकर 31 मिनट से शुरू होकर अगले दिन सुबह 05 बजकर 07 मिनट तक रहेगी। ऐसे में तुलसी विवाह का त्योहार 2 नवंबर, रविवार को मनाया जाएगा।

बैकुंठ चतुर्दशी

बैकुंठ चतुर्दशी कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण त्योहार है। इस दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों की पूजा की जाती है। काशी में बाबा विश्वनाथ और भगवान विष्णु के बीच मिलने का यह त्योहार विशेष धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा निशीथ काल यानी मध्य रात्रि में की जाती है, जबकि भगवान शिव की पूजा सुबह के समय में होती है। कहा जाता है कि बैकुंठ चतुर्दशी पर किया गया जप-तप का सौ गुना फल मिलता है। चतुर्दशी तिथि 04 नवंबर, मंगलवार को सुबह 02 बजकर 05 मिनट से शुरू होकर रात को 10 बजकर 36 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 4 नवंबर को ही बैकुंठ चतुर्दशी मनाई जाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा

कार्तिक पूर्णिमा हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और पुण्यदायी तिथि मानी जाती है। इस दिन गंगा स्नान, यमुना और अन्य पवित्र नदियों में स्नान कर दीपदान का विशेष महत्व है। है। इस दिन को देव दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का संहार किया था। वाराणसी में देव दीपावली को धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

इस दिन दान और व्रत का अत्यंत महत्व है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर किया गया पुण्य अक्षय रहता है और पितरों को तृप्ति मिलती है। पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 4 नवंबर, मंगलवार को रात 10 बजकर 36 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 5 नवंबर, बुधवार को शाम 06 बजकर 48 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में कार्तिक पूर्णिमा का त्योहार 5 नवंबर को मनाया जाएगा।

श्री गुरु नानक जयंती

श्री गुरु नानक देव जी की जयंती सिख समुदाय का प्रमुख त्योहार है। इसे कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस दिन को गुरु पूरब या गुरु पर्व भी कहा जाता है। गुरु नानक देव जी सिख धर्म के प्रथम गुरु और सिख पंथ के संस्थापक थे। उनकी जयंती पर गुरुद्वारों को सजाया जाता है। कीर्तन, अखंड पाठ और नगर कीर्तन का आयोजन किया जाता है। इस बार गुरु नानक देव जी की 556 वीं जन्म वर्षगांठ मनाई जाएगी। गुरु नानक देव जी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस साल 5 नवंबर, बुधवार को मनाई जाएगी।

उत्पन्ना एकादशी

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित होती है। उत्पन्ना एकादशी मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है। इसे वर्ष की पहली एकादशी भी माना जाता है। पुराणों के अनुसार उत्पन्ना एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने और व्रत रखने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं । पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि 15 नवंबर, शनिवार को सुबह 12 बजकर 49 मिनट पर शुरू होकर अगले दिन 16 नवंबर, रविवार को सुबह 02 बजकर 37 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उत्पन्ना एकादशी व्रत 15 नवंबर को किया जाएगा।

विवाह पंचमी

विवाह पंचमी मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है। इसी दिन भगवान श्रीराम और माता सीता का विवाह हुआ था। अयोध्या, जनकपुर और मिथिला क्षेत्र में यह पर्व विशेष धूमधाम से मनाया जाता है।

मान्यता है कि इस दिन भगवान राम की पूजा करने से दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। वहीं, कुंवारे लोगों के लिए यह तिथि विशेष रूप से मंगलदायक मानी जाती है। पंचांग के अनुसार, इस बार पंचमी तिथि 24 नवंबर, सोमवार रात 09 बजकर 22 मिनट से अगले दिन 25 नवंबर, मंगलवार को रात 10 बजकर 56 मिनट तक रहेगी। ऐसे में विवाह पंचमी का त्योहार 25 नवंबर को मनाया जाएगा।

संपादकीय

संवैधानिक आरक्षण लांघते हुए

इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ' (1992) सर्वोच्च अदालत का ऐसा ऐतिहासिक फैसला था, जिसे 9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सुनाया था। फैसला बहुमत से लिया गया था, लेकिन उसका प्रभाव सामूहिक था। उसे 'मंडल आयोग मामला' भी कहा जाता है। फैसले में सरकारी नौकरियों और शिक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण की वैधता को बरकरार रखा गया था, लेकिन कुछ और महत्वपूर्ण फैसले भी सुनाए गए। मसलन-आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी होगी। 'क्रीमी लेयर' (अमीर ओबीसी सदस्यों) को आरक्षण से बाहर करना और पदोन्नति में आरक्षण को हटाना। 'पदोन्नति में आरक्षण' को असंवैधानिक करार दिया गया, जिसका अर्थ है कि आरक्षण केवल शुरुआती नियुक्ति के चरणों में ही लागू हो सकता है। दरअसल बहुमत के उस फैसले ने भारत में आरक्षण नीति को आकार दिया, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ उस ऐतिहासिक फैसले को लांघने का प्रयास करते रहे हैं। आरक्षण की परिभाषा खंडित करके उसे अपने अनुसार बनाया जा रहा है। ताजातरीन मामला बिहार में 'तेजस्वी का प्रण' का है। यह विपक्षी गठबंधन का चुनावी घोषणा-पत्र है। उसमें 25 'प्रण' किए गए हैं, जिनके आधार पर जनादेश मांगा जा रहा है। उनमें एक 'प्रण' यह भी है कि आरक्षण की 50 फीसदी सीमा को बढ़ाने का कानून बनाएंगे और उसे 9वीं अनुसूची में दर्ज कराने की कोशिशें करेंगे। यह एक ऐसा चुनावी वायदा है, जो राज्य स्तर के चुनाव में नहीं किया जा सकता। बेशक विधानसभा में, बहुमत के आधार पर, आरक्षण की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया जा सकता है। बिहार में ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद के साथ गठबंधन सरकार के दौरान 'जातीय सर्वेक्षण' कराया था। 'जातीय जनगणना' केंद्र सरकार का विशेषाधिकार है। उस सर्वेक्षण के बाद आरक्षण की सीमा 65 फीसदी तक बढ़ाने का प्रस्ताव विधानसभा में पारित किया गया था, लेकिन वह लागू नहीं हो सका, क्योंकि मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। पटना उच्च न्यायालय ने जून, 2024 में इसे 'असंवैधानिक' करार देते हुए खारिज कर दिया था। सर्वोच्च अदालत ने न तो उच्च अदालत के फैसले पर रोक लगाई और न ही पलटी मारने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्र की मोदी सरकार से आरक्षण की इस सीमा को 9वीं अनुसूची में डलवा पाए। संविधान की 9वीं अनुसूची में कुल 284 अधिनियम हैं। पहली बार इस अनुसूची को संविधान के सर्वप्रथम संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा 13 कानूनों के साथ, संविधान में जोड़ा गया था। किसी भी कानून को 9वीं अनुसूची में रखने से उसकी न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती, लिहाजा उसे अदालत में रद्द भी नहीं किया जा सकता। तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण लागू है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी 10 फीसदी आरक्षण है। कुल 79 फीसदी आरक्षण का कानून 9वीं अनुसूची में दर्ज किया गया है। झारखंड विधानसभा में 77 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव 11 नवंबर, 2022 को पारित किया गया था, लेकिन साथ में यह भी कहा गया था कि संवैधानिक रूप से स्वीकृति मिलने के बाद ही उसे लागू किया जाएगा। सर्वोच्च अदालत में फिलहाल विचाराधीन है। ऐसे ही प्रयास तेलंगाना, कर्नाटक, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में भी किए गए, बेशक वोट भी मिले, लेकिन सभी 'सियासी बयानबाजी' साबित हुए। बुनियादी अड़चन 9वीं अनुसूची है। यह तभी संभव है, जब केंद्र में आपके दल या गठबंधन की सरकार हो, लिहाजा बिहार में सरकार बनने के बावजूद 'तेजस्वी का यह प्रण' खोखला ही साबित होगा। कुछ और प्रण भी किए गए हैं, जो केंद्र सरकार के ही विशेषाधिकार में आते हैं। उन्हें फिलहाल छोड़ते हैं। बहरहाल आज आरक्षण एक सशक्त राजनीतिक और चुनावी हथियार बन चुका है, लिहाजा इसकी समीक्षा की बहुत जरूरत है। यह जोखिम भाजपा-एनडीए को ही उठाना पड़ेगा।

सर्वोच्च अदालत ने न तो उच्च अदालत के फैसले पर रोक लगाई और न ही पलटी मारने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्र की मोदी सरकार से आरक्षण की इस सीमा को 9वीं अनुसूची में डलवा पाए। संविधान की 9वीं अनुसूची में कुल 284 अधिनियम हैं। पहली बार इस अनुसूची को संविधान के सर्वप्रथम संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा 13 कानूनों के साथ, संविधान में जोड़ा गया था। किसी भी कानून को 9वीं अनुसूची में रखने से उसकी न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती, लिहाजा उसे अदालत में रद्द भी नहीं किया जा सकता। तमिलनाडु में 69 फीसदी आरक्षण लागू है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी 10 फीसदी आरक्षण है। कुल 79 फीसदी आरक्षण का कानून 9वीं अनुसूची में दर्ज किया गया है। झारखंड विधानसभा में 77 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव 11 नवंबर, 2022 को पारित किया गया था, लेकिन साथ में यह भी कहा गया था कि संवैधानिक रूप से स्वीकृति मिलने के बाद ही उसे लागू किया जाएगा। सर्वोच्च अदालत में फिलहाल विचाराधीन है। ऐसे ही प्रयास तेलंगाना, कर्नाटक, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में भी किए गए, बेशक वोट भी मिले, लेकिन सभी 'सियासी बयानबाजी' साबित हुए। बुनियादी अड़चन 9वीं अनुसूची है। यह तभी संभव है, जब केंद्र में आपके दल या गठबंधन की सरकार हो, लिहाजा बिहार में सरकार बनने के बावजूद 'तेजस्वी का यह प्रण' खोखला ही साबित होगा। कुछ और प्रण भी किए गए हैं, जो केंद्र सरकार के ही विशेषाधिकार में आते हैं। उन्हें फिलहाल छोड़ते हैं।

आप का नजरिया

हिमाचली बंदे में है दम

मानव विकास के हर आयाम पर हिमाचल ने तरक्की के तमाम क्षेत्र चुन लिए और यही वजह है कि राष्ट्रीय सूचकांक की सतह से कहीं ऊपर 'हिमाचली बंदे में दम है'। भौगोलिक दुरुहता को पाटते हुए हिमाचल ने अपने नागरिकों को राष्ट्रीय पैमानों में अव्वल किया, तो यह मंजर कई सरकारों के सतत प्रयास की निशानी भी है। प्रदेश साक्षरता दर में 99.2 प्रतिशत के शिखर पर विराजमान है, तो यह स्थिति लंबे संघर्ष और सीधे मुकाम की है। गरीबी दर का घटना पहाड़ के जीवन को नई महत्त्वाकांक्षा में गूंथना है और इसीलिए अब सोचा यह जा रहा है कि घोषित रूप से हिमाचल को किसी भी प्रकार की गरीबी से सौ फीसदी मुक्त कर दिया जाए। यह इसलिए भी कि प्रति व्यक्ति आय 9.6 प्रति दर से वृद्धि करके राष्ट्रीय औसत से कहीं ऊपर 257212 रुपए तक पहुंच गई है। नवजात मृत्यु दर गिरी है, तो सामाजिक सुरक्षा के पैमानों में यह प्रदेश एक नगीना बन गया है। देश में मानव विकास की पांचवीं पायदान पर पहुंचना यूं तो श्रेष्ठता की कहानी है, लेकिन इतनी सारी उपलब्धियों के बावजूद प्रदेश की प्रगति के आईनों में कुछ जख्मों का दर्द झलकता है। राष्ट्र के कई पथ, कई आकाश और कई प्रयास अभी भी हिमाचल को छोटा करके आंकते हैं। राष्ट्रीय संस्थानों की शिनाख्त में अगर हिस्सेदारी की मैरिट बने, तो इनकी स्थापना से नजरिया बदलेगा और प्रतिस्पर्धा में अवसर सामने आएंगे। बेशक हम मानव विकास की पांचवीं पायदान पर हैं, लेकिन क्या हम राष्ट्रीय अवसर प्राप्ति में भी पांचवें हैं। हम तो सेना भर्ती के कोटे में भी इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि देश को बड़े राज्यों की जनसंख्या का आधार पुख्ता करना है। हम मैट्रो शहरों से ऊपर मानव विकास को रूपांतरित करते हैं, लेकिन केंद्र की चिंताओं में वित्त पोषण की जागीर को हम नहीं छू पाते। एक सैंपल के लिहाज से हमारा गुणात्मक पक्ष हमें गौरवान्वित करता है, लेकिन मानव विकास के आंकड़े आर्थिक विकास में परिवर्तित नहीं होते। दरअसल यह राज्य उपभोक्तावाद के रूप में प्रति व्यक्ति खरीद फरोख्त में अव्वल हो रहा है। इसीलिए मोबाइल खरीद हो या इंटरनेट पर उतरती रील हो, हम हिमाचली राष्ट्र के तमाम आंकड़ों को डाउनलोड करके भी अपनी जेब और रोजगार के अवसरों से महरूम रहते हैं। बेशक मानव विकास से मानव संसाधन तक हिमाचल एक मजबूत राज्य घोषित हुआ है, लेकिन हमारी तरक्की हमारे सपनों की जमीन नहीं खोज पा रही। हम मानव संसाधन के निर्यातक, लेकिन प्रदेश के रोजगार अवसरों पर श्रम आयात करने वाले राज्य बन गए हैं। हिमाचल में रोजगार के सीमित अवसरों में हर सरकारी पद कर्ज बढ़ा रहा है, तो पढ़ा-लिखा युवा बाहरी राज्यों की धूल-मिट्टी खा रहा है। हम जीने की धरा पर हिमाचल को बसाने लगे हैं, हर प्राथमिकता में नजर आने लगे हैं। यहां इसीलिए एक खास चरित्र में हिमाचली आचरण चल रहा है। यहां सार्वजनिक मांग इतनी सशक्त है कि सरकारों को अपने दायित्व के पालने निरंतर सुधारने पड़ते हैं। मानव विकास की दृष्टि से संबल बनती नीतियां और राष्ट्र की अभिलाषा में सुर्ख होती अपेक्षाएं तो मिल जाएंगी, लेकिन डर यह है कि यहां का नागरिक समाज अपनी भूमिका में प्रदेश के प्रति एकलव्य साबित नहीं हो रहा। देश में सबसे कम कर उगाही के मानदंड पर हिमाचल किस तरह आत्मनिर्भरता के डग भरेगा, यह सवाल भी कहीं नत्थी है। दूसरी ओर ड्रग्स व चिट्टे की उतरती खेप के बीच युवाओं की नसों में घुसता नशा आखिर मानव विकास के चित्रण को कितना ध्वस्त कर देगा, यह भी तो एक प्रश्न है।

भौगोलिक दुरुहता को पाटते हुए हिमाचल ने अपने नागरिकों को राष्ट्रीय पैमानों में अव्वल किया, तो यह मंजर कई सरकारों के सतत प्रयास की निशानी भी है। प्रदेश साक्षरता दर में 99 .2 प्रतिशत के शिखर पर विराजमान है, तो यह स्थिति लंबे संघर्ष और सीधे मुकाम की है। गरीबी दर का घटना पहाड़ के जीवन को नई महत्त्वाकांक्षा में गूंथना है और इसीलिए अब सोचा यह जा रहा है कि घोषित रूप से हिमाचल को किसी भी प्रकार की गरीबी से सौ फीसदी मुक्त कर दिया जाए। यह इसलिए भी कि प्रति व्यक्ति आय 9 .6 प्रति दर से वृद्धि करके राष्ट्रीय औसत से कहीं ऊपर 257212 रुपए तक पहुंच गई है। नवजात मृत्यु दर गिरी है, तो सामाजिक सुरक्षा के पैमानों में यह प्रदेश एक नगीना बन गया है। देश में मानव विकास की पांचवीं पायदान पर पहुंचना यूं तो श्रेष्ठता की कहानी है, लेकिन इतनी सारी उपलब्धियों के बावजूद प्रदेश की प्रगति के आईनों में कुछ जख्मों का दर्द झलकता है। राष्ट्र के कई पथ, कई आकाश और कई प्रयास अभी भी हिमाचल को छोटा करके आंकते हैं। राष्ट्रीय संस्थानों की शिनाख्त में अगर हिस्सेदारी की मैरिट बने, तो इनकी स्थापना से नजरिया बदलेगा और प्रतिस्पर्धा में अवसर सामने आएंगे। बेशक हम मानव विकास की पांचवीं पायदान पर हैं, लेकिन क्या हम राष्ट्रीय अवसर प्राप्ति में भी पांचवें हैं। हम तो सेना भर्ती के कोटे में भी इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि देश को बड़े राज्यों की जनसंख्या का आधार पुख्ता करना है। हम मैट्रो शहरों से ऊपर मानव विकास को रूपांतरित करते हैं, लेकिन केंद्र की चिंताओं में वित्त पोषण की जागीर को हम नहीं छू पाते।

राष्ट्र–समर्पित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में विशेष

तब सरदार पटेल पीएम बने होते तो भारत का भूगोल कुछ और होता

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

सशक्त राष्ट्र के रूप में स्वतंत्र भारत के निर्माण के इतिहास पर जब मैं नजर डालता हूं तो जो एक विराट व्यक्तित्व मेरी आंखों में उभर कर आता है, वह व्यक्तित्व है लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का। धीर–गंभीर और गरिमामय व्यक्तित्व का धनी, निस्वार्थ भाव से राष्ट्र के प्रति पूर्णतः समर्पित, मजबूत इरादे और दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अग्रसर होने वाला व्यक्तितत्व। पहली नजर में देखने पर ऊंचे कद का एक देहाती सा दिखने वाला व्यक्ति, इस व्यक्ति का नाम था वल्लभभाई झवेरभाई पटेल। इनका जन्म आज ही के दिन अर्थात 31 अक्टूबर को 1875 में गुजरात के नाडियाड में हुआ था। इनके पिता झवेरभाई पटेल एक किसान थे और माता लाडबाई धार्मिक स्वभाव की महिला थीं। लेकिन यह सामान्य सा दिखने वाला व्यक्ति एक बहुत बड़ा वकील भी था, जिसने लंदन से बार–एट–लॉ की डिग्री प्राप्त की थी।

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सरदार पटेल ने 1918 में खेड़ा सत्याग्रह और 1928 में बारदोली सत्याग्रह का नेतृत्व किया, जिसमें उन्होंने किसानों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। 1928 में गुजरात में एक बहुत बड़ा किसान आंदोलन हुआ था। इस आंदोलन का नेतृत्व पटेल ने किया था, जिसमें उन्होंने ब्रिटिश सरकार द्वारा लगाए गए अनुचित कर वृद्धि का विरोध किया था। बारडोली सत्याग्रह की सफलता के बाद, वहां की महिलाओं ने पटेल को सरदार की उपाधि दी, जिसका अर्थ है नेता या प्रमुख। महात्मा गांधी ने भी पटेल को सरदार कहकर पुकारा था, जो बाद में उनके नाम का हिस्सा बन गया और वे सरदार वल्लभ भाई पटेल के रूप में विख्यात हो गए। इसके पश्चात इनके नेतृत्व में 1923 में नागपुर सत्याग्रह हुआ, जिसमें पटेल ने हिंदू–मुस्लिम एकता के लिए लड़ाई लड़ी और ब्रिटिश सरकार के खिलाफ सत्याग्रह किया। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने प्रमुख भूमिका निभाई। यह एक राष्ट्रीय आंदोलन था, जिसमें पटेल ने महात्मा गांधी के साथ मिलकर ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ–साथ सरदार पटेल की स्वाधीन भारत के एकीकरण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने 565 रियासतों को भारतीय संघ में मिलाने के लिए जो प्रयास किए, उनसे भारत एक मजबूत और एकजुट देश बना। सरदार पटेल ने रियासतों के शासकों को समझाने के लिए अपनी सूझबूझ और कूटनीति का इस्तेमाल किया। भारत में रियासतों के एकीकरण में कई बड़ी समस्याएं थीं। कुछ रियासतें व रजवाड़े अपनी स्वतंत्र सत्ता बनाए रखना चाहते थे। हैदराबाद की रियासत ने भारत में विलय करने से इनकार कर दिया था और निजाम ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी। सरदार पटेल ने हैदराबाद में सैन्य कार्रवाई करने का फैसला किया और 13 सितंबर 1948 को भारतीय सेना ने हैदराबाद पर हमला कर दिया। इस कार्रवाई को ऑपरेशन पोलो नाम दिया गया था। भारतीय सेना ने हैदराबाद की सेना को पराजित कर दिया और निजाम ने आत्मसमर्पण कर दिया। हैदराबाद की रियासत को भारत में विलय कर दिया गया और यह आंध्र प्रदेश राज्य का हिस्सा बन गया। जूनागढ़ की रियासत ने पाकिस्तान में विलय करने का फैसला किया था। सरदार पटेल ने जूनागढ़ में जनमत संग्रह करवाया, जिसमें लोगों ने भारत में विलय करने के पक्ष में मतदान किया। यहाँ भी भारतीय सेना ने 9 नवंबर 1947 को सैन्य कार्रवाई की भारतीय सेना ने जूनागढ़ की सेना को पराजित कर दिया और नवाब ने आत्मसमर्पण कर दिया। जूनागढ़ के नवाब पाकिस्तान भाग गए और फरवरी 1948 में जूनागढ़ का भारत में विलय हो गया। इसी प्रकार त्रावणकोर की रियासत ने भारत में विलय करने से इनकार कर दिया था। सरदार पटेल ने त्रावणकोर के महाराजा से बातचीत की और अपनी सूझबूझ से कुशलतापूर्वक उन्हें भारत में विलय करने के लिए राजी किया।

जम्मू और कश्मीर की रियासत ने भारत में विलय करने से इनकार कर दिया था। सरदार पटेल ने जम्मू और कश्मीर के महाराजा हरि सिंह से बातचीत की और उन्हें भारत में विलय करने के लिए राजी किया। लेकिन जम्मू – कश्मीर में प्रधानमंत्री नेहरू और सरदार पटेल के बीच गहरे मतभेद थे। सरदार पटेल के गृह मंत्री होते हुए भी जवाहरलाल नेहरू ने गोपालस्वामी आयंगर को जम्मू और कश्मीर का प्रभारी बनाया, जो जवाहरलाल नेहरू के करीबी थे। पटेल चाहते थे कि कश्मीर का विलय भारत में हो, जबकि नेहरू कश्मीर को विशेष दर्जा देने के पक्ष में थे। पटेल कश्मीर में पाकिस्तानी कबाइलियों के खिलाफ सख्त सैन्य कार्रवाई के पक्ष में थे, जबकि नेहरू कश्मीर में जनमत संग्रह कराने के पक्ष में थे। निश्चय ही नेहरू जी के ये दोनों निर्णय भारत के बजाए पाकिस्तान के पक्ष में जाते थे क्योंकि मुस्लिम जनसंख्या ज्यादा होने से जनमत संग्रह पाकिस्तान के पक्ष में होता। नेहरू की इच्छा के अनुसार जम्मू- कश्मीर को विशेष दर्जा देने का निर्णय, जिसका विरोध अंबेडकर ने भी किया था, अनुच्छेद – 370 के रूप में अस्तित्व में आया। इसके दुष्परिणाम देश देख चुका है। मोदी सरकार ने इसे हटाकर जम्मू–कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया है। पटेल कश्मीर के मामले को संयुक्त राष्ट्र में ले जाने के विरोधी थे, जबकि नेहरू ने कश्मीर के मामले को संयुक्त राष्ट्र में उठाया, जिस वक्तव्य का इस्तेमाल पाकिस्तान आज भी वैश्विक मंचों पर करता है, जो भारत के हितों के प्रतिकूल एक हथियार के रूप में इस्तेमाल होता है। पटेल कश्मीर में पाकिस्तानी कबाइलियों के खिलाफ सख्त सैन्य कार्रवाई के पक्ष में थे, जबकि नेहरू का रुख इस मामले में बहुत ढुलमुल था। पटेल के दबाव में जब भारतीय सेना ने कथित पाकिस्तानी कबायलियों पर हमला कर उन्हें खदेड़ना शुरू किया और सेना शीघ्र ही पूरा कश्मीर वापस लेने वाली थी, तब प्रधानमंत्री नेहरू ने संयुक्त राष्ट्र संघ में जाकर युद्ध विराम कर दिया, जिसके कारण जम्मू–कश्मीर के बड़े भूभाग पर पाकिस्तान का कब्जा हो गया, जिसे हम पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के रूप में जानते हैं। यदि नेहरू ने सरदार पटेल की बात मानी होती तो पूरा जम्मू–कश्मीर प्रारंभ से भारत का अभिन्न अंग होता।

इसी प्रकार सरदार पटेल और नेहरू के बीच कई अन्य बिंदुओं पर विवाद था। नेहरू अपनी वैश्विक छवि को लेकर चल रहे थे। सरदार पटेल व्यावहारिक, यथार्थवादी और परंपरागत भारतीय मूल्यों पर आधारित नीति के पक्षधर थे। वे राष्ट्रीय एकता और आंतरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देना चाहते थे। पटेल का मानना था कि भारत को अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए यथार्थवादी नीति अपनानी चाहिए, खासकर चीन और पाकिस्तान के संदर्भ में। उन्होंने नेहरू को कई बार चीन के खतरे के प्रति आगाह भी किया था। लेकिन नेहरू उनकी बातों को अनसुनी करते रहे और हिंदी–चीनी भाई–भाई का राग अलापते रहे, जिसका दुष्परिणाम हमने 1962 में भुगता। चीन ने भारत पर हमला कर एक बहुत बड़े भूभाग पर कब्जा कर लिया। स्वतंत्र भारत में ऐसे महान, दूरदर्शी और दृढ़ व्यक्तित्व के धनी सरदार पटेल, जिन्होंने भारत के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाई, उनके साथ हुए घोर अन्याय और उपेक्षा का उल्लेख भी आवश्यक है। सबसे बड़ा अन्याय था लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक पर रख कर गांधीजी द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल के बजाए नेहरू को प्रधानमंत्री बनवाना था। उस समय कांग्रेस के नियमों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष ही प्रधानमंत्री पद के लिए दावेदार होता था। 15 प्रांतीय कांग्रेस कमेटियों (पीसीसी) में से 12 ने सरदार पटेल के नाम की संस्तुति की थी, जबकि दो ने जे.बी. कृपलानी के नाम की संस्तुति की और एक ने अपना मत जाहिर नहीं किया। जवाहरलाल नेहरू के नाम की संस्तुति तक किसी प्रांतीय कमेटी ने नहीं की थी। यह भी कि 14 में से 12 वोट सरदार पटेल को मिले। लेकिन फिर भी गांधीजी ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को ताक पर रख कर जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस अध्यक्ष बनवा दिया, जिसके कारण नेहरू को कांग्रेस अध्यक्ष पद मिला और वे भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। सरदार पटेल को उप–प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का पद दिया गया। इसमें

कोई संदेह नहीं कि यदि लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुसार सरदार पटेल भारत के प्रधानमंत्री बने होते तो भारत का क्षेत्रफल और स्थिति बहुत अलग होती। निश्चय ही पूरा जम्मू–कश्मीर प्रारंभ से ही भारत का अभिन्न अंग होता और चीन भी इतनी आसानी से भारत के इतने बड़े भूभाग पर कब्जा नहीं कर पाता।

यह तथ्य भी किसी से छिपा नहीं कि नेहरू ने लगातार सरदार पटेल की उपेक्षा की और उनके योगदान को महत्व नहीं दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया तो नेहरू ने उसका तीव्र विरोध किया लेकिन सरदार पटेल के संकल्प के कारण यह कार्य पूरा हुआ। नेहरू की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति से भी सरदार पटेल आहत थे। संविधान निर्माण के दौरान एक बड़ा सवाल था, क्या सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू की जाए या धर्म आधारित व्यक्तिगत कानून (पर्सनल लॉ) को मान्यता दी जाए? मुस्लिम पर्सनल लॉ मुख्यतः विवाह, तलाक, विरासत, आदि मामलों में शरीयत के सिद्धांतों पर आधारित था। सरदार पटेल और कई अन्य नेताओं का मानना था कि भारत धर्मनिरपेक्ष राज्य बनते हुए भी एक समान नागरिक कानून की ओर बढ़े, ताकि सामाजिक एकता बनी रहे। वहीं, पंडित नेहरू और मौलाना अबुल कलाम आजाद मुस्लिम पर्सनल लॉ को बनाए रखने के पक्ष में थे। संविधान सभा में जब अनुच्छेद 35 (अब अनुच्छेद 44) समान नागरिक संहिता पर चर्चा हो रही थी, तब कई सदस्य, जिनमें केएम मुंशी और डॉ. अंबेडकर भी शामिल थे, वे भी इसके समर्थन में बोले लेकिन मुस्लिम सदस्य और नेहरू गुट सहमत नहीं थे। सरदार पटेल को लगा कि ये रियायतें देकर हम फिर से धर्म आधारित भेदभाव को स्थायी कर देंगे। जब नेहरू ने मुस्लिम पर्सनल लॉ को संविधान में बनाए रखने का समर्थन किया, तो पटेल ने कड़ा विरोध किया और कहा, अगर आप धर्म के आधार पर अलग कानून बनाए रखेंगे, तो हम उसी पुराने रास्ते पर लौटेंगे, जिसने देश को बांटा था। कथित रूप से उन्होंने नेहरू से कहा था कि अगर आप यह रुख नहीं बदलते, तो मैं मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दूंगा। अनेक इतिहासकारों का मानना है कि नेहरू ने पटेल की उपेक्षा की और उनके योगदान को कम आंका।

सरदार पटेल की कर्तव्यपरायणता और दृढ़ता को उनके जीवन की एक घटना से समझा जा सकता है। सरदार वल्लभभाई पटेल एक वकील थे और उन्होंने कई महत्वपूर्ण मुकदमों की पैरवी की थी। जब उनकी पत्नी झावेरबा की मृत्यु हुई, तब वे एक महत्वपूर्ण मुकदमे की पैरवी कर रहे थे। एक पर्ची दे कर उन्हें उनकी पत्नी की मृत्यु का समाचार दिया गया। सूचना मिलने पर भी उन्होंने मुकदमे की पैरवी जारी रखी और कहा कि मुकदमा पूरा होने दीजिए, मैं बाद में शोक मनाऊंगा। यह घटना उनके मजबूत इरादों और कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाती है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन की तुलना में अपने पेशेवर कर्तव्यों को प्राथमिकता दी। उनके उनके मजबूत इरादों, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व क्षमता के कारण ही सरदार वल्लभभाई पटेल को लौह पुरुष कहा जाता है, जिसका अर्थ है लोहे का आदमी। उनकी दृढ़ता और नेतृत्व क्षमता के कारण ही उन्हें लौह पुरुष कहा जाता है, जो उनकी मजबूत और अडिग व्यक्तित्व को दर्शाता है। भारत सरकार द्वारा उनके व्यक्तित्व की इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के रूप में भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की विशालकाय प्रतिमा का निर्माण किया गया, जो गुजरात के नर्मदा जिले में स्थित है। इसका उद्घाटन उनके जन्म दिन पर 31 अक्टूबर 2018 में किया गया था, जिसकी ऊंचाई 182 मीटर (597 फीट) है, यह विश्व का सबसे ऊंचा स्टैच्यू है, जिसकी ऊंचाई 182 मीटर (597 फीट) है। यह स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से लगभग 4 गुना ऊंचा है और चीन के स्प्रिंग टैम्पल बुद्ध से 23 मीटर अधिक ऊंचा है। जिसमें सरदार के व्यक्तित्व के अनुरूप बड़ी मात्रा में लोहे और कांसे का प्रयोग किया गया है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के समय जब भारत एक खंडित देश था, जिसके साथ 562 देसी रियासतें अस्तित्व में थीं, जिनके पास यह विकल्प था कि वे भारत या पाकिस्तान में मिलें या स्वतंत्र रहें। ऐसे कठिन समय में सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी दृढ़ता, बुद्धिमत्ता और देशभक्ति से इन रियासतों को एक सूत्र में बांधकर भारत को एक अखंड राष्ट्र बनाया। भारत की एकता और राष्ट्र निर्माण का शिल्पकार जिसे पूरा देश श्रद्धा और सम्मान के साथ लौह पुरुष और सरदार के रूप में जानता है। बाह्य और भीतरी विरोधों के बावजूद राष्ट्रहित की राह पर निरंतर अटल इरादों के साथ आगे बढ़ते रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रतीक हैं, क्योंकि भारत एक विशाल और विविध संस्कृतियों वाला देश है, जहां अनेक धर्म, जाति, तथा समुदाय के लोग निवास करते है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अखंड भारत के राजनीतिक मानचित्र को एकता के सूत्र में पिरो कर रखा इसलिए उनका नाम भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में आज भी अंकित है। वे अग्रणी भूमिका निभाने वाले एक महान क्रांतिकारी नेता थे। उनके अनगिनत प्रयासों, संघर्षों और बलिदानों ने देश को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल की अखंड भारत के निर्माण में निभाई गई भूमिका को मैनचेस्टर गार्डियंस ने कहा की सरदार पटेल न सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम के संगठक थे, बल्कि संग्राम खत्म होने के बाद वे एक नए राष्ट्र निर्माण के वास्तुकार भी थे। सरदार पटेल द्वारा राष्ट्रीय एकता के लिए देश हित में लिए गए निर्णय तथा देशी रियासतों का एकीकरण कर न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एकता की मिसाल कायम की जो की उनकी दृढ़ता, सतत प्रयास और कुशलता की मिसाल मानी जाती है। उनके महान कार्यों के प्रति कृतज्ञता स्वरूप हमारे देश में, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर हर साल 31 अक्टूबर को भारत में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के एक छोटे से गाँव में हुआ था। वे एक किसान परिवार से थे लेकिन अपनी कड़ी मेहनत और लगन से उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की। कानून में उनकी रुचि ने उन्हें ब्रिटिश कानूनों को समझने और देश की सेवा करने का अवसर दिया। वल्लभभाई पटेल को बारडोली सत्याग्रह (1927) के दौरान उनके प्रभावशाली नेतृत्व से अभिभूत होकर जनता द्वारा सरदार की उपाधि दी गई।

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्र भारत के पहले उप–प्रधानमंत्री और गृह मंत्री थे। राष्ट्र निर्माण में उनकी सबसे महत्वपूर्ण और सबसे बड़ी उपलब्धि भारतीय राज्यों का एकीकरण था। स्वतंत्रता के समय, देश में लगभग 565 छोटी–बड़ी स्वतंत्र भारतीय रियासतें थीं। उन्हें भारत या पाकिस्तान में शामिल होने या स्वतंत्र रहने का विकल्प दिया गया था। लेकिन यह स्थिति भारत की अखंडता और अस्तित्व के लिए एक बड़ा खतरा थी। सरदार पटेल ने वीपी मेनन के साथ मिलकर असाधारण राजनीतिक चतुराई, दूरदर्शिता और रणनीति का प्रदर्शन किया और देसी शासकों को यह विश्वास दिलाया कि भारत में विलय उनके और उनकी जनता के हितों के लिए आवश्यक है। उन्होंने अधिकांश रियासतों को बातचीत और शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से मुआहिद–उल–हक पर हस्ताक्षर करने के लिए राजी कर लिया। जूनागढ़ हैदराबाद और जम्मू–कश्मीर जैसे राज्यों में जहां भी प्रतिरोध हुआ, उन्होंने कड़े कदम उठाने में कोई संकोच नहीं किया। सरदार पटेल को लौह पुरुष की उपाधि इसलिए दी गई क्योंकि उनके नेतृत्व और दृढ़ संकल्प ने भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जूनागढ़ के नवाब ने पाकिस्तान में शामिल होने का फैसला किया था, लेकिन सरदार पटेल ने स्थानीय लोगों की भावनाओं और सैन्य कार्रवाई के जरिए जूनागढ़ को भारत में शामिल कर लिया। हैदराबाद के निजाम ने स्वायत्तता की इच्छा व्यक्त की, लेकिन सरदार पटेल ने ऑपरेशन पोलो के जरिए इसे भारत का हिस्सा बना लिया। हालांकि कश्मीर का मुद्दा जटिल था, फिर भी सरदार पटेल ने इसे भारत का हिस्सा बनाने में अहम भूमिका निभाई। देश में एकता के लिए संघर्ष 1947 में जब देश आजाद हुआ तो शरणार्थी संकट और सांप्रदायिक दंगों के दौरान गृह मंत्री के रूप में सरदार पटेल ने कानून–व्यवस्था बहाल करने, शरणार्थियों की सहायता और उनके पुनर्वास के लिए ठोस और व्यावहारिक कदम उठाए।

सरदार वल्लभभाई पटेल आपातकालीन परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट प्रशासनिक कौशल का प्रदर्शन किया और देश को दंगों से सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास किया। अखिल भारतीय सेवाओं का गठन उनकी ही सोच का प्रतिफल है। देश के प्रथम उप–प्रधानमंत्री सरदार पटेल सिविल सेवाओं (आईएएस, आईपीएस, आईएफएस) को देश का इस्पाती ढांचा कहते थे। उन्होंने देश के लिए एक सुदृढ़ और निष्पक्ष अखिल भारतीय सिविल सेवाओं के पुनर्गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्र भारत की प्रशासनिक व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए यह कदम आवश्यक था। सिविल सेवाओं का उद्देश्य संघीय व्यवस्था के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एकता और संवाद सुनिश्चित करना था। देश के संविधान निर्माण में भी सरदार पटेल की अभूतपूर्व भूमिका थी। सरदार पटेल संविधान सभा के एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली सदस्य थे। उन्हें कई महत्वपूर्ण समितियों विशेषकर मौलिक अधिकारों, बौद्धिक अधिकारों और प्रांतीय संविधानों से संबंधित समुदायों से संबंधित समितियों का अध्यक्ष भी बनाया गया था। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि संविधान एक मजबूत केंद्रीय सरकार के साथ–साथ अल्पसंख्यक समूहों के अधिकारों की भी रक्षा करे। सरदार पटेल की सबसे बड़ी विरासत एक अखंड और एकीकृत भारत गणराज्य का निर्माण है। जिसे उन्होंने अपने राजनीतिक यथार्थवाद अटूट दृढ़ संकल्प और अद्वितीय संगठनात्मक क्षमता से संभव बनाया।

सरदार वल्लभभाई पटेल के संवैधानिक योगदान भी उल्लेखनीय हैं। संविधान के ये तीन अनुच्छेद सरदार पटेल की पहल का परिणाम हैं, जिन्हें युवा पीढ़ी को जानना चाहिए। 1– धर्म के प्रचार और विकास का अधिकार, 2– भाषा, लिपि और संस्कृति के संरक्षण का अधिकार और 3– शिक्षण संस्थान स्थापित करने और चलाने का अधिकार। संविधान में इन अधिकारों के शामिल होने का श्रेय सरदार पटेल को जाता है। संविधान सभा में खासकर गैर–हिंदुओं को धर्म प्रचार करने के अधिकार को लेकर, समिति के सदस्यों के बीच तीखी बहस हुई थी। ईसाई और मुसलमान इस बात पर अड़े रहे कि धर्म प्रचार उनके धर्म का एक महत्वपूर्ण अंग है। लेकिन हिंदू इस अधिकार के सख्त विरोधी थे। इसका परिणाम यह हुआ कि सरदार पटेल ने कड़े विरोध के बावजूद संविधान के अनुच्छेद 25 में प्रचार शब्द जोड़ने के लिए अपनी प्रतिष्ठा और प्रभाव दांव पर लगा दिया। संविधान सभा ने अनुच्छेद 29 और 30 भी उन्हीं की बदौलत पारित किए।

सरदार पटेल एक यथार्थवादी महान नेता थे, जिनकी विचारधारा एक सशक्त, अखंड और समृद्ध भारत का स्वप्न थी। वे महात्मा गांधीजी के सिद्धांतों से प्रेरित थे इसके बावजूद उनकी अपनी अनूठी सोच और विचार भी थे। उनका मानना था कि स्वतंत्रता के बाद भारत को एक सशक्त नेतृत्व और स्पष्ट दिशा की आवश्यकता है। सरदार पटेल का योगदान आज भी भारत की राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उनकी स्मृति में गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया गया जो दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। यह प्रतिमा न केवल उनकी महानता को दर्शाती है, बल्कि भारत की एकता का भी प्रतीक है। सरदार पटेल का जीवन प्रत्येक भारतीय के लिए एक आदर्श है। उन्होंने आर्थिक विकास सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी। पटेल का प्रसिद्ध कथन है। प्रत्येक भारतीय का यह कर्तव्य है कि वह यह न भूले कि उसकी मातृभूमि भारत है चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या समुदाय का हो। आज उनकी जयंती पर पूरा देश लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को सादर नमन करता है।

(लेखक गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय उपनिदेशक रहे। वर्तमान में वैश्विक हिंदी सम्मेलन के संस्थापक एवं निदेशक हैं)

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ

आपको कामकाज के मोर्चे पर धक्का लग सकता है, क्योंकि आपकी सेहत आपके साथ नहीं है और इसके चलते आपको कोई ज़रूरी काम अधर में ही छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात में धैर्य और होशियारी से काम लें। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की जरूरत है, जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालांकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा।धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ। यह बात याद रखें कि धन मिल सकता है लेकिन रिश्ते नहीं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। घर पर कोशिश करें कि किसी को आपसे आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता मज़बूत होगा। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। जीवनसाथी के साथ हँसते-खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता-पिता का चैन छीन सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक़्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। बेवजह का शक रिश्ते को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। शाम का वक़्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरूरत है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन में खटास खड़ा कर रहा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आपको ख़ुश रखने के लिए आपके बच्चे जो कुछ बन पड़ेगा, वह करेंगे। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी ज़रूरी दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। माता के साथ आज आप अच्छा समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। कोई आपको दिल से सराहेगा। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से चीज़ें काफ़ी अच्छी रहेंगी। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दोस्त आपके काम नहीं आते यह शिकायत आज आपको हो सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 अक्टूबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 10:05 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 06:51 तक
योग : गण्ड प्रातः 06:15 तक
करण : कौलव प्रातः 10:05 तक
चन्द्रराशि : मकर प्रातः 06:48 तक
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : अक्षय–आंवला नवमी , युगादि तिथि ,
पंचक प्रातः 06:48 से , कार्तिक मासे दीपदान विशेष:

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए बने प्रकोष्ठ : भजनलाल

जयपुर,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकास के साथ-साथ विरासत का संरक्षण के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार आस्था धामों और पर्यटक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, प्राचीन धरोहर और धार्मिक पर्यटक स्थलों के विकास और पुनर्विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए विशेष प्रकोष्ठ के गठन के लिए निर्देशित भी किया।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, पूंछरी का लौठा और तनोट माता मंदिर के विकास और पुनर्विकास कार्यों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जीवन से परिचित कराने तथा उनके शौर्य की गाथा जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित कर रही है। इस सर्किट में महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों जैसे, चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर, उदयपुर आदि को सम्मिलित किया गया है, जिसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चावंड में महाराणा प्रताप के समाधि स्थल को सुनियोजित रूप से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यहां प्रवेश द्वार और ब्रिज के कार्यों के संबंध में विशेष निर्देश प्रदान करते हुए पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप के स्वामीभक्त घोड़े चेतक के ऐतिहासिक एवं विशाल स्मारक की रूपरेखा के संबंध में विशेष दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

शर्मा ने अधिकारियों को जैसलमेर स्थित तनोट माता मन्दिर में पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए यहां श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर के प्रवेश द्वार और धर्मशाला के साथ ही संपर्क सड़कों के निर्माण के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा और गोवर्धन परिक्रमा के प्रगतिरत विकास कार्यों के संबंध में अधिकारियों को निविदा प्रक्रिया में गति लाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न चरणों में विकसित होने वाले इस पावन धाम पर श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान की जाएं।

दिया कुमारी से मिली एलिसाबेट फाउर

जयपुर,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी से संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) की कंट्री डायरेक्टर एलिसाबेट फाउर एवं उनकी टीम ने गुरूवार को सचिवालय में मुलाकात कर, राजस्थान में बाल पोषण और महिला सशक्तिकरण को मज़बूत करने के उपायों पर चर्चा की। बैठक में राजस्थान सरकार की महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं जैसे-लाडो प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में राज्य सरकार की ओर से दी जा रही अतिरिक्त राशि, न्यूट्री किट योजना आदि की जानकारी दी गई। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि यह बहुत ही प्रसन्न और उत्साहित होने का विषय है कि संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों को सहयोग देने से लेकर हमारे बच्चों को बेहतर पोषण और शिक्षा प्रदान करने तक में नई संभावनाएँ खुल सकती हैं। हम सब मिलकर एक स्वस्थ और सशक्त राजस्थान की ओर लगातार कदम बढ़ा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का कंट्री डायरेक्टर सुश्री एलिसाबेट फाउर ने महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा अब तक दिए गए सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने इसके साथ ही महिलाओं एवं बच्चों के पोषण तथा बच्चों की प्री-स्कूल शिक्षा के लिए भारत सरकार और राजस्थान सरकार के द्वारा किये जा रहे नवाचारों की सराहना भी की।महिला एवं बाल विकास, शासन सचिव महेंद्र सोनी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (भारत) की ओर से जयपुर की पांच परियोजनाओं में पूरक पोषाहार सप्लाई में तकनीकी सहयोग किया जा रहा है। राजस्थान में प्री स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में भी काफ़ी नवाचार किए जा रहे हैं। साथ ही इस राज्य सरकार द्वारा दिए गए 275 करोड़ के अतिरिक्त बजट तथा CSR पार्टनर के साथ भी आंगनवाड़ी केंद्रों के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार का काम बड़े स्तर पर हाथ में लिया गया है।

कल से सरस का दूध होगा महंगा

चित्तौड़गढ़,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ प्रतापगढ़ दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड ने एक नवंबर से दूध की दरो मे वृद्धि का फैसला लिया है। एक नवंबर से उपभोक्ताओं को सरस का दूध एक रूपये से लेकर पांच रुपए प्रति लीटर महंगा मिलेगा। संघ ने स्टैण्डर्ड मिल्क व चाय साथी की दरो मे कोई बढ़ोतरी नाही करने का भी निर्णय लिया है। मिली जानकारी के अनुसार एक नवंबर शाम से फुल क्रीम मिल्क (गोल्ड) आधा व एक लीटर पैकिंग 66 ₹ प्रति लीटर तथा छह लीटर की पैकिंग 65 ₹ प्रति लीटर मिलेगी। इसी तरह डबल टोंड (स्मार्ट) दूध 200 मिली. पैकिंग 45 ₹ प्रति लीटर, आधा व एक लीटर पैकिंग 42 ₹ प्रति लीटर तथा छह लीटर की पैकिंग 41 ₹ प्रति लीटर, टोंड (ताज़ा) दूध 250 मिली की पैकिंग 56 ₹ प्रति लीटर, आधा व एक लीटर पैकिंग 54 ₹ प्रति लीटर तथा छह लीटर की पैकिंग 53 ₹ प्रति लीटर तथा स्कीम मिल्क छह लीटर वाली पैकिंग अब 37 के स्थान पर 38 ₹ प्रति लीटर मिलेगा। संघ ने स्टैण्डर्ड मिल्क व चाय साथी की दरो मे कोई बढ़ोतरी नही करने का भी निर्णय लिया है। सरस दूध की बढ़ी हुई दरे एक नवंबर शाम से प्रभावी रहेगी।

राजस्थान में आवासन मंडल अब रीसाइक्लिड प्लास्टिक से बनाएगा सड़कें, चेयरमैन ने दिए निर्देश

जयपुर,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं मंडल अध्यक्ष देबाशीष पृष्टी की अध्यक्षता में गुरुवार को राजस्थान आवासन मंडल की 252वीं बोर्ड बैठक मंडल मुख्यालय में आयोजित हुई। बैठक में मंडल अध्यक्ष द्वारा बुधवार नीलामी व प्रीमियम संपत्तियों की नीलामी को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया को आमजन का भरोसा बताया गया। उन्होंने शहरी सेवा शिविर दौरान आयोजित शिविरों में मण्डल द्वारा किए गए कार्यों पर भी संतोष व्यक्त किया। अध्यक्ष ने मिशन मोड में भूमि चिन्हांकन कर नई आवासीय योजनाएं शुरू करने और ड्रोन सर्वे के निर्देश भी दिए। आवासन अध्यक्ष ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को बेहतर और त्वरित बनाने के लिए बोर्ड की अपनी खुद की NBL प्रमाणित लैब बनाने के निर्देश भी दिये।

अध्यक्ष पृष्टि ने कहा कि राज्य सरकार की रीसायकल, रिड्यूस और रियूज की भावना के अनुरूप मण्डल सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों के अनुसार रीसाइकल्ड प्लास्टिक का उपयोग करे, साथ ही नवीन आवास और भवन निर्माण में भी ग्रीन बिल्डिंग पद्धति का उपयोग किया जाए। बैठक में विभिन्न आवासीय योजनाओं के विकास कार्यों तथा सिटी पार्क जयपुर के विकास कार्यों के लिए प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई।

सरदार150 राष्ट्रीय एकता समारोह के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आज

जयपुर,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि सरदार150 राष्ट्रीय एकता समारोह, खेलो इंडिया एवं धरती आबा अभियान के तहत प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी सम्बंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों में आमजन की अधिकाधिक सहभागिता को सुनिश्चित किया जाए। पंत ने गुरुवार को शासन सचिवालय में इन आयोजनों की आवश्यक तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रत्येक जिले में सरदार150 राष्ट्रीय एकता समारोह के तहत आयोजित किए जाने वाले एकता मार्च, पदयात्रा, विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं अन्य गतिविधियों में पर्याप्त जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में 10-25 किलोमीटर पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा एवं पदयात्रा के मार्गों पर सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि भी अर्पित की जाएगी।

प्रदेश में आगामी 24 नवंबर से आयोजित होने वाले खेलो इंडिया गेम्स के सफल आयोजन के संबंध में उन्होंने निर्देश दिए कि प्रतिभागी खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने से लेकर अन्य सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप संपादित करने के लिए संबंधित विभाग आपस में समन्वय से कार्य करें। साथ ही, इस अवसर पर राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन एवं सार्वजनिक स्थानों पर प्रदेश के गौरवशाली सांस्कृतिक परिदृश्यों का प्रदर्शन भी किया जाए।

भाजपा सरकार की नाकामी ने जनता की सांसों पर संकट खड़ा किया : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने राज्य में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण और खराब होती हवा की गुणवत्ता पर गहरी चिंता व्यक्त की है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों और कुप्रबंधन ने हरियाणा को 'प्रदूषण के धुंधलके' में धकेल दिया है। सरकार के पास न कोई ठोस नीति है, न कोई तात्कालिक कार्ययोजना। नतीजा यह है कि लोग ज़हर भरी हवा में साँस लेने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि जब राजधानी दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए विशेष योजनाएं, वायु गुणवत्ता नियंत्रण दल और नियमित निगरानी की जा रही है, तब हरियाणा सरकार सिर्फ़ बयानबाज़ी और लीपापोती में व्यस्त है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राज्य के कई शहर 'खराब से ख़तरनाक' श्रेणी में पहुँच चुके हैं। यह स्थिति जनस्वास्थ्य के लिए भयानक है। अस्पतालों में सांस, एलर्जी, अस्थमा और आंखों के संक्रमण के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

ज्यादा से ज्यादा फसलों में सीधी बुआई की संभावनाओं को तलाशें : श्याम सिंह राणा

चंडीगढ़,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा फसलों में सीधी बुआई की सम्भावनाओं को तलाशें ताकि सिंचाई के लिए पानी और जुताई पर आने वाले खर्च को बचाया जा सके, इससे किसान की फसल को तैयार करने के लिए आने वाली लागत में भी कमी आएगी। राणा अपने कार्यालय में कृषि, बागवानी, हरियाणा राज्य भंडारण निगम लिमिटेड तथा हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड से संबंधित बजट -घोषणाओं तथा सरकार के संकल्प -पत्र के वायदों की समीक्षा-बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। कृषि मंत्री ने मेरा पानी मेरी विरासत योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि पानी की उपलब्धता सीमित है, इसलिए किसानों को कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की तरफ प्रोत्साहित करना चाहिए।

उन्होंने पंचकूला जिला के पहाड़ी क्षेत्र मोरनी के किसानों के लिए विशेष कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए ताकि छोटे - छोटे ढलान वाले खेतों में किसान अपनी अच्छी फसल ले सकें। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा में कहीं बालू रेत के टिब्बे हैं, कहीं पहाड़ी क्षेत्र तो कहीं समतल जमीन है। किसी खास क्षेत्र को देखते हुए उस क्षेत्र के किसानों के लिए भी योजना में तबदीली करने की संभावनाओं पर विचार करें, बशर्ते किसान को अधिक से अधिक लाभ होना चाहिए। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने वर्तमान राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने योजनाओं को महिला-उन्मुखी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं को बिना ब्याज एक लाख रुपये तक का ऋण देने की योजना पर तेजी से अमल करने के निर्देश दिए। उन्होंने हरियाणा राज्य भंडारण निगम लिमिटेड के अधिकारियों से बजट में की गई घोषणाओं के अनुसार राज्य के विभिन्न जिलों में गोदाम बनाने के स्टेटस की जानकारी ली और इस दिशा में कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जलभराव के क्षेत्रों में लवणीय पानी से पलने वाले पेड़-पौधे लगाने की संभावनाओं का पता लगाने के भी निर्देश दिए।

गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास में सहभागी बने आमजन : सैनी

चंडीगढ़,30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि गायों की सुरक्षा के लिए गौ भक्तों को जन जागरण चलाना होगा। गौ सेवा सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे गायों को सड़कों पर न छोड़ें और गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में सहभागी बनें। गोबर व गौमूत्र से बने उत्पादों का उपयोग करें। उन्होंने श्री कृष्ण गौशाला, करनाल को अपने ऐच्छिक कोष से 21 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री गुरुवार को श्री कृष्ण गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने गौशाला में गायों की पूजा की, गायों को चारा खिलाया और यहां बने चिकित्सालय का दौरा कर गौवंश के लिए उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने गोपाष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि यह भारतीय सनातन जीवन का पवित्र दिन है जो हमें संस्कृति, भाईचारे और प्रेम भाव से जोड़ता है। यह केवल पर्व नहीं बल्कि करूणा, सेवा और कर्तव्य बोध का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गौ माता का जहां सामाजिक और आध्यात्मिक महत्त्व है वहीं इसका संबंध गोधन से भी रहा है। प्राचीन समय में जिसके पास जितनी अधिक गायें होती थीं उसे उतना ही अधिक समृद्ध माना जाता था। पौराणिक कथाओं के अनुसार देवी-देवताओं और असुरों के बीच हुए समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों में एक कामधेनु गाय थी। एक कथा अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने गौ-गोपियों के लिए जब गोवर्धन पर्वत धारण किया तब आठवें दिन इंद्र देवता भगवान श्रीकृष्ण की शरण में आए। उन्होंने कामधेनु श्रीकृष्ण का अभिषेक किया और उनका नाम गोविंद रखा। तभी से अष्टमी को गोपाष्टमी के रूप में मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गाय को आध्यात्मिक और दिव्य गुणों का स्वामी भी कहा जाता है। गाय को माता का दर्जा दिया गया है। उसका दूध अमृत के समान माना जाता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध से यह साबित हुआ है देसी गाय का दूध कई रोगों में काफी फायदेमंद है। यह मां के दूध के समान गुणकारी माना जाता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने गौशालाओं के विकास, गौवंश के संरक्षण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। 11 साल पहले गौ सेवा आयोग को मात्र 2 करोड़ की ग्रांट दी जाती थी, लेकिन भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद इसमें लगातार वृद्धि की। गायों के संरक्षण व उनके संवर्धन के लिए सरकार ने बजट 600 करोड़ कर दिया है। उन्होंने ने बताया कि प्रदेश में 2014 में 215 पंजीकृत गौशालाओं में 1.75 लाख गौवंश था लेकिन आज 686 गौशालाओं में 4 लाख से अधिक गौवंश है। गौशालाओं के लिए 800 ई-रिक्शा खरीदने की प्रक्रिया जारी है। गौशालाओं को 2 रुपये प्रति यूनिट बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। गौशालाओं के लिए जमीन की रजिस्ट्री करवाने की स्टांप ड्यूटी खत्म कर दी गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि गायों की जांच के लिए जिन गौशालाओं में 3 हजार से अधिक गौवंश हैं वहां सप्ताह में एक दिन पशु चिकित्सक और इससे कम संख्या वाली गौशालाओं में वीएलडीए की ड्यूटी लगाई गई है। इतना ही नहीं मोबाइल पशु चिकित्सालय की सेवाएं भी गौशालाओं के लिए उपलब्ध कराई गई है। बेसहारा गौवंश के लिए प्रदेश में दो गौ अभयारण्य बनाए गए हैं। गौशालाओं में शेड बनाने के लिए प्रति गौशाला 10 लाख का अनुदान देने का निर्णय पहले ही लिया जा चुका है। 51 गौशालाओं में शेड बनाए जा चुके हैं, बाकी में काम जारी है।

उन्होंने बताया कि 605 गौशालाओं के लिए 88 करोड़ 50 लाख रुपये चारे के लिए अनुदान के रूप में दिए गए हैं। पंजीकृत गौशालाओं को 11 सालों में 388 करोड़ 60 लाख का अनुदान चारे के लिए दिया गया है। देसी नस्ल की गायों के संवर्धन व संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन लागू किया है। उन्होंने कहा कि सरकार गायों की नस्ल सुधारने और गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयास कर रही है। गाय के गोबर और गोमूत्र से प्राकृतिक फिनाइल, जैविक खाद, गोबर के बर्तन, दीया, साबुन, उपले गमला, धूप, गौ अर्क जैसे उत्पाद बनाए जा रहे हैं। पंचगव्य उत्पादन के लिए गौशालाओं को मांग अनुसार जरूरी मशीनरी की खरीद के लिए मदद दी जा रही है। प्रदेश की 101 गौशालाओं को 6 करोड़ 50 लाख रुपये की अनुदान राशि पहुंचाई गई है।

गोपाष्टमी पर मुख्यमंत्री आवास पहुंचे गन्ना किसान

गन्ना मूल्य बढ़ाने पर किया सीएम योगी का अभिनंदन

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य बढ़ोतरी के ऐतिहासिक निर्णय से उत्साहित प्रदेश के गन्ना किसानों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिवादन किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने गन्ना किसानों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद पहली बार खेती और किसानों का हित सरकारों के एजेंडे में आया है। जिस मिट्टी में फसल पैदा होती है, उसके सेहत ही सुधि किसी को नहीं थी परंतु मोदी जी ने सॉयल हेल्थ कार्ड की व्यवस्था की। पीएम किसान सम्मान निधि ने रोजमर्रा के काम के लिए साहूकारों के जाल से किसानों को मुक्ति दिलाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के पहले दिन ही हमने 86 लाख किसानों की कर्जमाफी का वादा पूरा किया। बीते साढ़े 08 वर्षों में 23 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचित की गई है। तब भी मेहनत किसान की, फसल किसान की, लेकिन मुनाफा बिचौलियों को मिलता था। हमने इस व्यवस्था को बदला और आज जिसका खेत, उसी से खरीद करते हुए सीधा उसके बैंक अकाउंट में पैसा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता किसानों का अपमान करके कोई देश या राज्य कभी उन्नति नहीं कर सकता। चौधरी चरण सिंह कहते थे कि देश की खुशहाली का रास्ता किसानों के खेत से होकर जाता है, लेकिन पूर्व की सरकारों ने किसानों की उपेक्षा की और नतीजा उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य हो गया। प्रदेश को बीमारू बनाने के पीछे सत्ता के लोगों की बीमार मानसिकता थी। उन्हें अपने परिवार की चिंता थी। पहले की सरकारों में चीनी मिल बंद हो रही थीं, बिक रहीं थीं। हमने यह रोका। आज 08 वर्ष बाद 4 नई चीनी मिलें स्थापित हुईं। 6 बंद मिलें पुनः शुरू हुईं और 42 मिलों में क्षमता विस्तार हुआ। 8 नई बड़ी मिलों के बराबर उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई और 2 मिलों में सीबीजी संयंत्र स्थापित किया गया। 122 चीनी मिलें चल रही हैं और इनमें 105-106 ऐसी हैं, जो एक सप्ताह में गन्ना खरीद का भुगतान कर रही हैं। यही नहीं, अब तो हम शुगर कॉम्प्लेक्स बनाने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना क्षेत्र में नया निवेश आ रहा है। गन्ना अब सीजनल नहीं रहा, वर्षपर्यंत का कार्यक्रम है। कहीं सीबीजी, कहीं डिस्टिलरी, कहीं कोजन प्लांट सब कुछ आगे बढ़ रहा है। सम्मान तो सरकार का नहीं, अन्नदाता किसान का होना चाहिए, जिन्होंने यूपी को चीनी, गन्ना व एथेनाल उत्पादन में देश में नम्बर एक कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2007 से 2017 तक मात्र 1,47,346 करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य भुगतान हो सका था। 2017 से अब तक साढ़े 08 वर्ष में 2,90,225 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान हुआ। पिछली सरकारों के 10 वर्षों की तुलना में हमारी सरकार में 1,42,879 करोड़ रुपए अधिक भुगतान हुआ। सीएम ने कहा कि ढाई करोड़ लोग गन्ना सेक्टर से जुड़े हुये हैं। सरकार सबका ध्यान रखेगी। अन्नदाता किसान सहयोग करें, सरकार सब सुविधा उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट गन्ना किसान प्रणाली से गन्ना पर्ची व्यवस्था पूरी तरह ऑनलाइन हुई और बिचौलियों का राज खत्म किया गया। अब किसी को सिफारिश की जरूरत नहीं है।

इसी तरह और तकनीकी नवाचार भी किये जायेंगे। अकेले चीनी मिलों के माध्यम से 10 लाख परिवारों को आजीविका मिली है। सरकार ने खांडसारी को भी प्रोत्साहित किया है। जहां जरूरत होगी, सीबीजी प्लांट लगेगा। चीनी मिल लगेगी, एथेनाल प्लांट लगेगा। सब होगा।

इस मौके पर गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि लगभग आठ वर्ष पहले गन्ना किसानों के बीच दो शब्द बहुत प्रचलित थे गन्ना माफिया और घटतौली। साढ़े आठ वर्ष के बाद ये दोनों शब्द आज उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों के जीवन से पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं।

तब ऐसे लोग निर्णय लेते थे, जिनका गन्ने से कोई लेना-देना नहीं था, आज तो एक प्रगतिशील किसान ही मुख्यमंत्री हैं। उत्तर प्रदेश में अब तक किसी भी सरकार ने अपने कार्यकाल में गन्ना मूल्य में 80 रुपए तक की वृद्धि नहीं की थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का यह निर्णय दूरदर्शी और किसान हितैषी है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि योगी जी के नेतृत्व से पहले प्रदेश में गन्ना किसानों का एक ही काम रह गया था, आंदोलन करना। कारण भी स्पष्ट था, उनका भुगतान वर्षों तक लंबित रहता था। आज स्थिति पूरी तरह बदल गई है।

अब एक सप्ताह के भीतर भुगतान हो रहा है। किसानों को उत्तम गुणवत्ता का खाद, बीज और सिंचाई सुविधा मिल रही है। इसी का परिणाम है कि गन्ना क्षेत्रफल 20 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 29 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया है। गन्ना किसानों को उन्नत तकनीक उपलब्ध कराने की दिशा में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का लाभ शीघ्र ही प्रदेश के किसानों तक पहुंचेगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

स्कूल-कॉलेज के परिसरों में मेला-प्रदर्शनी पूरी तरह बैन

शिक्षा परिसर सिर्फ शिक्षा के लिए हैं : हाईकोर्ट

प्रयागराज, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि उत्तर प्रदेश के स्कूल-कॉलेजों को किसी भी व्यापार के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। ये जगहें सिर्फ शिक्षा देने के लिए हैं, न कि बिजनेस करने के लिए। हाईकोर्ट ने पूरे राज्य में स्कूल-कॉलेज के अंदर किसी भी तरह के व्यापारिक आयोजन जैसे मेला, प्रदर्शनी, ट्रेड फेयर या सामान बेचने पर पूरी तरह बैन लगा दिया।

हाईकोर्ट में दाखिल एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाया। याचिका में हमीरपुर जिले के राठ में ब्रह्मानंद डिग्री कॉलेज के मैदान में इस साल एक व्यापारिक मेला लगाने को चुनौती दी गई थी। मामला चीफ जस्टिस अरुण भंसाली और जस्टिस क्षितिज शैलेंद्र की बेंच ने सुना। हाईकोर्ट ने साफ-साफ कहा कि स्कूल-कॉलेज की जमीन, इमारतें और खेल के मैदान सिर्फ पढ़ाई या उससे जुड़ी गतिविधियों के लिए हैं। शिक्षा संस्थान सिर्फ शिक्षा देने के लिए हैं। इनकी जमीन-इमारतों पर कोई व्यापारिक काम नहीं हो सकता, चाहे वो प्रदर्शनी हो, मेला हो या सामान बेचना हो। न्यायाधीशों ने कहा कि स्कूल-कॉलेज की सुविधाएं सिर्फ पढ़ाई, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम या स्कूल खुद आयोजित करे, तभी इस्तेमाल की जा सकेंगी।

ब्रह्मानंद डिग्री कॉलेज में जनवरी से मार्च 2025 तक स्वामी ब्रह्मानंद मेला महोत्सव नाम का व्यापारिक मेला लगा था। मेला कॉलेज के प्रिंसिपल की इजाजत से लगा था, जो पहले के हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन था। प्रिंसिपल की ओर से कहा गया कि मेला मार्च 2025 में खत्म हो चुका है, इसलिए याचिका बेकार हो गई। लेकिन हाईकोर्ट ने यह दलील ठुकरा दी। हाईकोर्ट ने कहा, ये पूरे राज्य के शिक्षा संस्थानों से जुड़ा बड़ा मुद्दा है। हाईकोर्ट ने राठ के एसडीएम से पूछा कि मेला की इजाजत कैसे दी? एसडीएम ने कहा कि उसे हाईकोर्ट के पुराने आदेश की जानकारी नहीं थी।

हाईकोर्ट ने बताया कि 2020 में भी एक जज ने साफ कहा था कि स्कूल-कॉलेज की सम्पत्ति निजी या व्यापारिक काम के लिए नहीं दी जा सकती। वो आदेश चीफ सेक्रेटरी और शिक्षा सचिव को भेजा गया था। सभी डीएम को कहा गया था कि शादी-ब्याह या व्यापारिक आयोजन स्कूल में नहीं होंगे।

लखनऊ में शीघ्र तैयार होगा नौसेना शौर्य संग्रहालय

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में राजधानी लखनऊ में प्रस्तावित नौसेना शौर्य संग्रहालय की प्रस्तुति का अवलोकन करते हुए इसके शीघ्र निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की अदम्य शौर्यगाथाओं और हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की सामुद्रिक क्षमता का जीवंत प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समुद्र भारत की सभ्यता का मंथन स्थल रहा है, और भारतीय नौसेना उस गौरवशाली परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। लखनऊ का यह संग्रहालय उसी परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

नौसेना की वीरता और क्षमता का प्रतीक बनेगी परियोजना

बैठक में बताया गया कि संग्रहालय का स्वरूप एक जहाज के अमूर्त रूप में होगा। जहाज की रेलिंग, पोर्थोल जैसी खिड़कियां, नौसैनिक वास्तुकला और समुद्री प्रतीकों के साथ इसे विशिष्ट पहचान दी जाने की योजना है। परिसर में इंटरप्रिटेशन सेंटर, सेंट्रल डेक, ओपन एयर मेमोरियल, थीमैटिक वॉकवे, प्रदर्शनी गैलरी, फाउंटेन और लाइट-एंड-साउंड एरिना शामिल होंगे। डिज़ाइन को ऊर्जा-संवेदनशील रखा गया है, जिसमें प्राकृतिक रौशनी, वेंटिलेशन और हरित निर्माण तकनीक का उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय को केवल देखने योग्य नहीं बल्कि अनुभव का केंद्र बनाया जाए, जहां दर्शक इतिहास को महसूस कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि डिस्प्ले में डिजिटल, इंटरएक्टिव और इमर्सिव तकनीकों का प्रयोग हो, ताकि लोग नौसेना के अभियान, युद्ध और तकनीकी प्रगति को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि नौसेना संग्रहालय में छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

प्रस्तुति में बताया गया कि परियोजना दो प्रमुख हिस्सों में विकसित हो रही है। पहली, आईएनएस गोमती शौर्य स्मारक और दूसरी-नौसेना शौर्य वाटिका। बताया गया कि आईएनएस गोमती (एफ-21) गोदावरी श्रेणी का स्वदेशी मिसाइल फ्रिगेट है जिसने 34 वर्षों तक भारतीय नौसेना में सेवा दी और ऑपरेशन कैक्टस, ऑपरेशन पराक्रम जैसे अभियानों में भाग लिया। इसे संरक्षित कर संग्रहालय परिसर में प्रदर्शित किया जाएगा ताकि नागरिक और युवा उसकी बहादुरी की कहानी को प्रत्यक्ष देख सकें।

मुख्यमंत्री ने नौसेना शौर्य वाटिका को परियोजना का विशेष आकर्षण बताते हुए इसके शीघ्र पूर्ण होने के निर्देश दिए। इस वाटिका में टीयू-142 विमान, जो 29 वर्षों तक नौसेना की समुद्री निगरानी और आपदा राहत अभियानों में सक्रिय रहा, स्थापित किया जा रहा है। साथ ही सी किंग एसके-42बी हेलीकॉप्टर की प्रदर्शनी भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वाटिका युवाओं को आधुनिक नौसैनिक अभियानों और प्रौद्योगिकी से जोड़ने वाला सजीव अनुभव स्थल बनेगी। बैठक में बताया गया कि संग्रहालय परिसर में 7डी थिएटर, एयरक्राफ्ट कैरियर लैंडिंग सिम्युलेटर, वॉरशिप सिम्युलेटर, सबमर्ज्ड द्वारका मॉडल, डिजिटल वाटर स्क्रीन शो, मरीन लाइफ एक्वेरियम तथा ड्रेस लाइक योर हीरोज़' जैसी सहभागितापरक गतिविधियां होंगी। इसके अतिरिक्त नौसेना के वीरता पुरस्कारों, ऐतिहासिक अभियानों और स्वदेशी रक्षा नवाचारों से जुड़ी इंटरएक्टिव गैलरियां भी विकसित की जाएंगी। परियोजना की निगरानी हेतु महानिदेशक पर्यटन की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है, जिसमें मेरिटाइम हेरिटेज सोसाइटी, यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन और नौसेना विशेषज्ञ सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश में समुद्री गौरव की वह चेतना पुनः जाग्रत होगी जो कभी भारत के तटीय व्यापार और हिंद महासागर की सांस्कृतिक कड़ी रही है। उन्होंने कहा, लखनऊ का यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की वीरता का ही नहीं, बल्कि भारत की समुद्री आत्मा का भी प्रतीक बनेगा। यह उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक नई, गौरवपूर्ण पहचान देगा।

फिल्म निर्माता अमित जानी को मिली धमकी

संभल फाइल्स पर काम जारी रखा तो बम से उड़ा देंगे

संभल, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहुचर्चित फिल्म उदयपुर फाइल्स के निर्माता अमित जानी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और धमकी देने वाले का पता लगा रही है। अमित जानी ने संभल पुलिस और गृह मंत्रालय को भी इसकी जानकारी दी है। फिल्म संभल फाइल्स पर फिलहाल वे काम कर रहे हैं। फिल्म निर्माता अमित जानी को धमकी देनेवाले ने अपना नाम मोहम्मद शब्बीर बताया है। उसने कहा है कि फिल्म संभल फाइल्स की शूटिंग के दौरान जानी को उनकी कार समेत बम से उड़ा देगा। उदयपुर फाइल्स बनाने वाले अमित जानी ने संभल फाइल्स बनाने की घोषणा की है। इसके लिए उन्होंने हाल के वर्षों में हुए दंगे और हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की। संभल के ऐतिहासिक स्थलों और इमारतों पर जाकर रिसर्च की है। सोमवार 27 अक्टूबर को वे रामपुर से जब संभल लौट रहे थे, उस वक्त उन्हें धमकी भरा कॉल आया था। कॉल करने वाले ने धमकी दी कि यदि फिल्म संभल फाइल्स पर काम जारी रखा, तो बम से उड़ा दिया जाएगा। धमकी देने वाले ने खुद को कश्मीरी बताया। संभल के एसपी कृष्ण कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि जिस नंबर से अमित जानी को कॉल आया है, उसे ट्रेस किया जा रहा है। पुलिस ने अमित जानी की सुरक्षा कड़ी कर दी है। पुलिस इस मामले की हर पहलू को खंगाल रही है।

शौर्य और स्वाभिमान का प्रेरणास्थल होगा छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में आगरा में बन रहे छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारत के स्वाभिमान, सांस्कृतिक वैभव और वीरता का प्रेरणास्थल बनेगा। मुख्यमंत्री ने अब तक की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए शेष कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि भवन का निर्माण कार्य जनवरी तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए, ताकि संग्रहालय का स्वरूप देने का काम तय समय पर पूरा हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संग्रहालय केवल इतिहास का स्थिर प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव होना चाहिए, जहां आगंतुक भारत की गौरवगाथा को महसूस कर सकें। उन्होंने निर्देश दिया कि संग्रहालय की प्रत्येक गैलरी को ऐसी थीमैटिक और इंटरएक्टिव प्रस्तुति दी जाए, जिससे आगंतुक केवल दर्शक न रहकर सहभागी बनें। मुख्यमंत्री ने शिवाजी एवं द ग्रेट एस्केप गैलरी के संबंध में निर्देश दिए कि इसमें आगरा किले से छत्रपति शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक मुक्ति की घटना को 7डी तकनीक, डिजिटल साउंड, लाइट और विजुअल इफेक्ट्स के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए ताकि आगंतुक उस क्षण की वीरता और रणनीति को सजीव रूप में अनुभव कर सकें। उन्होंने कहा कि यह अनुभाग शिवाजी महाराज के स्वराज्य संकल्प का प्रतीक बने।

मुख्यमंत्री ने अग्रदूतों की गैलरी में प्रथम स्वाधीनता संग्राम 1857 के अमर सेनानियों से जुड़ी वस्तुओं, स्मृतियों और दस्तावेजों को सुरक्षित प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यह गैलरी उन अग्रदूतों की गाथा कहे जिन्होंने स्वतंत्रता की नींव रखी। यहां झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहेब, तात्या टोपे और अनेक वीरों की स्मृतियां आधुनिक तकनीक के साथ प्रदर्शित हों। मुख्यमंत्री ने त्यौहारों की गैलरी के संबंध में कहा कि इसमें काशी की महाशिवरात्रि और देव दीपावली, ब्रज का श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और रंगोत्सव, तथा प्रयागराज का महाकुंभ जैसे उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्वों का जीवंत चित्रण हो। उन्होंने निर्देश दिया कि यहां केवल तस्वीरें न लगाई जाएं, बल्कि प्रत्येक पर्व को इंटरएक्टिव अनुभव के रूप में प्रस्तुत किया जाए, जहां प्रकाश, ध्वनि, संगीत और रंगों के माध्यम से आगंतुक उत्सव का अनुभव कर सकें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नदियों की गैलरी में गंगा, यमुना, सरयू और घाघरा जैसी नदियों से जुड़ी आस्था, संस्कृति और लोकजीवन का सजीव चित्रण हो। साथ ही देवासुर संग्राम जैसे अनुभाग के माध्यम से सृष्टि, धर्म और मानव मूल्यों की भारतीय व्याख्या को भी दर्शाया जाए। उन्होंने कहा कि संग्रहालय परिसर में स्थापित सभी कलाकृतियां, मूर्तियां और स्थापत्य तत्व उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतिनिधित्व करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय की प्रत्येक दीवार, आंगन और कलाकृति बोलती हुई कहानी बने, जिसमें लोककला, पारंपरिक शिल्प और आधुनिक कला का समन्वय झलके।

नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचना होगा और आसान

जल्द होगा जेवर एयरपोर्ट का शुभारंभ मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी की तैयारी

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोएडा के जेवर में बना नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्द ही शुरू होने जा रहा है। एयरपोर्ट को दिल्ली-एनसीआर, आगरा, अलीगढ़, मथुरा, मेरठ और हरियाणा जैसे क्षेत्रों से जोड़ने के लिए बहु-माध्यमीय परिवहन व्यवस्था तैयार की जा रही है। इसका मकसद यात्रियों, पर्यटकों और उद्योगों को एयरपोर्ट तक पहुंचने का तेज, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल साधन देना है। एयरपोर्ट सीधे यमुना एक्सप्रेस-वे से जुड़ा है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे (बल्लभगढ़ लिंक) बनने से हरियाणा और पश्चिम भारत की दिशा से भी सुगमता बढ़ी है।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से एयरपोर्ट को जोड़ने का काम तेज़ी से चल रहा है, जिससे गाजियाबाद, मेरठ, पलवल और सोनीपत से भी सीधा रास्ता मिलेगा। वहीं, औद्योगिक और मालवाहक ट्रैफिक के लिए उत्तर और पूर्व एक्सेस रोड लगभग बनकर तैयार हैं। जबकि, सेक्टर-28 की 60 मीटर चौड़ी सेवा सड़क को भी यमुना एक्सप्रेस-वे से जोड़ा गया है, ताकि स्थानीय यातायात सुचारू रहे। दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट तक रीजनल रैपिड रेल परियोजना का डीपीआर राज्य सरकार ने मंज़ूर कर दिया है। रेल मंत्रालय भी एयरपोर्ट को चोला-रुंधी रेल लाइन से जोड़ने की तैयारी कर रहा है।

एयरपोर्ट को आसपास के शहरों और मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने के लिए परिवहन निगम के साथ समझौता किया गया है। उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के साथ भी अंतरराज्यीय बस सेवा की सहमति बन चुकी है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण मिलकर 500 इलेक्ट्रिक बसें चलाएंगे, जो यात्रियों को एयरपोर्ट तक पर्यावरण-अनुकूल यात्रा सुविधा देंगी। एयरपोर्ट पर महिंद्रा लॉजिस्टिक्स द्वारा एनआईए ब्रांडेड कैब सेवा शुरू की जा रही है। यह सेवा यात्रियों को समय पर, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव देगी। उबर, रैपिडो और मेक माई ट्रिप जैसी कंपनियां ऑन-डिमांड कैब सेवा देंगी।

लियोनेल मेसी एमएलएस में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी, सोन ह्युंग-मिन दूसरे स्थान पर

लॉस एंजिल्स,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इंटर मियामी के आठ बार के बैलन डी'ओर विजेता लियोनेल मेसी अब भी मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के सबसे अधिक वेतन पाने वाले फुटबॉलर बने हुए हैं। लॉस एंजिलिस एफसी (एलएएफसी) के नए स्टार सोन ह्युंग-मिन दूसरे स्थान पर हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी ताज़ा वेतन सूची में सामने आई।

मेसी को इंटर मियामी से सालाना 20.4 मिलियन डॉलर (लगभग 170 करोड़ रुपये) की गारंटीशुदा राशि मिलती है, जो बाकी खिलाड़ियों से काफी अधिक है। इस राशि में उनके स्पॉन्सरशिप और अन्य करारों से होने वाली आमदनी शामिल नहीं है।

2023 के मध्य में मियामी से जुड़ने वाले अर्जेंटीनी स्टार का मौजूदा अनुबंध दिसंबर में समाप्त होगा, जिसके बाद वे अगले साल से तीन साल के नए करार की शुरुआत करेंगे। इस विस्तार के वित्तीय विवरण अभी सामने नहीं आए हैं।

38 वर्षीय मेसी को हाल ही में रेगुलर सीज़न का टॉप स्कोरर घोषित किया गया, जहां उन्होंने 28 मैचों में 29 गोल दागे। वे इस बार भी मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर पुरस्कार के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण कोरिया के सोन ह्युंग-मिन को एलएएफसी से सालाना 11.1 मिलियन डॉलर का वेतन मिलता है। टोटनहम हॉटस्पर के पूर्व कप्तान सोन इस साल अगस्त में एमएलएस इतिहास के सबसे महंगे ट्रांसफर (26 मिलियन डॉलर) के तहत अमेरिका पहुंचे थे। उन्होंने अब तक 10 मैचों में 9 गोल करते हुए अपनी टीम को प्लेऑफ़ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। तीसरे स्थान पर इंटर मियामी के ही स्पेनिश मिडफील्डर सर्जियो बुस्केट्स (8.7 मिलियन डॉलर) हैं, जो इस सीज़न के अंत में संन्यास लेंगे। वहीं, पराग्वे के मिगेल अल्मिरोन (7.8 मिलियन डॉलर) चौथे और मेक्सिको के हिर्विंग चक्की लोज़ानो (7.6 मिलियन डॉलर) पांचवें स्थान पर हैं। दोनों ने इस सीज़न क्रमशः अटलांटा यूनाइटेड और सैन डिएगो एफसी के साथ करार किए हैं।

न्यूज ब्रीफ

कनाडियन स्क्वैश ओपन के सेमीफाइनल में हारीं अनाहत सिंह, जीना कैनेडी ने दी मात

टोरंटो। भारतीय स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह का शानदार सफर कनाडियन ओपन 2025 में सेमीफाइनल में आकर थम गया। 17 वर्षीय अनाहत को इंग्लैंड की नंबर 1 खिलाड़ी जीना कैनेडी ने सीधे सेटों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। यह मुकाबला मात्र 30 मिनट तक चला। टूर्नामेंट में अनाहत ने इससे पहले दो बड़े उलटफेर किए थे — उन्होंने विश्व नंबर 20 मेलिसा एल्व्स और पिछली चैंपियन टिन्नी गिलिस को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। जीना कैनेडी ने मैच के बाद अनाहत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, अनाहत ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया। मैंने अपने कोच से कहा कि वह एक स्वाभाविक स्क्वैश खिलाड़ी हैं। उनके शॉट्स की दिशा बदलने की शैली बहुत अनोखी है, जिसे सिखाया नहीं जा सकता। शायद वह पूरे हफ्ते के खेल से थोड़ी थकी हुई थीं, जो स्वाभाविक है। फाइनल में जीना कैनेडी का मुकाबला मिस्र की अमीना ऑरफी से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में अमांडा सोभी (अमेरिका) को पराजित किया। कैनेडी ने कहा, मेरा और अमीना का सामना हुए एक साल से ज्यादा हो गया है। वह हाल में बेहतरीन फॉर्म में हैं और मैं उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित हूं।

युवा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की गेंद लगने से मौत

मेलबर्न। अभ्यास सत्र के दौरान गेंद लगने से एक उभरते हुए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक, 17 वर्षीय बेन ऑस्टिन मंगलवार को मेलबर्न में अपनी टीम के टी20 मैच से पहले नेट प्रैक्टिस कर रहे थे। वे हेलमेट पहनकर ऑटोमेटिक बॉलिंग मशीन का सामना कर रहे थे, जब गेंद उनके सिर और गर्दन के हिस्से पर जा लगी। ऑस्टिन को तुरंत गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बुधवार को उनकी मौत हो गई। उनके क्लब फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने एक बयान में कहा, हम बेन के निधन से पूरी तरह टूट गए हैं। उनकी मृत्यु का असर हमारे पूरे क्रिकेट समुदाय पर गहराई से महसूस किया जाएगा। बेन ऑस्टिन को क्लब ने एक स्टार क्रिकेटर, बेहतरीन लीडर और अद्भुत इंसान बताया था। वे बतौर बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों भूमिकाओं में प्रतिभाशाली माने जाते थे। क्रिकेट में ऐसी घटनाएं दुर्लभ हैं।

पेरिस मास्टर्सः ज़्वेरेव तीसरे दौर में, वाशेरो ने आर्थर रिंदरनेक को फिर हराया

पेरिस। मौजूदा चैंपियन अलेक्ज़ेंडर ज़्वेरेव ने पेरिस मास्टर्स में कठिन शुरुआत के बावजूद बुधवार को

तीसरे दौर में जगह बना ली। जर्मन स्टार ने अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कराबेली को 6-7 (5-7), 6-1, 7-5 से मात दी। पहला सेट टाई-ब्रेक में गंवाने के बाद ज़्वेरेव ने दूसरा सेट सिर्फ़ 35 मिनट में अपने नाम किया। निर्णायक सेट में जब वह 1-3 से पिछड़ गए थे, तब ऐसा लग रहा था कि दुनिया के नंबर एक कार्लोस अल्कराज की तरह एक और शीर्ष वरीय खिलाड़ी बाहर हो जाएगा। लेकिन ज़्वेरेव ने शानदार वापसी करते हुए 5-5 पर निर्णायक ब्रेक हासिल किया और जीत पक्की की। अब ज़्वेरेव तीसरे दौर में स्पेन के 15वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना या फ्रांस के आर्थर काज़ो से भिड़ेंगे। दिन के पहले मुकाबले में नॉर्वे के आठवीं वरीय कैस्पर रूड को जर्मनी के डैनियल आल्टमायर ने 6-3, 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। रूस के पूर्व नंबर एक दानिल मेदवेदेव को बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव के कंधे की चोट के चलते वॉकओवर मिला और वे सीधे तीसरे दौर में पहुँच गए। विंबलडन में जैनिक सिनर के खिलाफ दो सेट की बढ़त के बाद रिटायर होने के बाद से दिमित्रोव की यह वापसी रही, लेकिन उनकी फिटनेस फिर जवाब दे गई। दिन की शुरुआत दो कज़िन खिलाड़ियों मोनाको के वैलेंटिन वाशेरो और फ्रांस के आर्थर रिंदरनेक के बीच मुकाबले से हुई। शंघाई मास्टर्स फाइनल की तरह ही इस बार भी वाशेरो ने तीन सेटों में जीत दर्ज की। कनाडा के नौंवी वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने भी रोमांचक जीत हासिल की। उन्होंने फ्रांस के एलेक्ज़ांद्र मुलर को 5-7, 7-6 (7-5), 7-6 (7-4) से हराते हुए एटीपी फ़ाइनल्स की दौड़ में अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं।

दक्षिण अफ्रीका पहली बार महिला वनडे विश्व कप फाइनल में, इंग्लैंड को 125 रन से हराकर रचा इतिहास

गुवाहाटी,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में बुधवार को खेले गए महिला वनडे विश्व कप 2025 के पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 125 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस तरह पहली बार दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है।

कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट की ऐतिहासिक शतकीय पारी

मैच में टॉस इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने 169 रन की पारी खेली, जो उनका वनडे करियर का 10वां शतक और विश्व कप का पहला शतक है। वोल्वार्ड्ट ने ताजमिन ब्रित्स (45) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। हालांकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने 4 विकेट (10 ओवर में 44 रन) लेकर कुछ हद तक वापसी कराई, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 319 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

मारिजैन कैप की घातक गेंदबाजी, इंग्लैंड की पारी ध्वस्त

320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 01 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। मारिजैन कैप ने अपने पहले ओवर में ही एमी जोन्स और हीथर नाइट को पवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर में अयाबांगा खाका ने टैमी ब्यूमोंट को आउट कर इंग्लैंड की हालत और खराब कर दी।

कप्तान नताली सिवर-ब्रंट (64) और ऐलिस कैप्सी (50) ने चौथे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को कुछ राहत दी, लेकिन इसके बाद टीम संभल नहीं सकी। कैप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने 7 ओवर के स्पेल में सिर्फ 20 रन देकर 5 विकेट झटके। इंग्लैंड की पूरी टीम 42.3 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। हिसाब चुकता, इतिहास रचा दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ इंग्लैंड से पुराने सभी हिसाब बराबर कर लिए। पिछले दो विश्व कप (2017 और 2022) के सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को बाहर किया था। यहां तक कि मौजूदा टूर्नामेंट के लीग मैच में भी दक्षिण अफ्रीका 69 रन पर सिमट गया था। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, मारिजैन कैप की गेंदबाजी ने इस मैच को ऐतिहासिक बना दिया।

सिद्धू ने ऋषभ की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे फीनिक्स पक्षी के समान बताया

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी इच्छा शक्ति और जुनून गजब का है। ऋषभ अभी दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ बेंगलुरु में जारी चार दिवसीय मुकाबले में भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं। सिद्धू ने कहा कि किसी ने कल्पना तक नहीं की थी कि इतने भीषण कार हादसे के बाद ऋषभ दोबारा चल पायेंगे पर वह आज खेल रहे हैं। उन्होंने इस विकेटकीपर बल्लेबाज की तुलना पक्षी फीनिक्स से की है! ऋषभ इंग्लैंड दौरे में लगी चोट से उबरकर अभी भारत ए की कप्तानी कर रहे है। इंग्लैंड दौरे में ही मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक यॉर्कर पर लगने से उनके पैर की उंगली में फ्रैक्चर हो गया था। इसी कारण वह एशिया कप, के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गये थे। सिद्धू ने कहा, ऋषभ फीनिक्स पक्षी के समान हैं जो राख से उठ खड़ा होता है। उनकी निडरता को देखिए, उनकी असाधारण उपलब्धियों को देखिए जिसे उन्होंने हासिल किया है। जिस तरह से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में बल्लेबाजी की थी, जिस तरह उन्होंने इंग्लैंड में हमें मैच जितवाए, वो शानदार है। मैं अब तक जितने भी क्रिकेटर देखें हैं उनमें से वह सबसे अच्छे क्रिकेटरों में एक है। जब मैं उन्हें देखता हूं तो आनंद आता है। इस क्रिकेटरों ने सभी को सिखाया है कि जिंदगी में मुश्किलों से कैसे निकल सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका ए के साथ मैच में भारत ए की कप्तानी करते हुए ऋषभ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

श्रेयस अय्यर ने चोट पर दी अपडेट, कहा- मैं हर दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं

नई दिल्ली,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने गुरुवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी चोट को लेकर अपडेट साझा किया। उन्होंने बताया कि वे फिलहाल रिकवरी प्रक्रिया में हैं और हर दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। श्रेयस ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं फिलहाल रिकवरी प्रक्रिया में हूं और हर गुजरते दिन के साथ बेहतर हो रहा हूं। मुझे मिली सभी शुभकामनाओं और सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आपका धन्यवाद कि आपने मुझे अपनी दुआओं में रखा।

सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान श्रेयस को डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश में पसलियों में चोट लग गई थी। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया था, जहां आंतरिक रक्तस्राव के कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती करना पड़ा। बाद में जांच में प्लीहा में चोट की पुष्टि हुई। हालांकि, सोमवार को उनकी हालत स्थिर होने के बाद उन्हें आईसीयू से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया।

इससे पहले, टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को श्रेयस की स्थिति पर जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, जब मुझे उनकी चोट के बारे में पता चला, तो मैंने हमारे फिजियो कमलेश जैन से बात की। अब श्रेयस फोन पर जवाब दे रहे हैं, इसका मतलब है कि वे स्थिर हैं।

सूर्यकुमार ने आगे कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि ऐसे मामले बहुत कम होते हैं लेकिन दुर्लभ चीजें दुर्लभ प्रतिभाओं के साथ ही होती हैं। भगवान की कृपा से सब कुछ अब ठीक है। सीरीज खत्म होने के बाद हम उन्हें घर ले जाएंगे।

यूएफा की सुपर लीग अपील खारिज, रियल मैड्रिड मांगेगा हर्जाना

मैड्रिड। यूरोपियन फुटबॉल में एक बड़ी कानूनी लड़ाई के बीच स्पेन की राजधानी मैड्रिड की अदालत ने बुधवार को द यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन (यूएफा) की सुपर लीग से जुड़ी अपील को खारिज कर दिया। इसके बाद रियल मैड्रिड क्लब ने यूएफा से बड़े पैमाने पर मुआवजे की मांग करने की घोषणा की है। दरअसल, साल 2021 में यूरोप के 12 शीर्ष क्लबों — जिनमें रियल मैड्रिड और बार्सिलोना शामिल थे — ने मिलकर सुपर लीग बनाने की योजना पेश की थी। हालांकि इंग्लिश क्लबों के प्रशंसकों के तीव्र विरोध और यूएफा व फीफा की धमकियों के कारण यह परियोजना कुछ ही दिनों में ध्वस्त हो गई। दिसंबर 2023 में यूरोपीय न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि सुपर लीग पर लगाया गया प्रतिबंध यूरोपीय कानून के खिलाफ है। इसके बाद एक स्पेनिश जज ने भी कहा था कि यूएफा और फीफा ने सुपर लीग का विरोध करके मुक्त प्रतिस्पर्धा को बाधित किया और अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग किया। अब मैड्रिड की अदालत ने यूएफा के साथ-साथ ला लीगा और स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन द्वारा दायर की गई अपीलों को भी खारिज कर दिया है। हालांकि अदालत के फैसले का दायरा सीमित माना जा रहा है क्योंकि संबंधित नियम इस बीच पूरी तरह से बदल दिए गए हैं।

अभिषेक नायर बने कोलकाता नाइट राइडर्स के नए मुख्य कोच

नई दिल्ली,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) फ्रेंचाइजी ने पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। नायर ने चंद्रकांत पंडित की जगह ली है, जिन्होंने तीन सीजन तक टीम की कमान संभाली थी, जिनमें 2024 का खिताबी सीजन भी शामिल है। केकेआर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। पंडित और फ्रेंचाइजी के बीच इस साल की शुरुआत में रास्ते अलग हो गए थे, जिसके बाद केकेआर ने नए कोच की तलाश शुरू की थी। नायर की नियुक्ति के साथ फ्रेंचाइजी ने एक बार फिर भारतीय कोच पर भरोसा जताने की परंपरा को आगे बढ़ाया है। 42 वर्षीय नायर को खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन दोनों के बीच आधुनिक और प्रगतिशील कोचिंग तरीकों के लिए खासा सम्मान प्राप्त है। वे पिछले पांच वर्षों से केकेआर के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा रहे हैं। हालांकि 2025 सीजन में भारतीय टीम के साथ जुड़ाव के कारण उनकी भूमिका सीमित रही थी। नायर भारतीय टीम के साथ एक साल तक सहायक कोच के रूप में भी काम कर चुके हैं। फ्रेंचाइजी उनके खिलाड़ी-केंद्रित और समग्र दृष्टिकोण वाले कोचिंग स्टाइल की सराहना करती है। नायर ने कई भारतीय खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से काम किया है और उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। उनके मार्गदर्शन में केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी

बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं। खासकर रोहित शर्मा ने सार्वजनिक तौर पर कई बार नायर के सहयोग की सराहना की है और कहा है कि उनके सत्रों से उन्हें काफी मदद मिली। नायर अब केकेआर के मौजूदा कोचिंग समूह के अन्य सदस्यों के साथ काम करेंगे, जिनमें टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। वहीं, पूर्व गेंदबाज़ी कोच भरत अरुण ने हाल ही में फ्रेंचाइजी छोड़ी है।

पीकेएल सीजन 12 का खिताबी फैसला आज , दबंग दिल्ली के.सी. के सामने होगी पुनेरी पलटन

नई दिल्ली,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 का ग्रैंड फिनाले शुक्रवार को दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दबंग दिल्ली के.सी. और पुनेरी पलटन आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला न सिर्फ खिताब का फैसला करेगा, बल्कि पूरे सीजन की सबसे स्थिर और अनुशासित टीमों के बीच अंतिम जंग भी होगी।

दबंग दिल्ली, जिसने सीजन 8 में खिताब जीता था, इस बार भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंची है। क्वालिफायर-1 में दिल्ली ने पुनेरी पलटन को रोमांचक 6-4 टाईब्रेकर में हराया था, जब निर्धारित समय में स्कोर 34-34 से बराबर रहा। कप्तान आशु मलिक की अगुवाई में और कोच जोगिंदर नरवाल की रणनीति के तहत टीम ने हर मुश्किल परिस्थिति में संघर्ष और संयम दिखाया है।

वहीं पुनेरी पलटन ने क्वालिफायर-2 में तेलुगू टाइटंस को हराकर लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। कप्तान अस्लम इनामदार और कोच अजय ठाकुर के नेतृत्व में पलटन ने इस सीजन में सबसे संतुलित टीम के रूप में पहचान बनाई है। उनकी मजबूत रक्षा और युवा रेडर्स की जोड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में विपक्षी टीमों को मुश्किल में डाला।

दिल्ली और पुणे के बीच इस सीजन तीन बार भिड़ंत हो चुकी है, और सभी तीनों मुकाबले टाई पर खत्म हुए हैं — जो इस बात का सबूत है कि दोनों टीमें एक-दूसरे की बराबरी की हैं। दिल्ली जहां आशु मलिक की तेज़ रेडिंग पर निर्भर रही है, वहीं पुणे की ताकत उनके अनुशासित डिफेंडरों और टीमवर्क में झलकती है।

घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा दिल्ली को जरूर मिलेगा। उनके अनुभवी खिलाड़ी जैसे फज़ल अत्राचली, सौरभ नंदल और आशु मलिक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। टीम का डिफेंस हर मैच के साथ मजबूत हुआ है और करीबी मुकाबलों में उनकी जीत दर्ज करने की क्षमता उन्हें खास बनाती है।

दूसरी ओर, पुनेरी पलटन पिछले सीजन की हार का बदला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। युवा रेडर आदित्य शिंदे और अस्लम इनामदार ने आक्रामक खेल दिखाया है, जबकि डिफेंस यूनिट ने सामूहिक प्रदर्शन से टीम को यहां तक पहुंचाया है। दबंग दिल्ली के कोच जोगिंदर नरवाल ने कहा, मैं अपनी टीम पर बेहद गर्व महसूस करता हूं। हमने साथ मिलकर यह सफर तय किया है। यह सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। खिलाड़ियों ने हर परिस्थिति में एकजुट रहकर लड़ा है, और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। वहीं पुनेरी पलटन के कोच अजय ठाकुर ने कहा, हमारी सफलता की नींव एकता और अनुशासन पर टिकी है। एक चैंपियन टीम एक दिन में नहीं बनती, इसमें समय, भरोसा और मेहनत लगती है। मुझे इस टीम पर गर्व है क्योंकि इन खिलाड़ियों का एक-दूसरे के प्रति सम्मान उनके खेल में झलकता है।

फाइनल मुकाबला एक बार फिर बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। दोनों टीमें रणनीति, संतुलन और आत्मविश्वास में बराबर हैं। अब देखना यह होगा कि निर्णायक क्षणों में कौन अपनी नसों पर काबू रखता है और पीकेएल सीजन 12 की ट्रॉफी अपने नाम करता है।

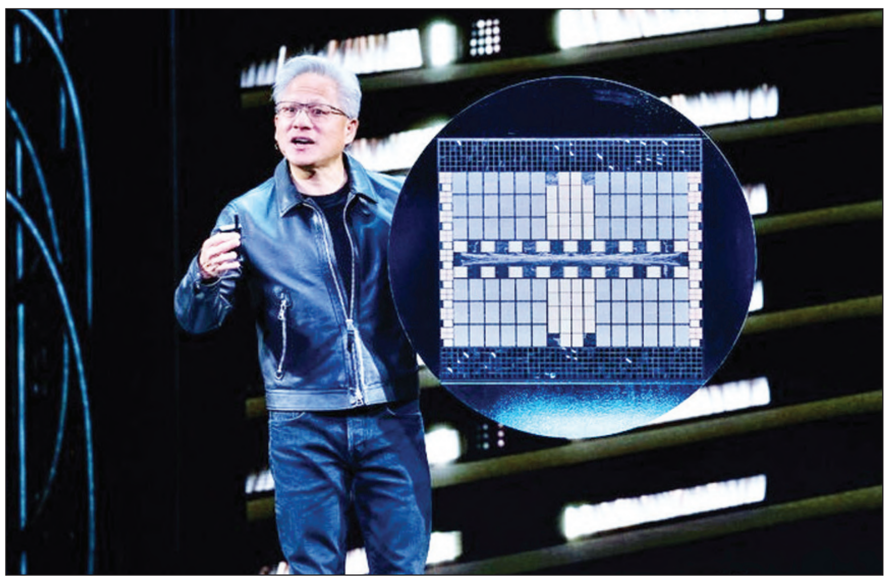

एआई चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया पांच ट्रिलियन डॉलर की हुई

वाशिंगटन,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ताइवान में जन्मे चर्चित अमेरिकी व्यवसायी जेन्सेन हुआंग की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया अब पांच ट्रिलियन डॉलर की हो गई है। सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली यह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में लगातार अपनी ताकत को मजबूत कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, दिग्गज कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सन हुआंग बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप से मिले तो उनकी कंपनी का मूल्य पांच ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया। इसकी कुछ साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। यह तब की बात है जब अन्य तकनीकी दिग्गज लगभग हर महाद्वीप पर निर्माण परियोजनाओं पर अरबों डॉलर खर्च कर रहे थे।

एनवीडिया की यह उपलब्धि इस कंपनी के रणनीतिक महत्व का भी संकेत है। इसने पिछले चार महीनों में बाजार मूल्य में एक ट्रिलियन डॉलर का इजाफा किया है। एनवीडिया अमेरिकी अर्थव्यवस्था की प्रेरक शक्ति बन गई। हार्वर्ड में आर्थिक नीति के प्रोफेसर जेसन फुरमैन के अनुसार, कंपनी के चिप्स से लैस डेटा केंद्रों पर खर्च ने वर्ष की पहली छमाही में देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का 92 प्रतिशत हिस्सा बनाया। इसके बिना अर्थव्यवस्था 0.1 प्रतिशत की ही वृद्धि दर्ज कर पाती।

एनवीडिया की शानदार वृद्धि वॉल स्ट्रीट के सबसे बड़े बैंकों से लेकर मेन स्ट्रीट के छोटे-मोटे व्यापारियों और निवेशकों के लिए एक चेतावनी भी लेकर आई है। शेयर बाजार उन तकनीकी कंपनियों के समूह पर तेजी से निर्भर होता जा रहा है जो अरबों रुपये का मुनाफा कमा रही हैं और एक ऐसी अप्रमाणित तकनीक विकसित करने में पैसा लगा रही हैं, जिससे भारी मुनाफा मिलना जरूरी है। उभरती हुई तकनीकी कंपनियों में निवेश करने वाली डीपवाटर एसेट मैनेजमेंट के मैनेजिंग पार्टनर जीन मुंस्टर ने कहा, वह इस तकनीक के भविष्य को लेकर बेतहाशा आशावादी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह कामयाब होगी एआई की उपयोगिता सीमित है। उल्लेखनीय है कि जेन्सेन हुआंग इस कंपनी के सह संस्थापक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। उन्होंने 1993 में इस कंपनी की स्थापना की। वह कंप्यूटर चिप्स विशेष रूप से ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट के निर्माण में अग्रणी रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का एक अत्यंत शक्तिशाली और बहुमुखी रूप है। इसके दूरगामी अनुप्रयोग हैं और जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों पर प्रभाव डालते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अदाणी एयरपोर्ट्स में एआईओएनओएस के साथ नई कृत्रिम मेधा सेवा की शुरुआत

नई दिल्ली। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज की इकाई एआईओएनओएस के साथ सहयोग किया है, ताकि हवाई अड्डों पर यात्रियों के अनुभव को और व्यक्तिगत बनाया जा सके। इस साझेदारी के तहत एएएचएल सात हवाई अड्डों पर 'इंटेलिजेंस कंसीयज' नामक एआई-संचालित सेवा लागू करेगा। यह प्रणाली चौबीसों घंटे यात्रियों को उड़ान जानकारी, गेट और सामान की स्थिति, दिशा-निर्देश और हवाई अड्डे की अन्य सुविधाओं के बारे में बहुभाषी जानकारी प्रदान करेगी। अंग्रेजी और हिंदी के अलावा अन्य भाषाओं में भी सेवाएं उपलब्ध होंगी। एएएचएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह नई एआई सेवा यात्रियों का अनुभव बदल देगी। इंटेलिजेंस कंसीयज यात्रियों को बहुभाषी और व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करेगा कंपनी जल्द ही नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन भी शुरू करने वाली है, जिससे यात्रियों को और सुविधाजनक और स्मार्ट सेवाएं मिल सकेंगी।

अगला बजट आने में तीन महीने, सरकार ने शुरू की तैयारियां, 50 लाख तक कमाई पर कम होगा इनकम टैक्स!

नई दिल्ली। अगला बजट पेश होने में बस तीन महीने शेष हैं। सरकार ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बीच उद्योग संगठन पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ने सरकार से गुहार लगाई है कि आम आदमी को इनकम टैक्स में और राहत दी जानी चाहिए। उद्योग संगठन ने कहा है कि सालाना 50 लाख रुपये तक कमाई करने वाले व्यक्तिगत करदाताओं को टैक्स की दरों में राहत दी जानी चाहिए। सरकार ने अगर उद्योग संगठन की बातों पर गौर किया तो सालाना 50 लाख रुपये तक की कमाई टैक्स फ्री हो सकती है। उद्योग संगठन ने अपील की है कि नए टैक्स रिजीम के तहत लगने वाले 30 फीसदी दर को बढ़ाकर 50 लाख से ऊपर की कमाई पर लागू किया जाए। अभी नए रिजीम में सालाना 24 लाख रुपये से ज्यादा कमाई वाले करदाता पर 30 फीसदी का स्लैब लगाया जाता है। उद्योग संगठन ने अपनी सिफारिश राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव को सौंप दी है। साथ ही अप्रत्यक्ष कर में भी कुछ बदलाव करने का सुझाव दिया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण अगले साल 1 फरवरी को बजट पेश करेंगी। इससे पहले पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ने व्यक्तिगत करदाताओं के साथ कॉरपोरेट टैक्स को भी 25 फीसदी से नीचे लाने की सिफारिश की है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने कहा है कि देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए इनकम टैक्स की धारा 115 बीएबी में बदलाव करना चाहिए और नई इकाइयों को टैक्स में राहत देना चाहिए। इन पर शुरुआती इनकम टैक्स 15 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इस पर सरचार्ज लगाया जा सकता है। सरकार ने यह टैक्स रेट सितंबर, 2019 में लागू किया था, जिसे बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 तक कर दिया था, लेकिन इस टैक्स रेट को आगे भी लागू रखना चाहिए। इससे विदेशी कंपनियों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए काफी प्रोत्साहन मिलेगा।

एलआईसी ने टाटा कंज्यूमर और डाबर में बढ़ाई हिस्सेदारी

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने देश की दो प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और डाबर इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा ली है। यह कदम उपभोक्ता वस्तुओं के तेजी से बढ़ते बाजार में एलआईसी की निवेश रणनीति को और मजबूत करता है। एलआईसी ने टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में अपनी हिस्सेदारी 6.633 फीसदी से बढ़ाकर 8.645 फीसदी कर दी है। कंपनी ने 11 जुलाई से 23 अक्टूबर 2025 के बीच लगभग 1.99 करोड़ शेयर खरीदे। वहीं डाबर इंडिया में हिस्सेदारी 4.918 फीसदी से बढ़ाकर 6.985 फीसदी की गई है, जिसके तहत एलआईसी ने 3.66 करोड़ से अधिक शेयर खरीदे। दोनों निवेश लगभग दो प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाते हैं। एफएमसीजी सेक्टर में निवेश बढ़ाने की रणनीति सरकार द्वारा पारंपरिक जीवन बीमा योजनाओं पर जीएसटी हटाने के बाद एलआईसी को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सोना अपना...

अपनी विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों तक पहुंच से रोक दिया। इस घटनाक्रम के बाद, यूरोप के करदाता संघ (टीएई) ने यूरोपीय देशों से अपने स्वर्ण भंडार वापस यूरोप लाने का आग्रह किया था। टीएई ने चिंता व्यक्त की थी कि ट्रंप सोने को देश से बाहर नहीं जाने देने का फैसला कर सकते हैं। इसने जर्मनी की संसद के नेताओं को सोने की जांच करने की अनुमति नहीं दिए जाने का उदाहरण दिया। टीएई ने एक बयान में कम से कम संपूर्ण सूची और ऑडिट करने का आह्वान किया था।इसमें वित्तीय पहलू भी शामिल हो सकते हैं। आरबीआई को आमतौर पर बैंक ऑफ इंग्लैंड या बीआईएस में अपना सोना जमा करने के लिए शुल्क देना पड़ता है। कुछ सोना वापस लाने से कम से कम कुछ लागत बच जाएगी। केंद्रीय बैंक 2010 से सोने के शुद्ध खरीदार रहे हैं। आरबीआई ने 2009 में तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 200 टन सोना खरीदा था। पिछले कुछ वर्षों में यह धीरे-धीरे अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि कर रहा है।यह भी रेखांकित करने की बात है कि वर्ष 2017 के बाद से अधिकांश देशों के सेंट्रल बैंकों ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर की हिस्सेदारी कम कर दी है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी करीब 15 प्रतिशत पहुंच गई है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका के पास सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) है। अमेरिका के पास कुल 8,133.5 टन सोना है जो उसके कुल विदेशी भंडार का 78.7 प्रतिशत है। उसके बाद जर्मनी के पास 3,350.3 टन सोना, इटली के पास 2,451.8 टन सोना, फ्रांस के पास 2437 टन सोना, रूस के पास 2,326.5 टन सोना, चीन के पास 2,302.3 टन सोना, स्विट्जरलैंड के पास 1,039.9 टन सोना, भारत के पास 880 टन सोना, जापान के पास 846 टन सोना और तुर्की के पास 639 टन सोने का भंडार है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मार्च 2025 से सितंबर 2025 के बीच 64 टन से ज्यादा सोना देश में वापस ला चुका है। पिछले साल केंद्रीय बैंक ने बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स से 200 टन से ज्यादा सोना स्वदेश भेजा था। मार्च 2023 से अब तक आरबीआई 274 टन सोना स्वदेश ला चुका है। केंद्रीय बैंक मार्च 2025 से सितंबर 2025 के बीच 64 टन से ज्यादा कीमती धातु भारत वापस ला चुका है। यह तब हुआ जब रिजर्व बैंक ने अक्टूबर 2024 में बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स से 102 टन सोना स्थानांतरित किया और मई में 100 टन और सोना स्वदेश भेजा। इस अभियान को 1990 के दशक के बाद से सबसे बड़े सोने के स्थानांतरणों में से एक बताया गया।विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन पर अपनी अर्धवार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2025 तक रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार 880 मीट्रिक टन है। सितंबर 2024 तक, स्वर्ण भंडार 854.73 मीट्रिक टन था। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक ने पिछले वर्ष की तुलना में अपना भंडार 25.45 मीट्रिक टन बढ़ाया है। इसमें से 575.8 मीट्रिक टन वर्तमान में भारत में है, जबकि 290.37 मीट्रिक टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) और स्विट्जरलैंड में बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के पास रखा गया है। मार्च में आरबीआई के पास भारत में 512 टन और बाकी 348.6 टन विदेश में था। आरबीआई के पास सोने के जमा के रूप में 13.99 मीट्रिक टन अतिरिक्त है। मार्च 2023 से, आरबीआई 274 टन सोना घर लाया है।कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी मार्च 2025 के 11.70 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर 2025 में लगभग 13.92 प्रतिशत हो जाएगी। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि इसका एक कारण सोने की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि भी है, जो हाल के हफ्तों में कम हुई है। 17 अक्टूबर को सोने ने सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ था, जब यह कीमती धातु 1,32,294 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,70,415 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। हालांकि, हाजिर सोने की कीमत, जिसके तहत यह कीमती धातु मौजूदा बाजार मूल्य पर बेची जाती है, सोमवार को 4,000 डॉलर (लगभग 3.53 लाख रुपए) के स्तर से नीचे गिर गई और फिर मंगलवार को फिर से गिरकर 3,986 डॉलर (लगभग 3.51 लाख रुपए) पर आ गई। इस घटनाक्रम ने कई लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या सोने में तेजी का दौर खत्म हो गया है। आरबीआई के पास लगभग 579.18 बिलियन डॉलर (लगभग 51.09 लाख करोड़ रुपए) की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भी हैं, जिनमें प्रतिभूतियों में निवेश में 489.54 बिलियन डॉलर (लगभग 43.15 लाख करोड़ रुपए), अन्य केंद्रीय बैंकों और बीआईएस के पास जमा 46.11 बिलियन डॉलर (लगभग 4.07 लाख करोड़ रुपए) और विदेशी वाणिज्यिक बैंकों के पास जमा 43.53 बिलियन डॉलर (लगभग 3.84 लाख करोड़ रुपए) शामिल हैं।

विदेशों में रखा सोना घर लाने का फैसला वित्त मंत्रालय, आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड और उसकी विदेशी मुद्रा भंडार प्रबंधन टीम द्वारा मिलकर लिया जाता है। इसके बाद बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) से कीमती धातु को भौतिक रूप से स्थानांतरित करके देश में वापस लाया जाता है। इस उद्देश्य के लिए, खास कर मुंबई और नागपुर स्थित अपने केंद्रीय भंडार सहित देश के विभिन्न राज्यों में सुरक्षित सुविधाएं रखता है। यह कार्य अत्यंत गोपनीयता से होता है। आरबीआई आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स फर्मों, बीमा एजेंसियों और भारतीय सुरक्षा बलों के साथ समन्वय करता है। सोने के बैंक ऑफ इंग्लैंड और बीआईएस से स्थानांतरित होने से लेकर भारत में तिजोरी में सुरक्षित होने तक, शिपमेंट पर नजर रखी जाती है। सोने की सुरक्षा भारतीय सुरक्षाकर्मी भी करते हैं। इस कदम से आरबीआई को अपने स्वर्ण भंडार पर अधिक नियंत्रण मिलता है और यह संदेश जाता है कि उसकी वित्तीय संप्रभुता सुरक्षित है। इसे चार्टर्ड या विशेष विमानों से स्वदेश लाया जाता है। आमतौर पर एहतियात के तौर पर यह काम खेपों में किया जाता है। अधिकांश विवरण अत्यंत गोपनीय रहते हैं। आरबीआई भारत वापस आने से पहले सोने की जांच, वजन और सील करता है। फिर शिपमेंट का सत्यापन किया जाता है और उसे तिजोरी में रखा जाता है। आरबीआई, विदेशी मुद्रा भंडार पर अपनी अर्धवार्षिक रिपोर्ट में, जनता को अपने सोने की स्थिति के बारे में अद्यतन करता है।

भ्रष्टाचार के...

पानी की तरह हो चुका है। बिहार में हर तरफ से खबरें आ रही हैं कि कैसे राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक-दूसरे से दुश्मनी निकाल रहे हैं। जमानत पर चल रहे दोनों युवराजों ने बुधवार को यह दिखाने की कोशिश की कि इनके बीच मनमुटाव नहीं है। इन्हें जो चीज एक साथ ले आई है, वह है सत्ता का लालच। इन्हें किसी भी तरह बिहार की सरकार पर कब्जा करना है। ताकि यह लोग फिर से बिहार को लूट सकें। फिर से जंगलराज वापस ला सकें।पीएम मोदी ने जनता से पूछा, आप बताइए क्या आप जमानत पर निकले इन दोनों युवराजों को बिहार लूटने देंगे? इस सवाल के साथ पीएम मोदी ने कहा, साथियो आज हर सर्वे में एक बात खुलकर सामने आ रही है कि इस चुनाव में राजद और कांग्रेस की सबसे बड़ी हार होने जा रही है। सारे सर्वे बता रहे हैं कि एनडीए की सबसे बड़ी जीत होने जा रही है। इसी चुनाव में विपक्ष को अब तक की सबसे कम सीटें मिलने जा रही है। एक नया इतिहास बिहार की जनता बनाने जा रही है। अपने घोषणा पत्र में यह लोग केवल झूठ बोल रहे हैं। यह लोग इतना फेंक रहे हैं कि इनके समर्थकों को इनकी बात पर यकीन नहीं हो रहा है। लोग सोशल मीडिया पर इनका मजाक बना रहे हैं।

सनातन संस्कृति...

अमित शाह ने राजद और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग नए कपड़े में नया जंगलराज लेकर आना चाहते हैं। जबकि एनडीए देश के विकास में सतत प्रयासरत है। एनडीए सरकार तारापुर को विकास का कॉरिडोर बनाएगी। तारापुर में शहीद दिवस को राजकीय दर्जा दिया गया है और यह समारोह अब राजकीय कार्यक्रम के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सम्राट चौधरी को जिताकर पटना भेजें, ताकि उन्हें और बड़ा अवसर मिल सके। अमित शाह ने याद दिलाया कि लालू-राबड़ी शासनकाल में 11 नरसंहार हुए, अपहरण और डकैती चरम पर थे, जबकि नीतीश कुमार के शासन में ऐसा कोई नरसंहार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आज बिहार में कानून का राज है। अमित शाह ने यह भी कहा कि मुंगेर की धरती प्रभु श्रीराम और माता सीता से जुड़ी हुई है, इसलिए इसे रामायण सर्किट से जोड़ा जाएगा।मुंगेर जिले के तारापुर अनुमंडल क्षेत्र के असरगंज प्रखंड स्थित जलालाबाद रहमतपुर खेल मैदान में गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी सभा आयोजित की जानी थी। यह सभा तारापुर विधानसभा क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी सम्राट चौधरी के समर्थन में निर्धारित थी। हालांकि, लगातार दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण बुधवार शाम तक सभा स्थल की तैयारी पूरी नहीं हो सकी थी। गुरुवार सुबह से ही कर्मी मंच और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटे रहे। इसी बीच, दर्शक दीर्घा के लिए लाई गई कुर्सियां जब मैदान में पहुंचीं, तो कार्यक्रम स्थल पर मौजूद महिलाओं ने स्वयं ही ट्रक से कुर्सियां उतार कर सभा स्थल तक पहुंचाईं।उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को मुजफ्फरपुर के सकरा में तेजस्वी यादव के साथ की जनसभा में पीएम मोदी को लेकर विवादित बयान दिया। राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी को छठ पूजा से कोई लेना देना नहीं है, उन्हें सिर्फ आपका वोट चाहिए। आप उन्हें स्टेज पर आकर डांस करने के लिए कहेंगे तो वे डांस कर देंगे। पीएम मोदी पर राहुल गांधी के ऐसे ओछे बयान को बिहार में काफी नाराजगी है। बिहार के लोग कह रहे हैं कि राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा ओछा बयान देना अनुचित है। लोगों का कहना है कि राहुल गांधी पीएम का नाम लेकर छठ महापर्व का अपमान कर रहे हैं।राहुल गांधी के ओछे बयान पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वोट के लिए महागठबंधन के लोग कुछ भी कर सकते हैं। वे निजी हमले कर सकते हैं, किसी की माता जी पर कमेंट कर सकते हैं। लोगों को धोखा देकर वोट हासिल करना उनका लक्ष्य है। झारखंड के वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राहुल गांधी के पास कोई काम नहीं है, वह पिछले 11 साल से बेरोजगार हैं। जब इनके पास कहने को कुछ नहीं होता है तो पीएम के नाम पर कुछ भी बोलते हैं।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मुजफ्फरपुर जिले की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत में एक परिवाद दायर किया गया है। यह मामला राहुल गांधी द्वारा छठ पर्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने बुधवार को अदालत में परिवाद दायर किया। अदालत ने मामले को स्वीकार करते हुए 11 नवंबर 2025 को सुनवाई की तिथि तय की है। अधिवक्ता ओझा ने बताया कि राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव के तहत मुजफ्फरपुर में हुई एक जनसभा के दौरान छठ पर्व जो हिंदू आस्था से जुड़ा प्रमुख पर्व है, उसके संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर भी अमर्यादित बयान दिया, जिससे लोगों की धार्मिक भावना आहत हुई है।परिवाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धाराओं 298, 356(2), 352 और 353 के तहत दाखिल किया गया है। ओझा ने कहा, छठ हमारी आस्था का पर्व है, उस पर गलत बयानबाजी और प्रधानमंत्री के प्रति अनुचित टिप्पणी को लेकर हमने न्यायालय की शरण ली है। कोर्ट ने मामले को स्वीकार करते हुए 11 नवंबर को सुनवाई की तिथि तय कर दी है।

बांग्लादेश की पूर्व ...

अवामी लीग की स्थिति और बांग्लादेश की मौजूदा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। शेख हसीना ने कहा, जब ढाका में हिंसा फैली और उपद्रवी भीड़ उनके सरकारी आवास की ओर बढ़ी, तब मैंने किसी तरह अपनी जान बचाई। मैं हेलीकॉप्टर से सीधे भारत पहुंची। तब से यहीं हूं। लेकिन हमेशा सतर्क रहती हूं। मेरे पिता और भाइयों की 1975 में हत्या कर दी गई थी। मैं जानती हूं कि राजनीति में कब कौन दुश्मन बन जाए, कहा नहीं जा सकता।पूर्व पीएम ने कहा कि अवामी लीग पार्टी बांग्लादेश की आत्मा है। वह चाहे सत्ता में हो या विपक्ष में, उसका राजनीतिक अस्तित्व कोई खत्म नहीं कर सकता। यह लड़ाई मेरे परिवार की नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र की है। जब तक बांग्लादेश में संवैधानिक शासन बहाल नहीं होता, तब तक वहां स्थिरता संभव नहीं। उन्होंने 2026 के आम चुनाव को लेकर चेतावनी दी कि अगर उनकी पार्टी को भाग लेने की अनुमति नहीं मिली, तो करोड़ों समर्थक मतदान का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने कहा, अवामी लीग को बैन करना एक गैरकानूनी कदम है। इससे खुद सरकार की वैधता खत्म हो जाएगी। करोड़ों लोग हमें समर्थन करते हैं, अगर उन्हें वोट देने नहीं दिया गया, तो लोकतंत्र का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा । बता दें कि बांग्लादेश की मौजूदा यूनुस सरकार ने फरवरी 2026 में चुनाव करवाने का वादा किया है। लेकिन इससे पहले, राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध अपराधों के आरोपों का हवाला देते हुए अवामी लीग की सभी राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी। मई 2025 में चुनाव आयोग ने पार्टी का पंजीकरण भी निलंबित कर दिया।

पुलिस ने आरोपी ...

मैं सिर्फ बात करना चाहता हूं। मैं अकेला नहीं हूं, मेरे साथ कई सारे लोग हैं, जिन्हें परेशानियां हैं। मुंबई पुलिस को अभिभावकों की तरफ से गुरुवार दोपहर को इस बारे में सूचना मिली थी। पुलिस ने पहले आरोपी से बातचीत की कोशिश की। जब बात नहीं बनी, तो पुलिस बाथरूम के रास्ते अंदर घुसी। बताया जा रहा है कि बंधकों में 17 बच्चे थे। इनके अलावा दो और लोग थे, जिनमें एक बुजुर्ग भी शामिल थे। ये सभी अब सुरक्षित हैं। घटना गुरुवार दोपहर डेढ़ बजे के आसपास की है। आरोपी की पहचान रोहित आर्य के रूप में हुई है। आरोपी ने एक वेब सीरीज के ऑडिशन के बहाने बच्चों को स्टूडियो में बुलाया था। बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी पहुंचे थे। यह ऑडिशन पिछले छह दिनों से चल रहा था। गुरुवार को करीब 25 बच्चे ऑडिशन के लिए पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बच्चों की उम्र 15 साल के करीब थी। जब बच्चों को दोपहर के खाने के लिए नहीं छोड़ा गया तो अभिभावकों को शक हुआ। मुंबई पुलिस को अभिभावकों की तरफ से सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही मौके पर क्यूआरटी, विशेष बल और पुलिस के जवान पहुंच गए। पुलिस ने पहले आरोपी से बातचीत की कोशिश की। जब बात नहीं बनी, तो पुलिस बाथरूम के रास्ते अंदर घुसी। बच्चों को उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया है।

चाबहार पोर्ट पर...

इससे हम पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन कर रहे हैं। ईंधन खरीदने का फैसला हमारे 140 करोड़ लोगों की जरूरतों को देखते हुए लिया जाता है। जो कि ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विविध स्रोतों से सस्ती ऊर्जा प्राप्त करने की अनिवार्यता से निर्देशित है।अमेरिका से भारतीयों को वापस भेजे जाने की खबरों पर जायसवाल ने कहा, इस साल जनवरी से अब तक 2790 से अधिक भारतीय नागरिक ऐसे हैं जो मानदंडों को पूरा नहीं करते थे। वे अवैध रूप से वहां रह रहे थे और हमने उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि की और वे वापस लौट आए। यह बुधवार तक की स्थिति है। ब्रिटेन की ओर से इस साल लगभग 100 भारतीय नागरिकों को उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि के बाद वापस भेजा गया है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, पाकिस्तान अफगानिस्तान द्वारा अपने क्षेत्रों पर संप्रभुता के प्रयोग करने से क्रुद्ध है। पाकिस्तान सोचता है कि उसका अधिकार है कि वो सीमा पार आतंकवाद करता रहेगा और दंड मुक्ति के साथ करता रहेगा। जहां तक भारत का सवाल है हम अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी और जापानी प्रधानमंत्री के बीच हुई बातचीत के प्रसंग में जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए तकाइची से बातचीत की और उन्हें पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने भारत-जापान द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, जो हमारे लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी है और यह बहुआयामी है। जहां तक क्वाड का संबंध है, हम इसे चारों साझेदारों के बीच कई क्षेत्रों में साझा हितों पर चर्चा के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में देखते हैं। किसी भी नेता का शिखर सम्मेलन चारों साझेदारों के बीच राजनयिक परामर्श के माध्यम से निर्धारित होता है।

छठ महापर्व ...

लोगों के चेहरे पर मुस्कान दिया है। वहीं राहुल गांधी की टिप्पणी ने उस महान उत्सव को छोटा करने की कोशिश जिससे आस्था को भयानक चोट पहुंची है।केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस बयान को बेहद अपमानजनक करार देते हुए गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, छठ कोई चुनावी हथकंडा नहीं है, यह करोड़ों भारतीयों की भक्ति, आजीविका और पहचान है। इसका मजाक उड़ाने का मतलब है उन लोगों का मजाक उड़ाना जो इस महापर्व से आस्था के सूत्र से बंधे हैं और उनकी आर्थिक व्यवस्था भी चल रही है। बिहार के तमाम नागरिकों ने राहुल गांधी के अभिजात्यवादी लहजे की कड़ी आलोचना की और उन पर भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक वास्तविकताओं से नाता तोड़ने का आरोप लगाया। यह विवाद तब और गहरा गया जब यह पता चला कि गांधी के छठ पर्व की शुभकामनाओं में इस्तेमाल की गई तस्वीर वही थी जो 2024 में शेयर की गई थी।राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह मुद्दा अब एक सांस्कृतिक विवाद से कहीं बढ़कर चुनावी मौसम में एक आर्थिक और भावनात्मक मुद्दा बन गया है। बिहार के छोटे व्यापारी, कारीगर और ट्रांसपोर्टर अक्सर अपनी वार्षिक आय के लिए त्यौहारों पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं और छठ पूजा के आसपास होने वाला व्यापक व्यापार आंदोलन आजीविका के साथ इसके गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। राजधानी पटना के बुद्धिजीवी कहते हैं कि राहुल गांधी के शब्द न केवल राजनीतिक रूप से लापरवाह थे, बल्कि आर्थिक रूप से भी बेसुरे थे। ऐसे समय में जब कोविड मामारी के बाद छठ महापर्व स्थानीय आस्था, एकता और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर रहा है, इसका मजाक उड़ाना आस्था से प्रेरित मतदाताओं और मजदूर वर्ग के व्यापारियों दोनों को अलग-थलग कर देता है।भाजपा को इस विवाद का फायदा मिलेगा। भाजपा ने इसे एक महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बना दिया है जिसमें मोदी की सांस्कृतिक भागीदारी और स्थानीय परंपराओं के प्रति सम्मान की तुलना गांधी के वंशवादी अहंकार से की जा रही है। राजधानी पटना और गया समेत तमाम शहरों में पार्टी पदाधिकारियों ने गर्व से कहो, हम छठवासी हैं नारे के साथ छोटे-छोटे गली-मोहल्लों में अभियान चलाए हैं और इस त्यौहार को बाहरी लोगों के अपमान के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है।कांग्रेस सफाई पर सफाई दे रही है कि राहुल गांधी की टिप्पणी राजनीतिक नाटकबाजी के उद्देश्य से थी, न कि त्यौहार के लिए। लेकिन कांग्रेस का नुकसान तो पहले ही हो चुका। राजनीति में लगभग दो दशक बाद, राहुल एक पहेली बने हुए हैं। एक युवा नेता होने का दावा करने वाले अधेड़, फिर भी राजनीतिक और बौद्धिक रूप से अविकसित राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के लिए विवशता बने हुए हैं। जैसे-जैसे बिहार चुनाव के लिए तैयार होता जा रहा है, राहुल गांधी के बेजा बयान का प्रकरण निर्णायक परीक्षा में बदलता जा रहा है। ऐसे राज्य में जहां आस्था, गौरव और आर्थिक जीवंतता छठ जैसे त्यौहारों के इर्द-गिर्द घूमती है। राहुल गांधी का कटाक्ष एक आत्मघाती गलती साबित हो सकती है। जिसका भाजपा अंतिम वोट डाले जाने तक फायदा उठाने की कोशिश करेगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

जन सेवा संघ द्वारा सफलतापूर्वक छठ पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव श्री राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ द्वारा इस वर्ष 29 छठ पूजा घाटों पर सफलतापूर्वक, भव्यता एवं बड़े धूमधाम से आयोजन किया गया।

संघ के अध्यक्ष श्री आर. पी. सिंह ने बताया कि नेकलेस रोड घाट पर केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, स्थानीय कॉरपोरेटर, आंध्र प्रदेश के रिटायर्ड मुख्य सचिव, पूर्व डीजीपी, स्थानीय कांग्रेस की नेत्री तथा अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पूजा संपन्न हुई। इसके साथ ही बिहार अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री विकास कुमार केशन, सचिव श्री भीम फिटकीरीवाला, कोषाध्यक्ष श्री बिकी सराफ, दीपक सिंह (अध्यक्ष, बिहार समाज सेवा संघ) सहित कई संस्थाओं ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में मेडचल एवं मल्काजगीरी सांसद श्री इटेला राजेंदर ने सुबह और शाम दोनों अर्घ्य में भाग लिया। वहीं राजेंद्रनगर विधायक श्री प्रकाश गौड़ ने भी छठ पूजा में शामिल होकर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। संगारेड्डी एसपी श्री पारितोष पंकज एवं नगरद्वय डीसीपी ने भी इस पर्व में सहभागिता निभाई।महासचिव श्री राजीव चौबे ने सभी घाटों के प्रभारियों की कुशल व्यवस्था एवं अद्भुत समन्वय की सराहना की। विशेष रूप से उन्होंने नेकलेस रोड घाट के प्रभारी श्री एस. पी. सिंह एवं हरि सिंह के योगदान की प्रशंसा की।

छठ पूजा केंद्रीय समिति के सदस्य – श्री आर. पी. सिंह, श्री राजीव चौबे, श्री सीताराम ठाकुर, बिनीत सिंह, पी. पी. पांडेय, मदन लाल रावल, गोविंद तिवारी, श्रीकांत पांडेय, दिनेश चंदन, एल. एम. चौधरी, श्रवण कुमार, वि. डी. चौबे, एस. ए. खान, राकेश शर्मा – के अथक परिश्रम को भी रेखांकित करते हुए महासचिव ने कहा कि इस प्रकार के बड़े आयोजन सामूहिक प्रयास से ही सफल हो पाते हैं।

अंत में उन्होंने संस्था के प्रेरणा स्रोत श्री वी. के. सिंह (खझड) के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए उनके कुशल नेतृत्व के लिए आभार प्रकट किया।

श्री चौबे ने बताया कि 29 घाटों पर सभी प्रभारीयों का कार्य सराहनीय रहा। जिनमें–

नेकलेस रोड घाट: एस. पी. सिंह, हरि सिंह,बंडाचेरू बतूकम्मा घाट, सफिलगुड़ा: नवीन बिहारी, ए. के. सिंह,गणेश निमजनम कोनेरू पत्ती कुंता तालाब, राजेंद्रनगर: सरवन कुमार, श्याम शाह,श्री वेंकटेश्वरा स्वामी टेंपल, धातु नगर कॉलोनी, कंचनबाग: सत्य प्रकाश सिंह, जे. पी. सिंह, सुधीर जायसवाल,बलानगर शिवालय घाट: अरुण पांडे,अशफाक सागर, अशोक लैंड, सुभाष नगर: सुशील श्रीवास्तव काप्रा लेक घाट: श्री राजीव रंजन चौबे, श्रीनिवास यादव, राधेश्याम राय यादव, रुदल साहनी,मलाणा टेंपल घाट, याप्रल: राजीव चौबे, श्रीनिवास यादव,बतूकम्मा घाट, उप्पल: जे. पी. मिश्र, अरविन्द सिंह,वेनालगड्डा चेरु, जीडीमेटला विलेज: ब्रजेश कुमार झा,रायदुर्गम गाचीबोली घाट: धनंजय कुमार,साईबाबा एवं अय्यप्पा स्वामी टेंपल, मलकपेट: बिपिन कुमार पासवान,नाग माता मंदिर तालाब, आर. के. पुरम, सिकंदराबाद: डी. के. सिंह, गणपत सिंह, धनंजय राज सिंह,न्यू कॉलोनी सब्जी मार्केट, मियापुर: रविंदर सिंह,बतकम्मा घाट, जे. पी. नगर, मियापुर: हरेंद्र यादव,बतकम्मा घाट, अलवल: पी. एस. राणा, अजय सिंह,शमीरपेट लेक घाट: प्रमोद सिंह, टिकाधर यादव,हेमानगर घाट: संजय कुमार भगत,दुर्गा मंदिर, श्रीराम नगर कॉलोनी, पठानचेरू: वि. डी. चौबे, अमित चौबे, बिनीत सिंह,साकी चेरु, पठानचेरू: वि. डी. चौबे,वेंकटेश्वरा कॉलोनी न्यू मार्केट घाट: सुमित चौबे,अलविन कॉलोनी, पठानचेरू: आर. के. सिंह,हतेली के चेरुवु साईं बाबा टेंपल, मेडचल: संतोष पांडेय, सुजीत कुमार सिंह, राजेश चौबे, दिनेश रजक,मेडचल चेरुवु साईं बाबा टेंपल घाट: शेखर झा, कपिराज सिंह,शिवालय टेंपल, मेडचल: शेखर झा, राजेश चौबे, सुशील तिवारी, रामधयन सिंह,संगारेड्डी ओल्ड बस स्टैंड चेरु, हनुमान टेंपल: बसंत सोलंकी, संजय यादव, अरुण यादव, संतोष कुमार पांडेय,संगमेश्वरगुटा चेरुवु, इस्नापुर: सुरेंद्र कुमार,बतकम्मा घाट, नियर हनुमान टेंपल, आईडीए बोलाराम: नरेंदर प्रसाद और गोल्डन टेंपल, बंजारा हिल्स घाट: नवरतन कुमार पासवान शामिल हैं।

गोपाषटमी के शुभ अवसर पर परिवार सहित गौ माता की पूजा अर्चना करके आशीर्वाद लेते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी जसवंत सुराणी।

तैंतीस कोटि देवताओं का वास है गौमाता में : सतीश गुप्ता

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद की ओर से केबीआर पार्क में अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में समूह के सदस्यों ने निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया और मानवता की सेवा का संदेश दिया।इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश गुप्ता ने कहा कि तैंतीस कोटि देवताओं का वास गौमाता में है, अतः गोसेवा करना ईश्वर की सेवा के समान है। उन्होंने बताया कि गोपाष्टमी का पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि करुणा, भक्ति और सेवा की भावना को जागृत करने वाला अवसर है।

राधे राधे ग्रुप लंबे समय से अन्नदान, समाज–सेवा और सांस्कृतिक जागरण के कार्यों में सक्रिय है। समूह का उद्देश्य समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ावा देना है।कार्यक्रम में भक्तों ने राधे राधे के जयघोष के साथ गौमाता के प्रति आभार व्यक्त किया। पूरा वातावरण भक्ति, आनंद और सकारात्मक ऊर्जा से ओत–प्रोत हो गया। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, आशा गुप्ता, सुभाष अग्रवाल,रणधीर एवं राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज लालबाजार अलवाल का दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद समारोह आयोजित

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज लालबाजार अलवाल शाखा द्वारा दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद समारोह का आयोजन पहाड़ी हनुमान मंदिर, महेन्द्रा हिल्स में उत्साह और उमंग के साथ किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेनजी की पूजा अर्चना, आरती एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। शाखा अध्यक्ष पवन नरेटा ने सभी का हार्दिक स्वागत किया और दीपावली की शुभकामनाएँ दीं।विशेष आमंत्रित अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, मानद मंत्री विकास केशान का पूर्व अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद नरेटा ने शॉल एवं पुष्प द्वारा सम्मान किया।

अवसर पर पहाड़ी हनुमान मंदिर ट्रस्टी

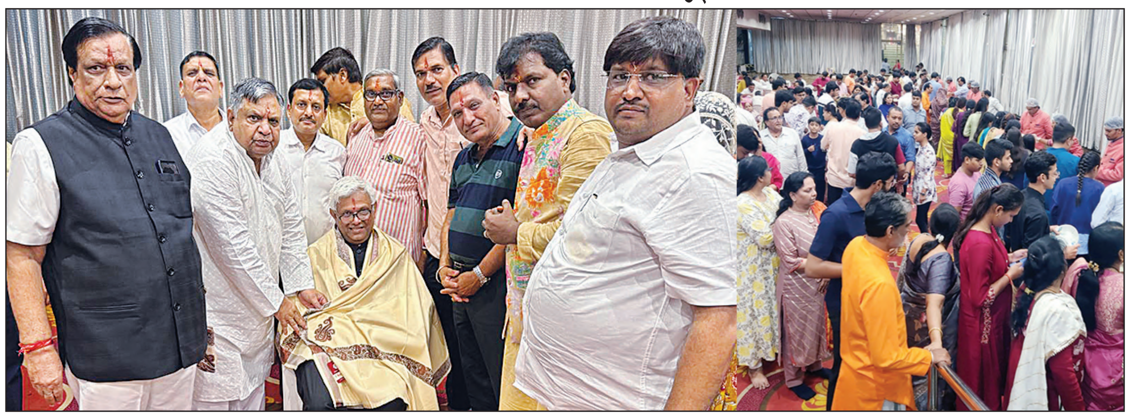

सुभाष गोयल, दुर्गा प्रसाद नरेटा का पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया।कार्यक्रम में शाखा के सभी पदाधिकारी जिसमें– उपाध्यक्ष वासुदेव अग्रवाल, सह मंत्री दौलत प्रकाश, कोषाध्यक्ष उमेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य महेश नरेटा, परामर्शदाता खुशीराम अग्रवाल, गजानन्द अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्योंस में– विरेंद्र अग्रवाल, अनिल जेपी, भैरूलाल, कैलाशचन्द, रोहित सुरेका, संदीप नरेटा एवं शाखा के वरिष्ठ नागरिक जगन प्रसाद अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, मुरारीलाल अग्रवाल, रमेश सुरेका, सुरेशचन्द अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल, टेकचन्द अग्रवाल, जुगल निगोर अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल एवं समस्त शाखा की महिलाएँ और नवयुकों ने मिलकर उक्त दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद समारोह को जोश और आनंद के साथ सफल एवं भव्य बनाया।

नामपल्ली में अन्नदान किया गया

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दादा रमेशचंद गुप्ता के जन्मदिन के अवसर पर परिवार में उल्लास और श्रद्धा का माहौल रहा। इस शुभ दिन को और भी यादगार बनाते हुए पोते क्षितिज गुप्ता ने राधे राधे ग्रुप की नियमित अन्नदान सेवा में भाग लेकर अपनी खुशी और कृतज्ञता व्यक्त की।

क्षितिज गुप्ता ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर दादा के प्रति अपने प्रेम और संस्कारों का सजीव उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि दादा के आशीर्वाद से ही जीवन में सही मार्गदर्शन और प्रेरणा मिलती है, और उनके जन्मदिन पर सेवा करना मेरे लिए गर्व की बात है।

पेशे से सिविल इंजीनियर ने कहा कि वे आज से पहले कभी भी इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमों में सम्मलित नहीं हुआ परंतु इस बार का ये अवसर मुझे मेरे मामाजी एवं प्रेरणास्रोत अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता के मार्गदर्शन से प्राप्त हुआ। मैं उनका दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं।

राधे राधे ग्रुप के सदस्यों ने क्षितिज गुप्ता के इस सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी द्वारा ऐसे कार्य समाज में मानवता और करुणा की भावना को सशक्त बनाते हैं।

सेवा के इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने दादा रमेशचंद गुप्ता की दीर्घायु और परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की।

आज की सेवा श्री हरनारायण जी रमेश चंद्र जी गुप्ता परिवार नांदेड़ वालों की तरफ से की गई।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता,राम प्रकाश अग्रवाल सुनीता अग्रवाल महेश अग्रवाल,कैलाश चंद केडिया,निर्मला केडिया, नंदकिशोर अग्रवाल,गौरव अग्रवाल,रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल,प्रतिका अग्रवाल, मनोज शर्मा, क्षितिज गुप्ता नांदेड़, महिंद्रा झुंझुनूवाला, कुमावत, भाकरराम, देवकरण कुमावत सहित राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

दमरे में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 का पोस्टर जारी

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे की प्रधान वित्तीय सलाहकार (पीएफए), श्रीमती हेमा सुनीता ने आज, यानी 30 अक्टूबर, 2025 को रेल निलयम, सिकंदराबाद में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 के पोस्टर का अनावरण किया।

इस अवसर पर अभिषेकनंद राव , वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी और पीएफए कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट पेंशनभोगियों के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने में सहायक होगा।

गोपाष्टमी के अवसर पर सीताराम बाग स्थित श्री जगन्नाथ मठ में महंत अच्युत रामानुजाचार्य, रिद्धि जागीरदार, श्रीनिवास सोमानी (अध्यक्ष राजस्थानी जागृति समिति हैराबाद), गोवर्धन एवं अन्य भक्तों ने गौ पूजा में भाग लिया। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि (30 अक्टूबर, 2025) को मनाए गए इस पर्व के अंतर्गत, भक्तों ने गायों को स्नान कराकर, चंदन और माला से सजाया, तिलक लगाया और उन्हें गुड़ तथा हरा चारा खिलाया। श्रीकृष्ण एवं गौ माता की संयुक्त पूजा कर आरती उतारी गई और सभी ने गौ सेवा का संकल्प लिया।

राजस्थान से पधारे सुरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमावत डुंगररामगेदर, झुंझुनूं जिला के भाजपा जिलाध्यक्ष कुमावत महेन्द्र चन्दवा एवं विजयपाल लालपुरीया अधिशासी विद्युत विभाग सीकर झुंझुनूं, राजेश उद्योगपति सूरत का नगरागमन पर हार्दिक स्वागत करते हुए भाकर राम लारना, परामर्शदाता गेनाराम गोठवाल, सहमंच संचालक कमल किशोर लारना, एवं अन्य सदस्य।

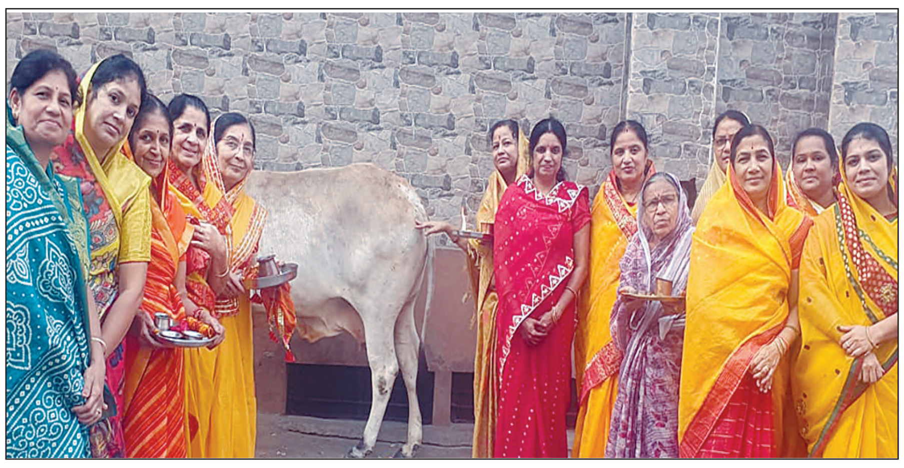

गोपाष्टमी के अवसर पर गौमाता का पूजन करते हुए राजस्थानी महिला संगठन ईसामिया बाजार कोठी की अध्यक्ष सुमित्रा राठी, अरुणा तोतला, बबीता तोतला, निर्मला मालपानी, शकुंतला राठी, शोभा लाहोटी, कोमल प्रियंका लाहोटी, शोभा मालपानी, ममता राठी और विष्णुकांत टावरी एवं अन्य।

नेहपाल सिंह वर्मा की 89वीं जयंती पर 'कवियों के ख़ाके' (भाग-2) पुस्तक का लोकार्पण एवं कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद एवं 'गीत चाँदनी' के संयुक्त तत्वावधान में कीर्तिशेष श्री नेहपाल सिंह वर्मा की 89वीं जयंती के अवसर पर उनके द्वारा रचित पुस्तक 'कवियों के ख़ाके' (भाग-2) का लोकार्पण एवं चतुर्थ कवि सम्मेलन का आयोजन ईएसआई अस्पताल के समीप, नाचारम, हैदराबाद में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगरद्वय (हैदराबाद-सिकंदराबाद) के कवियों ने काव्य-पाठ कर माहौल को साहित्यिक रंगों से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता 'गीत चाँदनी' के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने की। श्रीमती उर्मिला वर्मा ने 'कवियों के ख़ाके' (भाग-2) का लोकार्पण किया और कहा कि श्री नेहपाल सिंह वर्मा का साहित्य भारतीय समाज, संस्कृति और मानवीय भावनाओं की गहराइयों को शब्दों में पिरोने का अनूठा प्रयास है। उन्होंने बताया कि वर्मा जी का कहानी संग्रह 'संबंधों की धरा पर', हैदराबाद के इतिहास पर 'गुड़िया देख रही है' (चार भागों में), कविता संग्रह 'सूरज का पेड़' और 'नीलकंठ', डायरी 'पृष्ठ जीवन के', तथा वैवाहिक संस्कारों पर आधारित 'बंधन जीवन का' जैसी पुस्तकें हिंदी साहित्य जगत में उल्लेखनीय स्थान रखती हैं। उन्होंने नगरद्वय की काव्य संस्था पर आधारित पुस्तक 'कहानी गीत चाँदनी की' और विचारोत्तेजक कृति 'पाकिस्तान की डायरी' का भी उल्लेख किया। वर्मा जी द्वारा देश-विदेश के 150 से अधिक कवियों पर लिखे गये 'ख़ाके' में से 50 से अधिक 'कवियों के ख़ाके' (भाग 1 व 2) में प्रकाशित हो चुके हैं। उनके साहित्य पर एम.फिल. एवं पीएच.डी. स्तर के शोध कार्य निरंतर जारी हैं।

डॉ. राजनारायण अवस्थी, प्रबंधक (राजभाषा), ईसीआईएल एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पीएसयू), हैदराबाद ने कहा कि 'कवियों के ख़ाके' (भाग-2) वर्मा जी की मनोवैज्ञानिक गहराई और साहित्यिक दृष्टि का अनुपम उदाहरण है।

उन्होंने अपने ख़ाकों में केवल साहित्यकार की रचनात्मकता ही नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व, सोच और युगीन संदर्भों का भी जीवंत चित्रण किया है। आने वाले खंडों में और भी साहित्यकार इस जीवंत परंपरा के भागीदार बनेंगे।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद ने कहा कि कविता केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि यह जीवन की गहराइयों को छूने वाली अनुभूति है। आज की इस गोष्ठी में कवियों ने समाज की संवेदनाओं, परिवेश और मानवीय मूल्यों को अद्भुत अभिव्यक्ति दी है। हिंदी कविता आज भी समाज को जोड़ने, प्रेरित करने और दिशा देने की शक्ति रखती है। हम सबका दायित्व है कि हिंदी को केवल मंच तक सीमित न रखकर जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।

इस अवसर पर नगरद्वय के वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने भावपूर्ण काव्य-पाठ कर दिवंगत कवि नेहपाल सिंह वर्मा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कविता-पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री ठाकुर दिनेश सिंह, संतोष कुमार मिश्र 'माधुर्य', दुर्गाराज पटून, डी. प्रेमराज, सुनील मिश्रा, राजकुमार यादव, गोविंद अक्षय, श्रीपूनम जोधपुरी, शकील हैदर, सईद खादिम, रसूल ऐनी, सत्यनारायण काकड़ा, बासित अली रईस, डॉ. रेखा देवी वर्मा, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, कवियों एवं सहयोगियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कवि संतोष कुमार मिश्र 'माधुर्य', डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, राजेश सिंह वर्मा, संगीता कूर्मि, उर्मिला वर्मा, शैलेश सिंह वर्मा, संध्या वर्मा आदि का विशेष योगदान रहा।

गौमाता की सेवा ही सच्ची भक्ति : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ईश्वर की सेवा से बढ़कर है गोसेवा, क्योंकि गौमाता में सभी देवी-देवताओं का वास होता है। हमारे वेदों और शास्त्रों में गाय को 'कामधेनु' कहा गया है, जो मनुष्य की सभी इच्छाओं को पूर्ण करती है। गौसेवा करने से पापों का नाश होता है और जीवन में सुख, शांति व समृद्धि आती है। उक्त विचार राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल ने व्यक्त किये। बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने गोपाष्टमी के अवसर पर नियमित अन्नदान एवं गौसेवा की गई। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में गोसंरक्षण और गोपालन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि पर्यावरण और मानवता की रक्षा का भी माध्यम है। गाय हमारे लिए केवल पशु नहीं, बल्कि मातृस्वरूपा है, जो हमें दूध, घी, गोबर और गोमूत्र के रूप में अमृत प्रदान करती है।राधे राधे ग्रुप के संयोजक जगतनारायनण अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में सेवा, करुणा और धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ती है। इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसुवाले,गोविंद राम पचेरिया, शिवभगवान,राजेश सर योगा, अरुण विजयवर्गीय,नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल,कृष्ण पाल,आशीष आदि उपस्थित थे।

सनतनगर कृष्ण सखी पिंकी खेतान द्वारा अन्नकूट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनीता, पूजा, रेखा, सुनीता, सोनिया, नीता, पिंकी, भाजपा नेता सपना गुप्ता, मधु, प्रमिला, उर्मिला, बीना व अन्य ने भाग लिया।।

वृंदावन में प्रारंभ श्रीमद भागवत कथा से पहले शोभा यात्रा में भाग लेते हुए भक्त गण। इस अवसर पर उपस्थित कथा व्यास पंडित मनोज त्रिवेदी (श्रीमाली) व अन्य।

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर में श्री श्याम जन्मोत्सव कल

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महिन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री श्याम जन्मोत्सव का आयोजन शनिवार 1 नवम्बर को किया जायेगा । उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में चेयरमैन अरुण डाकोतिया द्वारा दी गई ।

विज्ञप्ति अनुसार श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में श्री श्याम जन्मोत्सव के अन्तर्गत भक्तों के दर्शनार्थ मन्दिर प्रातः 8 बजे से मध्यरात्रि 1 बजे तक खुला रहेगा । अवसर पर भक्तगण लड्डू गोपाल की श्रृंगारिक झाँकी एवं अलौकिक श्रृंगार के दर्शन कर सकेंगे । श्याम दिवाने द्वारा सायं 7:00 बजे से मध्य रात्रि तक भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा । नागपुर से सुप्रसिद्ध भजन गायिका निहारिका पुरोहित एवं श्री श्याम सेवा म्यूजिकल ग्रुप (नागपुर) अवसर पर सुमधुर भजनों प्रस्तुति देंगे । मंदिर परिसर में सायं 6 बजे से दीपोत्सव का आयोजन किया जायेगा । मंदिर में दर्शन हेतु पधारे भक्तों मे बाबा का खजाना वितरित किया जायेगा ।

श्री श्याम जन्मोत्सव हेतु मंदिर श्रृंगार सेवा, सवामनी सेवा, लंगर प्रसाद सेवा एवं अन्य सेवाओं में भक्तों में बढ़-चढ़कर सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया है । मंदिर में ग्यारस कीर्तन के लिए सभी इच्छुक संस्थाएँ सादर आमंत्रित है ।

श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, अशोक सिंघानिया, अक्षय डाकोतिया, प्रवीण अग्रवाल, ब्रिजेश मोदी एवं राहुल अग्रवाल ने सभी भक्तों एवं श्याम प्रेमी संस्थाओं से इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पधारकर लड्डू गोपाल की श्रृंगारिक झाँकी के दर्शन, भजन एवं प्रसाद लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है ।

श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा में श्री श्याम जन्मोत्सव कल

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री काँची कामकोटि पीठम् श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के तत्वावधान में श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा, वीरन्नागुट्टा में प्रतिवर्षानुसार कार्तिक सुदी एकादशी (देव उठनी एकादशी) के उपलक्ष्य में शनिवार 1 नवम्बर को 'श्री श्याम जन्मोत्सव' का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया जायेगा । उक्त जानकारी यहाँ एक प्रेस विज्ञप्ति श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के मंत्री इन्दरकरण सौंथलिया (बडेगाँववाले) के द्वारा दी गई ।विज्ञप्ति अनुसार श्री श्याम जन्मोत्सव के अन्तर्गत श्री श्याम मन्दिर को विशेष रुप से सजाया एवं संवारा जायेगा । जन्मोत्सव का मुख्य आकर्षण अद्भुत श्रृंगार, दिव्य दरबार, छप्पन भोग एवं सुमधुर भजन रहेंगे । भक्तों के दर्शनार्थ मन्दिर प्रातः 6 बजे से मध्याह्न 2 बजे तक तथा सायं 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक खुला रहेगा । नगरद्वय के विभिन्न क्षेत्रों से श्री श्याम मन्दिर पधारने वाली निशान शोभा यात्राओं का स्वागत प्रातः 8 बजे से किया जायेगा ।

रात्रि 8 बजे से नगरद्वय की सुप्रसिद्ध धार्मिक संस्था जय श्री श्याम-श्याम मेरे श्याम समिति, हैदराबाद द्वारा भजन संध्या कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा । भजन संध्या अन्तर्गत कोलकाता से सुप्रसिद्ध भजन गायक रवि बेरीवाल तथा नगरद्वय के प्रतीक दाहिमा अपनी सुमधुर वाणी में भजन प्रस्तुति देंगे ।

कार्तिक मास के उपलक्ष्य में रविवार 2 नवम्बर को सायं 5 से रात्रि 11 बजे तक मंदिर परिसर में अन्नकूट-प्रसाद का आयोजन किया जायेगा । श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के मंत्री इन्दरकरण सोंथलिया (बडेगाँववाले) ने सभी भक्तों, सदस्यों से इस शुभ अवसर पर सपरिवार मन्दिर पधारकर दर्शन एवं प्रसाद लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है ।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 154वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 2 नवंबर को

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा, अग्रवाल समाज रामनगर शाखा के सहयोग से, 154वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप आगामी रविवार, 2 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक, बंसीलालपेट स्थित गवर्नमेंट हाई स्कूल में संपन्न होगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन अस्पताल की ओर से कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच एवं आरबीएस परीक्षण की सुविधाएँ निशुल्क प्रदान की जाएंगी।

इसी प्रकार, एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल, दोमलगुडा द्वारा नेत्र जांच की जाएगी तथा योग्य रोगियों को निशुल्क चश्मे और मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा दी जाएगी।

सामान्य चिकित्सा सेवाएँ डॉ. अखिल्स क्लिनिक के डॉ. अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी) तथा डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस, डिप्लोमा इन डायबिटीज) द्वारा प्रदान की जाएंगी।दंत चिकित्सा सेवाएँ एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज और डॉ. एस. निखिल द्वारा दी जाएंगी।फिजियोथैरेपी सेवाएँ बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा प्रदान की जाएंगी।इसके अलावा, श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की ओर से कृत्रिम पैर, हैंड क्लिप, कैलिपर्स एवं हैंड उपकरणों की जांच की जाएगी तथा योग्य व्यक्तियों को निशुल्क उपकरण प्रदान किए जाएंगे।शिविर में यदि किसी रोगी को डायलिसिस की आवश्यकता होगी, तो उनके लिए निशुल्क डायलिसिस की विशेष व्यवस्था भी की जाएगी।शिविर में नाम पंजीकरण कैंप स्थल पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। आयोजकों ने समाज के सभी लोगों से इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया है।अधिक जानकारी के लिए शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, दीपक गुप्ता, प्रशांत धन्नावत एवं सतीश अग्रवाल से संपर्क किया जा सकता है।

अग्रवाल समाज दिलसुखनगर शाखा का दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकुट प्रसाद 9 नवंबर को

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज दिलसुखनगर शाखा का दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट महाप्रसाद का आयोजन 09 नंवबर 2025 रविवार को शाम 6:30 बजे से श्री वेंकटेश्वर स्वामी वारी देवस्थान कम्युनिटी हाल, दिलसुखनगर में आयोजित किया जाएगा। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि इस आयोजन के लिए शाखा अध्यक्ष हरि किशन सौन्थलिया के निवास पर एक बैठक का आयोजन किया गया। इस भव्य आयोजन को सुचारू रूप से कर आयोजन को सफल बनाने की आग्रह किया गया।

अग्रवाल समाज गच्चीबोली शाखा द्वारा गोपाष्टमी पर गौ पूजन एवं अन्नकूट प्रसादम का आयोजन

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज गच्चीबोली शाखा की ओर से गोपाष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण गो सेवा मंडल, कोकापेट में भव्य गौ पूजन एवं गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ गौ माता की सेवा की और अन्नकूट प्रसादम का आनंद लिया। इस अवसर पर समाज के अनेक सदस्य एवं परिवारजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से के.पी. अग्रवाल, गीता अग्रवाल, एम.आर. सुरेखा, सुशील गुप्ता, सुरेश अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, शिखा अग्रवाल, अरुण गुप्ता, मीनाक्षी गुप्ता, राम गोपाल अग्रवाल, किरण अग्रवाल, एडवोकेट सुरेश अग्रवाल, शालू गुप्ता, पायल गर्ग, प्रीति अग्रवाल एवं प्रियंका अग्रवाल सहित अनेक समाजजन शामिल हुए।

ज्ञानशाला का दो दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महासभा ज्ञानशाला प्रकोष्ठ के निर्देशन व सिन्कदराबाद सभा के तत्वावधान में ज्ञानशाला रिफ्रेशर कोर्स के दो दिवसीय आयोजन आज उपलब्धियां व सफलता पूर्ण सानंद समापन समारोह के साथ सम्पन्न हुआ।राजेन्द्र बोथरा द्वारा प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया गया कि साध्वी श्री डॉ गवेषणा श्री जी आदि ठाणा 4 के सानिध्य में इस कार्यशाला का समायोजन हुआ। जिसमें लगभग 100 प्रशिक्षिकाओं ने भाग लिया। विभिन्न सत्रों में विभाजित इस दो दिन की रिफ्रेशर कार्यशाला में जैन धर्म, तेरापंथ दर्शन, साध्य -साधन लौकिक व लौकोत्तर धर्म, ज्ञानशाला राष्ट्रीय नेटवर्क व प्रारुप के विशद विवेचन के साथ पाठ्यक्रम की वार्षिक योजना व प्रशिक्षण पद्धति का पावर पॉइंट द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण हेतु ज्ञानशाला राष्ट्रीय संयोजक सोहन राज जी चोपड़ा ,राष्ट्रीय प्राध्यापक डालमचंद जी नौलखा, पाठ्यक्रम समिति सदस्य रत्ना जी कोठारी एवं परीक्षा व्यवस्थापक सुरेंद्र जी लुनिया अहमदाबाद और मुंबई से पधारे ।साध्वी श्री डॉ गवेषणा जी ने व मयंक प्रभा जी ने ज्ञान की समीक्षा व ज्ञानशाला की उपयोगिता व क्यों जरूरी है जैन्नत्व के संस्कार, ज्ञानशाला संचालन में प्रशिक्षिकाओं का उत्तरदायित्व विषय पर गहन प्रशिक्षण प्रदान करवाया। साध्वी श्री जी ने एक-एक प्रशिक्षिकाओं की निस्वार्थ सेवाओं का अंकन करते हुए उनके ज्ञान को परिष्कार करने के लिए अमूल्य प्रेरणा प्रदान की।

ज्ञान का अगर समय समय पर पुनरावर्तन किया जाए और ज्ञान को कंठस्थ किया जाये तो महत्व अधिक होता है। प्रशिक्षिका अपने सद् संस्कारों से उसी के अनुरूप अच्छा संस्कार दे सकती है। बच्चे अनुकरण शील होते हैं बच्चों को जन्म से ही संस्कार का पोषण मिल जाए तो वह देश के अच्छे नागरिक और धर्म संघ के सुश्रावक बन सकते हैं।इस कार्यशाला का विशेष आकर्षण रहा अनुगूंज ज्ञानशाला की मचिय प्रस्तुति जिसमें 2003 से लेकर 2025 तक के ज्ञानशालय के विकास को डिजिटल और फिजिकल कोंबो के रूप में दर्शाया गया। नुक्कड़ नाटिका द्वारा ज्ञानशाला का महत्व, अभिभावकों का योगदान का प्रस्तुतीकरण हुआ और नन्हे मुन्ने ज्ञानार्थियों द्वारा सुंदर अभिव्यक्तियां प्रस्तुत की गई और ज्ञानशाला पर शिक्षिकाओं द्वारा ज्ञात अनुज ज्ञानशाला गीत का शानदार मंचन हुआ इसके साथ ही इस दो दिवसीय कार्यशाला में आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्द के उपलक्ष्य में भिक्षु कला मंजरी प्रदर्शनी आयोजित की गया जिसमें प्रशिक्षिकाओं द्वारा आचार्य भिक्षु के जीवन से सम्बंधित हस्त निर्मित कलाकृतियों व पच्चीस बोल चित्रकला प्रदर्शनी लगाई गई

DAILY शुभ लाभ
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, MADHURESHAN AMITHA Daughter of Service No. 6921151N Sepoy Late KRISHNA MADURESHAN, Resident of H.No.5-10-90/52, Jai Jawahar Nagar Colony, Vill:Yapral, Teh:Alwal, Dist:Medchal Malkajgiri, Telangana-500087 have changed my name from M.AMEETHA to MADHURESHAN AMITHA vide affidavit dt:30-10-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 10329717A Nk/CHEF BHANDARI ARUN SHIVAJI, R/o.Laxminagar, Narwad, Sangli, Maharashtra-416409 hereby declare that my son name is to be changed from MAYUR to MAYUR ARUN BHANDARI vide affidavit dt:30-10-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, BHANDARI SHIVAJI ABA Father of Service No. 10329717A Nk/CHEF BHANDARI ARUN SHIVAJI, R/o.Laxminagar, Narwad, Sangli, Maharashtra-416409 have changed my name from BHANDARI SHIVAJI ABA to SHIVAJI ABA BHANDARI vide affidavit dt:30-10-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, P. REVANAMMA spouse of Service No. 2586974P Hav (Retd) PALAGIRI CHENNAKESAVULU, Resident of H.No.7-662, M-18, Sivaji Nagar, Markapuram, Prakasam District, Andhra Pradesh-523316 have changed my name and DOB from P REVANAMMA, DOB:01-05-1968 to PALAGIRI RAVANAMMA, DOB:01-01-1973 vide affidavit dt:30-10-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 7781856W Hav RAGIPINDI SUBBA REDDY, Resident of Plot No.1066, New Rajiv Nagar, Ramalayam Street, Payakapuram, Vijayawada (Urban), Andhra Pradesh-520015 hereby declare that my daughter name is to be changed from R RUPA SRI to RAGIPINDI RUPA SRI vide affidavit dt:30-10-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

बसें न रुकने पर रामपुर की महिलाओं का हंगामा

मंचेरियाल, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोटापल्ली मंडल के रामपुर गाँव की महिलाओं ने आरटीसी बसों के उनके गाँव के स्टॉप पर न रुकने के विरोध में गुरुवार को मुख्य सड़क पर जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री विवेक को कई बार अवगत कराने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ।

महिलाओं ने कहा कि एक्सप्रेस बसें तो दूर, अब साधारण बसें भी भीड़ का बहाना बनाकर स्टॉप पर नहीं रुकतीं।

उन्होंने नाराजगी जताई कि उनके गाँव का नाम बस बोर्ड पर होने के बावजूद, बसें दूर रोक दी जाती हैं जिससे छात्रों और ग्रामीणों को भारी परेशानी होती है।

महिलाएँ सड़क पर ही बैठ गईं और स्पष्ट किया कि जब तक उन्हें आश्वासन नहीं मिलेगा, वे वहाँ से नहीं हटेंगी। करीब दो घंटे तक चले इस प्रदर्शन से यातायात एक किलोमीटर तक बाधित रहा।

सूचना मिलने पर कोटापल्ली एसआई राजेंद्र मौके पर पहुँचे और आरटीसी अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने महिलाओं को आश्वासन दिया कि यह मामला उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा और जल्द समाधान निकाला जाएगा। इसके बाद महिलाओं ने आंदोलन समाप्त किया।

इस बीच, कांग्रेस नेता बोड्डू रवि ने भी मंत्री विवेक को याचिका सौंपी थी, जिसमें रामपुर बस स्टॉप पर एक्सप्रेस और साधारण दोनों बसों को रुकवाने की मांग की गई थी। रवि ने आरटीसी डीएम से भी इस विषय में चर्चा की, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि राज्य के श्रम और खनन मंत्री विवेक को इस मुद्दे पर स्वयं हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि समस्या स्थायी रूप से हल हो सके।

राशन कार्ड धारकों को बिना तंदूर वाले बैग का वितरण 1 नवंबर से

मंचेरियाल, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से गरीब और पात्र राशन कार्ड धारकों को चावल के साथ बिना तंदूर वाले बैग उपलब्ध कराने जा रही है। जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) पी. चंद्रैया ने बताया कि यह सुविधा 1 नवंबर से सभी सस्ती दर की दुकानों में शुरू होगी।

उन्होंने कहा कि राशन के चावल के लिए एक फिंगरप्रिंट और बिना तंदूर वाले बैग के लिए अलग फिंगरप्रिंट देना अनिवार्य होगा। यह बैग केवल उसी सस्ती दुकान पर जारी किए जाएँगे जहाँ संबंधित राशन कार्ड पंजीकृत है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पोर्टेबिलिटी प्रणाली के तहत अन्य दुकानों से राशन प्राप्त करने वालों को यह सुविधा नहीं मिलेगी। अपर कलेक्टर ने पात्र लाभार्थियों से अपील की कि वे इस नई सुविधा का लाभ अवश्य उठाएँ।

बीआरएसवी ने कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

–'हैलो स्टूडेंट – चलो कलेक्ट्रेट' के तहत छात्रों के साथ रैली निकाली

मंचेरियाल, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएसवी ने कांग्रेस सरकार पर शिक्षा क्षेत्र की समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए तीखा हमला किया। इसी क्रम में बुधवार को उन्होंने 'हैलो स्टूडेंट – चलो कलेक्ट्रेट' अभियान के तहत छात्रों के साथ एक विशाल रैली निकाली।

रैली के दौरान बीआरएसवी कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों ने नासपुर में कलेक्ट्रेट का घेराव किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने मांग की कि छात्रों को देय शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्तियाँ तुरंत जारी की जाएँ। बीआरएसवी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन और तेज़ किया जाएगा।नेताओं ने कहा कि शिक्षा विभाग में मंत्री का न होना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ठेकेदारों के बिलों का भुगतान तो कर रही है, लेकिन शिक्षण संस्थानों की फीस प्रतिपूर्ति की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासनकाल में शिक्षा क्षेत्र में हर स्तर पर उल्लेखनीय विकास हुआ था।

इस रैली में बीआरएसवी के जिला अध्यक्ष बदीकला श्रवण, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष दग्गुला मधुकर, नेता मोहम्मद साजिद, छोटू, नक्का तिरुपति, लक्ष्मीकांत, चंद्रकिरण, सतीश, राजेंद्र, संतोष, गोपाल, श्रीकांत, राजकुमार, शिवा और अजय शामिल हुए।

पुलिस शहीद स्मृति सप्ताह पर हेलमेट जागरूकता बाइक रैली आयोजित

समाज में सड़क सुरक्षा का संदेश देने का प्रयास

आसिफाबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस शहीद स्मृति सप्ताह के अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल लाल पाटिल आईपीएस ने सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु एक हेलमेट जागरूकता बाइक रैली का शुभारंभ किया। इस रैली में एएसपी चित्तरंजन आईपीएस सहित पुलिस अधिकारी, कर्मी, युवा और स्थानीय नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

यह बाइक रैली कोमुराम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस कार्यालय से शुरू होकर मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः पुलिस कार्यालय पर संपन्न हुई।

जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल ने कहा कि समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता।

उन्होंने कहा कि उनके साहस और समर्पण की भावना पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य को प्रेरित करती रहेगी।

उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश हादसे हेलमेट न पहनने के कारण होते हैं। हेलमेट पहनना केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि स्वयं की सुरक्षा के लिए आवश्यक कवच है। उन्होंने कहा, हमारा परिवार हमारा इंतजार कर रहा है, अपनी जान बचाना हमारे ही हाथ में है।

एसपी ने रैली में भाग लेने वाले पुलिस अधिकारियों, उपनिरीक्षकों, मुख्यालय और थाना कर्मचारियों, युवाओं, मीडिया प्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों को धन्यवाद और बधाई दी।

प्रभारी एसई ओडेपु रामा राव एसीबी के शिकंजे में

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रभारी एसई ओडेपु रामा राव एसीबी के शिकंजे में आ गए। रामा राव ने एक हफ्ते पहले ही बंदोबस्ती विभाग के एसई का पदभार संभाला था। बताया गया है कि यादगिरिगुट्टा में एक टेंडर के ज़रिए मिशनरी को लड्डू काउंटर मुहैया कराने वाले ठेकेदार ने मिशनरी की लागत 11,50,000 रुपये बताई थी, लेकिन रामा राव ने बिल भुगतान के लिए 20% कमीशन मांगा। दोनों के बीच एक लाख 90 हज़ार रुपये का समझौता हुआ।

ठेकेदार ने एसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद नलगोंडा एसीबी अधिकारियों ने उस पर लगातार नज़र रखी। एसीबी अधिकारियों ने रामा राव के ऑडियो कॉल डेटा भी एकत्र किए और कल शाम मेडिपल्ली में उसे 1,90,000 रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि यादगिरिगुट्टा मंदिर से रामा राव से जुड़ी कुछ फाइलें भी ज़ब्त की गई हैं।एसीबी अधिकारियों की दो टीमें हैदराबाद के एलबी नगर स्थित रामा राव के घर पर भी छापेमारी कर रही हैं। एसीबी डीएसपी ने कहा कि पूरी जानकारी आज दोपहर तक मिल जाएगी। वहीं, एसीबी अधिकारी ने बताया कि रामा राव को न्यायिक हिरासत के लिए नामपल्ली अदालत ले जाया जा रहा है।

प्रभारी एसई ओडेपु रामा राव के मामले में स्थानीय लोग अब बेनामी संपत्ति पर भी नज़र रखने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यादगिरिगुट्टा मंदिर में हुए बड़े पैमाने के टेंडर, उससे जुड़े मामलों और ज़मीन के लेन-देन की गहन जाँच होनी चाहिए। स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लग रहे हैं कि बेनामी संपत्ति के पास बड़ी मात्रा में धन और ज़मीन से जुड़े दस्तावेज़ हो सकते हैं।

एसीबी अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि यादगिरिगुट्टा मंदिर में और भी कई रामा राव नामक व्यक्ति हैं या नहीं। संयुक्त नलगोंडा ज़िले के लोगों से एसीबी अधिकारियों ने अपील की है कि यदि किसी के पास इस तरह की कोई जानकारी हो, तो वे तुरंत एसीबी को सूचित करें।

भाजपा नेता वेलुमुला जगन्नाथ राव की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

पार्टी कार्यकर्ताओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी

मंचेरियाल, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल नगर के वरिष्ठ भाजपा नेता वेलुमुला जगन्नाथ राव के हाल ही में हुए निधन पर गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर गौड़ के तत्वावधान में हुआ।सभा में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगन्नाथ राव द्वारा पार्टी के लिए दी गई अमूल्य सेवाओं को स्मरण किया और उनके योगदान को नमन किया।

इस मौके पर पुरुषोत्तम जाजू, वंगापल्ली वेंकटेश्वर राव, पानुगंती मधु, मोटापालुकुला तिरुपति, वैद्य श्रीधर, मंत्री रमन्ना, कासेट्टी नागेश्वर राव, राकेश रेनवा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थानी ब्राह्मण समाज एवं राजस्थानी ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह सम्मेलन स्थानीय राजस्थान भवन में सम्पन्न हुआ । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शहर के प्रमुख समाजसेवी हरीश कुमार व्यास उपस्थित होकर कार्यक्रम को संबोधित किया । कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारीगण एवं समाजबंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

चक्रवाती तूफ़ान 'मोन्था' से किसानों की मुश्किलें बढ़ीं

–आदिलाबाद और मंचेरियाल ज़िलों में बारिश से फसलें प्रभावित

मंचेरियाल, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफ़ान 'मोन्था' के असर से बुधवार को आदिलाबाद, मंचेरियाल, निर्मल और कुमरामभीम आसिफाबाद ज़िलों में लगातार बारिश हुई। इससे धान और कपास की फ़सलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।मौसम विभाग के अनुसार सुबह 8.30 बजे तक आदिलाबाद में 2.7 मिमी, मंचेरियाल में 2.3 मिमी, निर्मल में 1.9 मिमी और आसिफाबाद में 1.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। तेज़ हवाएँ मंगलवार आधी रात से जारी हैं।चेन्नूर कस्बे में बाढ़ के कारण कई सड़कें पानी में डूब गईं, जबकि मंडमरी के सारंगपल्ली और वेमनपल्ली मंडलों के कई गाँवों में धान की फसलें नष्ट हो गईं। नगरम–मंगेनापल्ली मार्ग की कच्ची सड़क कीचड़ में तब्दील हो गई, जिससे आवागमन ठप पड़ा। जिले के कई इलाकों में कपास की फसलें भी सड़ने लगी हैं।

डोंगली में 22 क्विंटल चावल की नीलामी 3 नवंबर को

डोंगली, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डोंगली तहसीलदार कार्यालय के राजस्व अधिकारी साईं बाबा ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए चावल की सार्वजनिक नीलामी आयोजित की जाएगी।सूचना संख्या एफ/5.4/572025 दिनांक 30.10.2025 के अनुसार, सस्ते दाम की दुकान क्रमांक 2923010 में वितरण के लिए रखे गए 20 क्विंटल चावल तथा आंगनवाड़ी केंद्र लिम्बूर के 2 क्विंटल चावल बारिश के कारण खराब हो गए हैं।कामारेड्डी कलेक्टर पी.एस. के निर्देश पर इन 22 क्विंटल चावल की सार्वजनिक नीलामी 3 नवंबर 2025 (सोमवार) को सुबह 11:30 बजे सस्ती दर की दुकान नंबर 2923010, मदन हिप्परगा और आंगनवाड़ी केंद्र लिम्बूर में आयोजित की जाएगी।

राजस्व अधिकारी साईं बाबा ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति और आमजन इस नीलामी में भाग ले सकते हैं।

पुलिस शहीद सप्ताह पर रक्तदान शिविर आयोजित

यदागिरिगुट्टा, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस शहीद सप्ताह के अवसर पर राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू (आईपीएस) के निर्देशानुसार गुरुवार को यदागिरिगुट्टा स्थित लकी फंक्शनल हॉल में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन एसीपी यदाद्री पी. श्रीनिवास नायडू के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय अक्षांश यादव आईपीएस ने किया और स्वयं रक्तदान कर अभियान की शुरुआत की।

इस अवसर पर यदाद्री डिवीजन के पुलिस अधिकारी बी. भास्कर, यदागिरिगुट्टा इंस्पेक्टर यलाद्री, अलेरू पुलिस इंस्पेक्टर एवं एसएचओ सहित राजपेट, तुर्कपल्ली, मोटाकोंदूर और गुंडाला पुलिस स्टेशनों के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

बेल्लमपल्ली पीजी कॉलेज में प्रवेश की अंतिम तिथि 1 नवंबर

बेल्लमपल्ली, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो))। प्राचार्य कामपल्ली शंकर ने बताया कि बेल्लमपल्ली शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एमए अंग्रेजी, एमए राजनीति विज्ञान और एमकॉम पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 1 नवंबर निर्धारित की गई है।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2025–26 के लिए टीजी सीपीजीईटी–2025 उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के साथ–साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के जो छात्र असफल रहे हैं, वे भी इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

प्राचार्य ने बताया कि बेल्लमपल्ली राजकीय पीजी कॉलेज में सीट के लिए विकल्प 2, 3 और 4 नवंबर तक पहली प्राथमिकता के रूप में देना आवश्यक है, जिससे प्रवेश की संभावना अधिक हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष शुरू किया गया पीजी सेंटर सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है और परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। छात्रों से अपील की गई है कि वे बेल्लमपल्ली में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध इस अवसर का लाभ उठाएँ।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण

मंचेरियाल, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. अनिता ने जन्नाराम क्षेत्र के वेंकटरावपेट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

डॉ. अनिता ने कहा कि राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत फार्मेसी अधिकारियों को टीकों का उचित भंडारण, सही ढंग से टीकाकरण, दैनिक रिकॉर्ड रखने और बुधवार व शनिवार को संबंधित केंद्रों पर शत–प्रतिशत बच्चों के टीकाकरण के लिए सुनिश्चित प्रयास करने होंगे।

निरीक्षण के दौरान डॉ. सतीश (चिकित्सा अधिकारी, वेंकटरावपेट), डॉ. उमाश्री (चिकित्सा अधिकारी, जन्नाराम), फार्मेसी अधिकारी, नर्सिंग अधिकारी, चिकित्सा कर्मचारी और आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोंथा प्रभावित वारंगल में सीएम ने दिए 2000 लोगों को निकालने के निर्देश

आज करेंगे हवाई सर्वेक्षण

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि चक्रवात मोंथा से बुरी तरह प्रभावित वारंगल जिले में 2,000 लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में निकालने के लिए नौ राहत शिविर स्थापित किए जाएं।

मुख्यमंत्री रेड्डी कल (31 अक्टूबर) बाढ़ग्रस्त वारंगल जिले और हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। वह भारी बारिश से हुए नुकसान और फसलों की क्षति का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री को आज हवाई सर्वेक्षण के लिए जाना था, लेकिन अधिकारियों द्वारा खराब मौसम की चेतावनी के कारण अंतिम समय में इसे रद्द कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने चक्रवात प्रभावित जिलों के कलेक्टरों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार, बाढ़ से भारी नुकसान की सूचना मिली है। वारंगल और हनुमाकोंडा जिलों में साइक्लोन 'मोंथा' के कारण राज्य में 300 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई, जो इस मौसम की सर्वाधिक बारिश है।वारंगल में चक्रवात के उच्च प्रभाव को देखते हुए, मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव और डीजीपी को पुलिस सेवाओं का उपयोग करने और, यदि आवश्यक हो, तो हैदराबाद से आवश्यक उपकरणों के साथ हाइड्रा टीमों को तैनात करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि वारंगल में तत्काल राहत कार्यों के लिए पर्याप्त संख्या में नावें भेजी जाएं और विभिन्न जिलों में उपलब्ध एसडीआरएफ कर्मियों को बाढ़ प्रभावित जिले में भेजा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बाढ़ में छतों और बंगलों में फंसे परिवारों को पीने का पानी और खाद्य पैकेट की आपूर्ति की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वारंगल में राहत कार्यों में तेजी लाई जानी चाहिए और स्थिति पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने के लिए कलेक्टर कार्यालय में एक टोल-फ्री सहायता सेल स्थापित किया जाना चाहिए।

अजहरुद्दीन को कैबिनेट में शामिल करने का विरोध

कांग्रेस ने भाजपा और बीआरएस पर साजिश का आरोप लगाया

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के प्रवक्ता सैयद निजामुद्दीन ने आज भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की कड़ी निंदा की, जिसे उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के मंत्रिमंडल में पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के शामिल होने में बाधा डालने की संयुक्त साजिश बताया।

बीजेपी नेताओं द्वारा आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपे गए एक पत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, निजामुद्दीन ने कहा कि यह कदम अल्पसंख्यकों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित करने का जानबूझकर किया गया प्रयास है। उन्होंने कहा कि अजहरुद्दीन, जिन्होंने कई वर्षों तक भारतीय क्रिकेट टीम का नेतृत्व किया और देश को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई, वह तेलंगाना कैबिनेट में एक स्थान के हकदार हैं।

निजामुद्दीन ने आरोप लगाया कि बीजेपी, बीआरएस के साथ समन्वय में काम करते हुए, केवल इसलिए अजहरुद्दीन की नियुक्ति में बाधा डालने की कोशिश कर रही है क्योंकि वह अल्पसंख्यक समुदाय से संबंध रखते हैं।

उन्होंने बीआरएस एमएलसी के. कविता के उस बयान को याद किया जिसमें उन्होंने बीआरएस और बीजेपी के बीच गुप्त समझौते का खुलासा किया था, जो इस मुद्दे पर उनके समान रुख की व्याख्या करता है।

टीपीसीसी प्रवक्ता ने बीजेपी पर राज्यपाल पर दबाव डालने का भी आरोप लगाया ताकि वह अजहरुद्दीन को पद और गोपनीयता की शपथ न दिलाएँ। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग से बीजेपी की शिकायत इसी बड़ी साजिश का हिस्सा है। निजामुद्दीन ने जोर देकर कहा कि बीजेपी की आपत्ति सिद्धांतों के बजाय पूर्वाग्रह से उपजी है। उन्होंने कहा, बीजेपी अजहरुद्दीन का विरोध सिर्फ इसलिए कर रही है क्योंकि वह एक अल्पसंख्यक नेता हैं। यह मानसिकता उनकी सांप्रदायिक राजनीति को उजागर करती है।

निजामुद्दीन ने कहा कि बीजेपी के पास जुबली हिल्स में जीतने का कोई मौका नहीं है, और यह जानते हुए, उसने केवल बीआरएस को लाभ पहुँचाने के लिए अंतिम समय में एक कमजोर उम्मीदवार को मैदान में उतारा है।

उन्होंने लोगों से, विशेष रूप से अल्पसंख्यक मतदाताओं से, बीजेपी और बीआरएस के बीच इस राजनीतिक मिलीभगत को देखने की अपील की। उन्होंने कहा, दोनों दल कांग्रेस को कमजोर करने और अल्पसंख्यकों को उनके उचित प्रतिनिधित्व से वंचित करने के लिए पर्दे के पीछे एक साथ काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार समावेशी शासन के लिए प्रतिबद्ध है और सभी वर्गों के लिए न्याय को बरकरार रखेगी।

चक्रवात 'मोन्था' से तेलंगाना में तबाही :

बाढ़ ने बिगाड़ा जनजीवन, सड़क और रेल यातायात ठप

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मंगलवार देर रात आंध्र प्रदेश तट को पार करने वाले भीषण चक्रवाती तूफान 'मोन्था' के अवशेषों ने बुधवार को तेलंगाना के कई जिलों में भारी तबाही मचाई। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और सड़क एवं रेल यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।बुधवार सुबह से कई जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा के कारण निचले इलाके जलमग्न हो गए, सड़कें और रेलवे पटरियाँ डूब गईं तथा फसलों को भारी नुकसान पहुँचा है। अनेक स्थानों पर नाले, झीलें और नदियाँ उफान पर आने से सड़क संपर्क टूट गया।वारंगल और दोर्नाकल रेलवे स्टेशनों पर रेलवे ट्रैक पानी में डूब जाने से कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा और कुछ का मार्ग बदलना पड़ा।सबसे अधिक प्रभाव वारंगल, हनमकोंडा, मुलुगु, महबुबाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, नलगोंडा, सिद्दीपेट, यादाद्री भुवनागिरी, सिरसिला और नागरकुर्नूल जिलों में देखा गया।हनमकोंडा जिले के भीमदेवरापल्ले में सुबह 8:30 बजे से रात 10 बजे तक 41.9 सेमी की सर्वाधिक वर्षा दर्ज की गई।तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी के अनुसार, 35 स्थानों पर 20.50 सेमी से अधिक और 68 स्थानों पर 11.50 सेमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई।वारंगल जिले के कल्लाडा में 36.7 सेमी, उरुस में 34.3 सेमी तथा रेडलावाड़ा में 33.9 सेमी बारिश दर्ज की गई।हनमकोंडा के धर्मसागर में 33.28 सेमी वर्षा दर्ज की गई।भारतीय मौसम विभाग (खचऊ) ने जनगांव, वारंगल, हनमकोंडा, महबुबाबाद, सिद्दीपेट, यदाद्री भुवनगिरी, करीमनगर और सिरसिला जिलों के लिए रेड अलर्ट, जबकि आदिलाबाद, निर्मल, आसिफाबाद, मनचेरियल, जगतियाल, पेद्दापल्ली और भूपालपल्ली जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के अनुसार, आंध्र प्रदेश तट पार करने के बाद भीषण चक्रवाती तूफान 'मोन्था' उत्तरी आंध्र प्रदेश और उससे सटे दक्षिणी ओडिशा, दक्षिणी छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर तेलंगाना के क्षेत्रों में कमज़ोर होकर गहरे दबाव के क्षेत्र में बदल गया। आगे चलकर यह दक्षिणी छत्तीसगढ़ और आसपास के इलाकों में दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो गया।वारंगल जिले में प्रशासन ने सभी शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित कर दिया है।

वारंगल रेलवे स्टेशन पर पटरियों पर पानी भर जाने से विजयवाड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस और ईस्ट कोस्ट एक्सप्रेस को स्टेशन पर ही रोकना पड़ा।

महबूबाबाद जिले के दोर्नाकल रेलवे स्टेशन पर भी जलभराव के कारण ट्रेनों की आवाजाही बाधित रही।

दक्षिण मध्य रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द किया या उनका मार्ग परिवर्तित कर दिया।हनमकोंडा बस स्टेशन झील में तब्दील हो गया, जबकि शहर की सड़कें भी नालों के उफान से लबालब हो गईं।खम्मम जिले में एक डीसीएम वाहन और उसका चालक बाढ़ के पानी में बह गए। वाहन कोनिजारला मंडल के जनाराम पुल के पास निम्मावागु नदी की धारा में बह गया।विकाराबाद जिले में कगना नदी में बह गए एक व्यक्ति को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। यह घटना तंदूर मंडल के वीरीशेट्टीपल्ली के पास हुई।

नलगोंडा जिले में पुलिस और अन्य विभागों के कर्मियों ने देवरकोंडा मंडल के कोम्मापल्ली गाँव में स्थित आदिवासी कल्याण बालक आवासीय विद्यालय के 500 छात्रों को बाढ़ के पानी से सुरक्षित निकाला। विद्यालय की इमारत पास के एक नाले से बह रहे पानी में डूब गई थी और छात्र मदद के लिए चिल्ला रहे थे।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें जिला कलेक्टरों के मार्गदर्शन में भारी वर्षा प्रभावित जिलों में समन्वित बचाव अभियान चला रही हैं।

निपटान समिति ने 4.56 करोड़ रुपए की दवाएं नष्ट कीं

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ड्रग डिस्पोजल कमेटी ने हैदराबाद सिटी पुलिस के साथ मिलकर 27 अक्टूबर 2025 को पहले चरण में जब्त की गई कुल 4.56 करोड़ मूल्य की नशीली दवाओं को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई रंगा रेड्डी जिले के जीजे मल्टीक्लेव परिसर में की गई।इस निपटान में 2019 से 2025 के बीच शहर के 26 पुलिस थानों में दर्ज 128 नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ (छऊझड) मामलों को शामिल किया गया। नष्ट की गई दवाओं की कुल कीमत 4,56,43,930 रही।ज़ब्त की गई सामग्री में सबसे अधिक मात्रा में गांजा (1585.907 किलोग्राम) पाया गया, जबकि कुल नशीले पदार्थों का वजन लगभग 1586.077 किलोग्राम था। इसके अलावा हैश ऑयल, एलएसडी और कई प्रकार की गोलियाँ भी शामिल थीं।वर्ष 2024 में, 326 विभिन्न मामलों से 10.56 करोड़ मूल्य की प्रतिबंधित वस्तुएँ दो चरणों में नष्ट की गई थीं।पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनर की देखरेख में समिति की अध्यक्ष एन. श्वेता ने नशीली दवाओं के निपटान की प्रक्रिया संपन्न की।गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ही हैदराबाद पुलिस ने तीन दोस्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2.7 करोड़ मूल्य का 908 किलोग्राम गांजा बरामद किया था, जो इसे महाराष्ट्र के एक व्यापारी के पास पहुंचाने जा रहे थे।

टीजीपीएससी 8 से 16 नवंबर तक विभागीय परीक्षा आयोजित करेगा

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) ने घोषणा की है कि वह 8 नवंबर से 16 नवंबर 2025 तक 'विभागीय परीक्षा' आयोजित करेगा। परीक्षा का आयोजन हैदराबाद, रंगा रेड्डी और मेडचल मलकाजगिरी जिलों सहित हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (क्चउ-) क्षेत्र में किया जाएगा।

सर्वेक्षण और भाषा परीक्षणों को छोड़कर, सभी वस्तुनिष्ठ परीक्षाएँ कंप्यूटर आधारित टेस्ट (उइढ) मोड में आयोजित की जाएंगी।जिन उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, वे 1 नवंबर 2025 ी शाम 5 बजे से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://www.tgpsc.gov.in से अपने हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive....................
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj,
Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

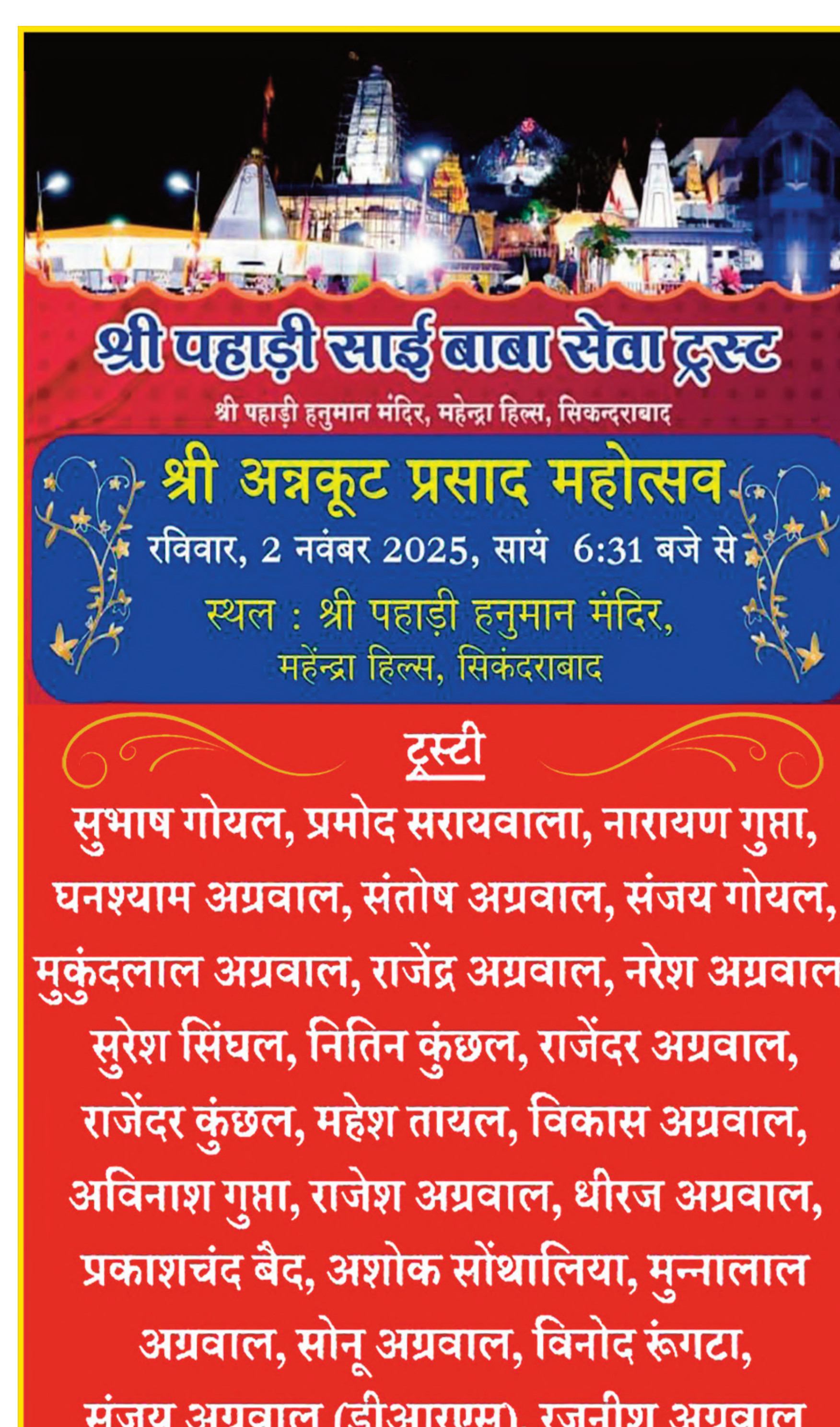

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.